जबलपुर, सोमवार 13 अप्रैल 2026 ■ वैशाख मास कृष्ण पक्ष -11 ■ वर्ष : 20, अंक : 342 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 32 न्यून. 21 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दिग्गज गायिका आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन, आज होगा अंतिम संस्कार

हमेशा जिंदा रहेंगी 'आशा,...बस, वे गाएंगी नहीं

एजेंसी:मुंबई। भारतीय संगीत जगत की महान गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में रविवार दोपहर अंतिम सांस ली। बेटे आनंद भोसले ने कहा कि सोमवार सुबह 11 बजे उनके घर पर अंतिम दर्शन किए जा सकते हैं। अंतिम संस्कार सोमवार शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा। आशी जी को शनिवार को अत्यधिक थकान और चेस्ट में इन्फेक्शन की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सात दशकों से अधिक समय तक अपनी जादुई आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली आशा ताई ने भारतीय संगीत को अनगिनत अमर गीत दिए और अपने पीछे एक अतुलनीय विरासत छोड़ गईं। आशा जो को पद्म विभूषण और दादासाहेब फाल्के जैसे बड़े अवॉर्ड मिले। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उन्हें सबसे ज्यादा गीत रिकॉर्ड करने वाली गायिका के रूप में स्थान मिला। आशा भोसले के निधन के बाद प्रधानमंत्री मोदी, मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव समेत लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

बड़ी बहन लताजी की उम्र में ही दुनिया से विदा हुईं

'दादासाहेब फाल्के' व 'पद्म विभूषण' से सम्मानित थीं

'नया दौर' फिल्म से मिली सफलता

आशा भोसले ने 10 साल की उम्र में गाना शुरू किया और 1943 की मराठी फिल्म 'माझा बाल' के गीत 'चला चला नव बाला' से अपने करियर की शुरुआत की। पांच साल बाद उन्होंने फिल्म 'चुनरिया' (1948) के गीत 'सावन आया' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। उन्हें असली पहचान फिल्म 'नया दौर' (1957) के गीतों 'मांग के साथ तुम्हारा' और 'उड़ें जब जब जुल्फें तेरी' से मिली।

भावुक हुए पीएम मोदी

कहा-उनके गीत हमेशा लोगों की जिंदगी में गूंजते रहेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी ने कई तस्वीरें शेयर कर लिखा कि उनका अनोखा संगीत सफर दशकों तक चला, जिसने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनियाभर के अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ। भावपूर्ण गीतों से लेकर जोशीले संगीत तक, उनकी आवाज़ में हमेशा एक खास चमक रही। उनके साथ हुई मेरी बातचीतों की यादें मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

नरेंद्र मोदी

सीएम डॉ. यादव ने दी श्रद्धांजलि-वे सुरों व संगीत की अप्रतिम साधिका

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे सुरों और संगीत की अप्रतिम साधिका थीं। शास्त्रीय संगीत और गायन का उन्होंने गहरा अभ्यास किया था। आशा जी ने अपने गायन करियर में कई दिग्गज कलाकारों के लिए गीत गाए। जिन भी अभिनेत्रियों के लिए उन्होंने गीत गाए उनको अपने अभिनय करियर में अपार सफलता मिली।

डॉ. मोहन यादव

पढ़ें पेज 2 भी

Ninh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल टेस्ट
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
एसआरएच आरआर
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

शिवराज बने विधायक दल बैठक के पर्यवेक्षक

भोपाल। बिहार में नए सीएम की नियुक्ति के लिए भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस निर्णय को पार्टी में उनकी मजबूत पकड़ और अनुभव पर भरोसे के रूप में देखा जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 15 से रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा 2026 की घोषणा हो चुकी है। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के अनुसार, इस साल की वार्षिक तीर्थयात्रा 3 जुलाई 2026 से शुरू होगी। समापन 28 अगस्त को रक्षा बंधन के पावन अवसर पर होगा। 15 अप्रैल से पंजीयन होंगे।

एफआईआर के बाद पति का दावा, मोनालिसा गायब

नई दिल्ली। प्रयागराज महाकुंभ वायरल गर्ल केस में नया मोड़ सामने आ गया है। मोनालिसा के पति फरहान ने दावा किया है कि वह उसे छोड़कर भाग गई है, जिसकी तलाश के लिए वह राजस्थान के अजमेर में भटक रहा है। उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता » इस्लामाबाद में 21 घंटे की मैराथन शांति वार्ता विफल, भड़के ट्रंप ने कहा-ईरान में जो कुछ बचा है उसे भी खत्म कर देंगे

कोई फॉर्मूला न बन पाने पर रूस के राष्ट्रपति बोले-हम मध्यस्थता करेंगे

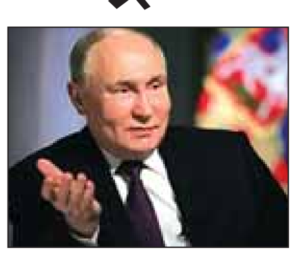

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता भले ही विफल हो गई हो पर अंतिम अवसर अभी भी बचा है। पर दो हफ्तों तक सीजफायर के दौरान कोई बात नहीं बनती है तो युद्ध और भीषण रूप ले सकता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लीजिए, पाकिस्तान फेल हो गया। मिडिल ईस्ट का नया चौधरी बनने की उसकी ख्वाहिश धरी की धरी रह गई। पाक के पीएम शाहबाज शरीफ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पीछे भागते नजर आए। पर, वेंस अपने 4 साथियों के साथ वॉशिंगटन लौट गए। ईरान का 70 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी तेहरान चला गया। 21 घंटे तक चली शांति वार्ता में पाक कोई समाधान नहीं सुझा सका और दोनों पक्षों को किसी भी फॉर्मूले पर राजी कर सका।

पाक की इस विफलता के बाद रूस सामने आया है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि वे इस मसले पर मध्यस्थता करने को तैयार हैं।

वार्ता विफल रहने पर भी सीजफायर रहेगा कायम

इस्लामाबाद में शांति वार्ता के दौरान की तस्वीर

अमेरिका ने क्या रखी शर्त

- ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे
- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फौरन खोल दे

ईरान ने क्या रखी शर्त

- लेबनान पर तत्काल हमले बंद हों
- परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण रहेगा

पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन से शांति प्रयासों पर बात की

संभवतः अगली शांति वार्ता मास्को में आयोजित की जाए

अमेरिका ने दिया 'अंतिम प्रस्ताव'

जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के सामने अपना अंतिम और सबसे अच्छा प्रस्ताव रखा था। हमें उनकी ओर से इस बात की स्पष्ट प्रतिबद्धता दिखनी चाहिए कि वे परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश नहीं करेंगे और न ही ऐसे साधन हासिल करने की कोशिश करेंगे।

बोले ईरानी स्पीकर

भरोसा हासिल करने में नाकाम रहा अमेरिका

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने कहा कि अमेरिका ईरान का भरोसा हासिल करने में नाकाम रहा, जबकि उन्होंने इसे तेहरान की अच्छी नीयत से बातचीत करने की इच्छा बताया। ईरानी डेलीगेशन के रखे गए प्रस्तावों से आखिरकार कोई तरक्की नहीं हुई। अमेरिका ने हमारे लॉजिक और प्रिंसिपल्स को समझ लिया है, और अब यह तय करने का समय है कि वह हमारा भरोसा जीत सकता है या नहीं।

धूप से बचने चेहरे को ढक रहे लोग

सबसे गर्म रतलाम में 41 डिग्री

3 दिन में बनेंगे लू के हालात दो दिन में पारा 4 डिग्री बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेशभर में गर्मी का पारा तेजी से बढ़ रहा है। भोपाल में दो दिन में ही अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री की बढ़त हुई है, जबकि अगले 3 दिन में इसमें 3 से 4 डिग्री तक और बढ़त होने की उम्मीद है। इससे नए पश्चिमी विक्षोभ आने से पहले कई जिलों में लू जैसे हालात बनेंगे। भोपाल में भी पारा 40 से 41 डिग्री तक पहुंच सकता है। भोपाल में रविवार को तेज धूप और नमी में हो रही कमी से दिन के तापमान में 1.8 डिग्री की बढ़त के साथ पारा 38.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से दशमलव 3 डिग्री अधिक है। प्रदेश में सबसे गर्म रहे रतलाम में अधिकतम तापमान 41 डिग्री रहा। करीब आधा दर्जन जिलों में पारा 38 से 40 डिग्री के बीच रहने से गर्मी तेजी पकड़ने लगी है।

- भोपाल में 1.8 डिग्री बढ़त के साथ 38.6
- दर्जनभर जिले 38 से 40 डिग्री के बीच

यहां लू जैसे हालात बनेंगे

रविवार को पूर्वी मप्र में गर्मी तेजी से बढ़ी। दमोह, खजुराहो, मंडला, रीवा, सतना, सीधी, टीकमगढ़, उमरिया, मलाजखंड सहित एक दर्जन जिलों में पारा 2.5 डिग्री से 4 डिग्री तक बढ़ा है। इन जिलों में पारा 40 डिग्री के करीब रहा। धार, नर्मदापुरम, खजुराहो, मंडला और रतलाम में 40 डिग्री पार रहा है। पारा 42 से 43 डिग्री के बीच पहुंचने पर मौसम में बदलाव होता है। पिछले 10 साल में वर्ष 2016 से 2019 के साथ ही 2021, 2022 में दिन का पारा 43 से 44 डिग्री तक रहा है। इस साल भी दिन का पारा अप्रैल के अंतिम सप्ताह में 42 से 43 डिग्री को पार करेगा।

28 साल पुराना फर्जीवाड़ा

186 लोगों को बांटे थे...एक एक लाख के फर्जी होम लोन

अपेक्स बैंक के एमडी रहे प्रदीप नीखरा को जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश सहकारिता विभाग के रिटायर्ड अफसर और अपेक्स बैंक के एमडी रहे प्रदीप नीखरा को 28 साल पुराने एक फर्जीवाड़े में जेल हो गई। मामला सहकारी आवास संघ से जुड़ा है। जिसमें जनरल मैनेजर रहते नीखरा ने रायपुर की एक सहकारी समिति के 186 सदस्यों को 1.86 करोड़ रुपए का फर्जी लोन मंजूर दिया था।

16 से 18 तक विशेष संसद सत्र

महिला आरक्षण पर भाजपा ने पहले ही जारी किया व्हिप

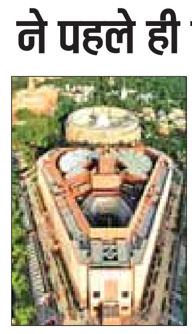

इस दौरान सांसद या केंद्रीय मंत्रियों को छुट्टी नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने आगामी विशेष संसद सत्र को लेकर अपने सभी सांसदों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए 16 से 18 अप्रैल तक सदन में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है। इस अवधि के दौरान किसी भी सांसद या केंद्रीय मंत्री को छुट्टी नहीं दी जाएगी।

मप्र में 3 सड़क हादसों में गई 10 लोगों की जान

डिंडोरी में तेज रफ्तार 'कैप्सूल वाहन' ने 5 लोगों को रौंद डाला, मौके पर मौत

पिकअप में सवार लोग नीचे उतरकर बैठे थे तभी मौत बनकर आया कैप्सूल वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डिंडौरी

जिले के एनएच 45 गाड़ा सरई थाना क्षेत्र के किकरा तालाब गांव के पास एक अनियंत्रित कैप्सूल वाहन ने सड़क किनारे बैठे 5 लोगों को कुचल दिया। हादसे में 5 व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। घटना जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर शनिवार-रविवार रात करीब 12:30 बजे की है। परसवाह गांव के निवासी एक पिकअप से सिलयारी गांव में एक चौक कार्यक्रम से लौट रहे थे।

हादसे के बाद खड़ा कैप्सूल वाहन

देवास में 3 युवकों की मौत

देवास। शनिवार रात करीब डेढ़ बजे नेवरी फाटा के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई और पेड़ से जा टकराई। कार को किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मारी, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मोहित (22) निवासी ग्राम गुनाई भौरासा, शुभम (24) और प्रदीप (20) निवासी दूधलाई सोनकच्छ की मौके पर ही मौत हो गई।

खाई में गिरी यात्री ट्रैवलर, 4 गंभीर घायल

मंडला। मंडला से जबलपुर जा रही यात्रियों से भरी एक टूरिस्ट ट्रैवलर आज दोपहर टिकरिया के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई और नीचे एक पेड़ से टकराकर रुक गई। हादसे में वाहन में सवार 12 यात्रियों में से 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य को हल्की चोटें आईं। दुर्घटना उस समय हुई जब सामने से आ रहे एक ट्राला चालक ने अचानक वाहन को विपरीत दिशा में मोड़ दिया। उसे बचाने के प्रयास में ट्रैवलर चालक संतुलन खो बैठा, जिससे वाहन खाई में जा गिरा। शोर सुनकर आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू करते हुए सभी यात्रियों को वाहन से बाहर निकाला। एम्बुलेंस की मदद से घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। गंभीर घायलों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना

आंबेडकर की मूर्ति के सामने जोड़ते हैं हाथ पर संविधान को पहुंचाते हैं हानि

दिल्ली में संविधान की रक्षा के लिए मैराथन को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राहुल गांधी 'रन फॉर आंबेडकर' और 'रन फॉर कांस्टीट्यूशन' मैराथन 2026 में शामिल हुए

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में 'रन फॉर आंबेडकर' और 'रन फॉर कांस्टीट्यूशन' मैराथन 2026 की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर का सबसे बड़ा संदेश संविधान ही था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा वाले लोग आंबेडकर के विचारों और संविधान को खत्म करना चाहते हैं। भाजपा के लोग आंबेडकर की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर सिर्फ दिखावा करते हैं, जबकि उनका असली मकसद संविधान को नुकसान पहुंचाना है।

आष्टा में मुख्यमंत्री ने 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित किए 1836 करोड़ रुपए

योजना में मप्र की बहनों को अब तक 55 हजार करोड़ की राशि दी गई

- आष्टा में 184 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन
- स्वतंत्रता के बाद पहली बार नारी सशक्तिकरण का बड़ा कार्य इसी माह होने जा रहा

सीएम ने 2 सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण, कक्षा में बच्चों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हमारी सरकार अब तक लाड़ली बहना योजना के जरिए बहनों को 55 हजार करोड़ से अधिक राशि दे चुकी है। रविवार को आष्टा से प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए अंतरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा में बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रदेश की लाड़ली बहनों को राशि अंतरित करते सीएम डॉ. यादव

स्व-सहायता समूहों की 65 लाख से अधिक बहनें सशक्त हुईं

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 12 लाख से अधिक लखपति दीदियां हैं। अकेले सीहोर में 1 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों की दीदियां हैं। प्रदेश के 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों की 65 लाख से अधिक बहनें सशक्त हुई हैं। राज्य सरकार मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत विवाह के लिए 55 हजार रुपए की राशि दे रही है।

आशा भोसले की गायकी का फलक अत्यंत विस्तृत है। चाहे वह चुलबुले और नटखटी गीत हों, रूमानी नगमे हों या फिर थिरकने पर मजबूर कर देने वाले कैबरे। हर विधा में उन्हें महारथ हासिल थी। जहां उन्होंने 'इन आंखों की मस्ती के' जैसी गजलों में रूहानियत और गहराई भरी, वहीं 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गीतों के ज़रिए भारतीय संगीत में आधुनिकता, साहस और नई ऊर्जा का संचार किया। इसलिए कहा जाता था कि आशा भौंसले की उम्र बढ़ी लेकिन आवाज जस की तस रही। आशा भोंसले का नाम केवल प्रशंसकों के दिलों में ही नहीं, बल्कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है।

आशा के 'अमर' सुर.. कभी बूढ़ी नहीं हुई 'आवाज'

1000 से ज्यादा फिल्मों में गाने गाए

20 भाषाओं में गाने गाने का रिकॉर्ड

12 हजार से ज्यादा गाने गाए

झुमका गिरा रे... बरेली को दी पहचान

आशा भोसले का गाया गीत झुमका गिरा रे, बरेली के बाज़ार में, जिसे फिल्म मेरा साया में अभिनेत्री साधना पर फिल्माया गया था। यह गीत आशा भोसले की सुरीली आवाज, भावपूर्ण संगीत और जीवंत माहौल के कारण लोकप्रिय हुआ। भले ही यह गीत 54 साल पुराना है। करीब पांच दशक बाद बरेली ने आखिरकार इस प्रतिष्ठित गीत को अपनाते हुए 14 फीट ऊंचा झुमका स्थापित किया है। इस गीत ने बरेली को 'झुमका सिटी' के रूप में नई पहचान दी।

1948 में गाया पहला गाना

आशा के कॅरियर का पहला गीत साल 1948 में आई फिल्म चुनरिया का गीत सावन आया... है। साल 1957 में संगीतकार ओपी नैय्यर के संगीत निर्देशन में बनी निर्माता-निर्देशक बीआर चोपड़ा की फिल्म नया दौर आशा के कॅरियर का अहम पड़ाव साबित हुई। वहीं फिल्म तीसरी मंजिल में आशा भोंसले ने आरडी बर्मन के संगीत में आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा... गाने को अपनी आवाज दी। ये गाना सुपरहिट रहा।

जन्म : 08 सितंबर 1933   **अवसान : 12 अप्रैल 2026**

आइडियल थीं लता दीदी

आशा भोसले तो लता दीदी को अपना आदर्श मानती थीं। लेकिन कम उम्र में ही आशा भोसले के कारण लता मंगेशकर का दिल दुखा था। दरअसल, आशा भोसले ने 16 साल की उम्र में लता मंगेशकर के सचिव गणपत राव भोसले से प्रेम विवाह कर लिया। गणपत राव आशा से 20 साल बड़े थे। इस रिश्ते को लता मंगेशकर और उनके परिवार ने स्वीकार नहीं किया।

लता मंगेशकर और आशा भोसले के रिश्तों पर बनी फिल्म

बॉलीवुड में एक फिल्म साज भी बनी थी, इसे साई परांजपे ने बनाई थी। कहा जाता है कि यह फिल्म लता मंगेशकर और आशा भोसले के रिश्तों पर थी। फिल्म में लीड रोल में शबाना आजमी और अरुणा ईरानी थीं, इन्होंने फिल्म में दो बहनों का रोल किया था। एक इंटरव्यू में इस फिल्म के बारे में आशा भोसले ने कहा था, यह बिल्कुल भी सच नहीं है। दो महिलाओं को फिल्म में लेना, कुछ घटनाओं को चुनना और उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर 3 घंटे की फिल्म बना देना, यह तो समय की पूरी बर्बादी है। जबकि डायरेक्टर ने कहा था कि इसका आइडिया उन्हें एक्ट्रेस शबाना आजमी से मिला था। एक्ट्रेस ने उनसे एक प्लेबैक सिंगर पर फिल्म बनाने को कहा था। डायरेक्टर ने यह भी कहा कि फिल्म में दो बहनों की जो कहानी दिखाई गई है, वह एक राइटर के तौर पर उनके खुद के अनुभवों और भावनाओं पर आधारित है।

पहले पति ने प्रेग्नेंसी की हालत में घर से बाहर निकाल दिया था

आशा भोसले और गणपत राव की शादी ज्यादा नहीं चली। 11 साल बाद आशा भोसले पति से अलग हो गईं। गणपत राव से आशा भोसले को तीन बच्चे हुए। गणपत राव ने आशा भोसले को 2 बच्चों और प्रेग्नेंसी के हालत में घर से निकाल दिया था। गणपत का परिवार रूढ़िवादी था, वह एक सिंगिंग स्टार को स्वीकार नहीं कर सका।

सिंगर न होतीं तो कुक बनतीं आशा भोसले

आशा भोसले को आज दुनिया एक मशहूर गायिका के रूप में जानती है। अगर वह कभी सिंगर ना बन पातीं तो कुक के प्रोफेशन को चुनतीं। आशा भोंसले ने एक इंटरव्यू में बताया था कि अगर वह सिंगर नहीं बनती तो वह एक कुक होतीं। बता दें कि दुबई, कुवैत में उनके नाम से रेस्टोरेंट भी है। यहां पर भारतीय खाना मिलता है। एक खबर के अनुसार इंटरनेशनल कुक रसेल स्कॉट ने आशा ब्रांड के राइट्स खरीदे थे। वह ब्रिटेन में लगभग 40 रेस्टोरेंट खोलने की योजना बना रहे थे।

बेटी और बेटे के गुजर जाने से टूटा दुखों का पहाड़

पति आरडी बर्मन को आशा भोसले पहले ही खो चुकी थीं। फिर उनकी जिंदगी से जुड़े दो खास लोग भी दुनिया को अलविदा कह गए। आशा भोसले की बेटी वर्षा ने साल 2012 में आत्महत्या कर ली। वहीं चार साल बाद यानी 2015 में बेटे हेमंत का कैंसर के कारण निधन हो गया। दो बच्चों की मौत ने आशा भोसले को भीतर से तोड़ दिया।

बड़े पर्दे पर दिखाया एक्टिंग का हुनर

आशा भोसले ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन गीत गाए। हिंदी के अलावा वह कुल 20 भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गा चुकी हैं। सिंगिंग के अलावा आशा भोसले ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया था। साल 2013 में आशा भोसले ने एक मराठी फिल्म 'माई' में अभिनय किया। इसमें उनके अभिनय को खूब सराह गया था।

छह साल छोटे आरडी बर्मन से प्यार और दूसरी शादी

पहली शादी टूटने के बाद आशा भोसले की जिंदगी में फिर से प्यार की बहार आई। एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान संगीतकार आरडी बर्मन और आशा भोसले की मुलाकात हुई। आरडी बर्मन ने आशा भोसले के सामने अपने प्यार का इजहार किया था। वह आशा भोसले से 6 साल छोटे थे। आरडी बर्मन से आशा भोसले ने 1980 में शादी की। लेकिन इनकी शादी की राह आसान नहीं थी। आशा भोसले के तीन बच्चे पहली शादी से थे, ऐसे में आरडी बर्मन के परिवार वाले इस शादी के राजी नहीं थे। लेकिन आरडी बर्मन नहीं माने, उन्होंने आशा से शादी की। आगे चलकर दोनों ने बेहतरीन गीतों पर काम किया। साल 1994 में आरडी बर्मन का निधन हुआ, इसके बाद आशा अकेली पड़ गईं।

आशा का वो गाना, जो रेडियो पर बैन तो दूरदर्शन से हटाया

देव आनंद, जीनत अमान और मुमताज अभिनीत फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा में आशा भोसले की आवाज में दम मारो दम गाना रिलीज होते ही विवादों में घिर गया था। आरडी बर्मन का संगीत और आनंद बख्शी के बोल इस गाने में थे। गाने में जीनत अमान को हिप्पी स्टाइल में चिलम फूंकते हुए दिखाया गया था, जो नशे के कल्चर को एक तरह से ग्लैमराइज करने का तरीका था और इस पर गंभीर आरोप भी लगा। कई लोगों ने इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ और युवाओं में नशे को बढ़ावा देने वाला बताया।

बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल का अवॉर्ड

रेडियो पर हुआ बैन

इस गाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि ऑल इंडिया रेडियो ने गाने पर प्रतिबंध तक लगा दिया। यही नहीं दूरदर्शन ने फिल्म के टीवी प्रसारण के दौरान इस गाने तक को काट दिया। जब फिल्म टीवी पर आई तो दम मारो दम को पूरी तरह हटा दिया गया था। गजब की बात यह है कि आशा भोसले को इस गाने के लिए बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल का अवॉर्ड भी मिला था। देवानंद ने फिल्म में इसे एंटी-ड्रग मैसेज के तौर पर रखा था लेकिन गाने की कैची धुन और बोल्ड विजुअल्स ने इसे अलग ही पहचान दे दी।

आशा भोसले को मिले अवॉड्‍र्स

- पद्म विभूषण – 2008
- दादासाहेब फाल्के – 2000
- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 1981 और 1986
- फिल्मफेयर पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 1968, 1969, 1972, 1973, 1974, 1975 और 1979
- फिल्मफेयर स्पेशल अवॉर्ड (फिल्म रंगीला) – 1996
- फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड – 2001
- आइफा अवार्ड (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 2002, फिल्म लगान के गीत राधा कैसे न जले के लिए
- नाइटिंगेल ऑफ एशिया अवॉर्ड – 1987
- सिंगर ऑफ द मिलेनियम – 2000 (दुबई)
- बीबीसी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड – 2002
- पद्म विभूषण से सम्मानित, दादासाहेब फाल्के और नेशनल अवॉर्ड तक
- गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम है दर्ज
- साल 2011 में उन्हें गिनीज ने 20 अलग-अलग भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाना रिकॉर्ड करने के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया था।

मंगेशकर परिवार

सेवंती मंगेशकर(मां), लता मंगेशकर, आशा भोसले, ऊषा मंगेशकर, मीना खाड़ीकर, ह्दयनाथ मंगेशकर

कई शैलियों में गातीं थीं आशा

चुलबुले और रूमानी गीत

आशा जी को कैबरे और पश्चिमी धुन वाले गानों की रानी माना जाता है। उन्होंने आरडी बर्मन के साथ मिलकर संगीत में एक नई जान फूंकी थी।

उदाहरण: दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा, ओ हसीना जुल्फ़ों वाली

ठुमरी और शास्त्रीय संगीत

हालांकि, उनकी छवि एक मॉडर्न गायिका की थी, लेकिन कठिन शास्त्रीय बंदिशों और ठुमरी में उनका कोई सानी नहीं है। फिल्म उत्सव और उमराव जान के गानों में इसकी झलक मिलती है।

उदाहरण: मन क्यों बहका रे बहका, दिल चीज़ क्या है

भावपूर्ण गज़लें

फिल्म उमराव जान के लिए उन्होंने अपनी गायकी का अंदाज़ पूरी तरह बदल लिया था। उनकी आवाज़ की गंभीरता और शब्दों के सही उच्चारण (तलफ़्फ़ुज़) ने गज़लों को अमर बना दिया।

उदाहरण: इन आंखों की मस्ती के, जुस्तजू जिसकी थी।

भजन और भक्ति गीत

उनकी आवाज़ में जहां एक तरफ मादकता थी, वहीं दूसरी तरफ भक्ति गीतों में उतनी ही पवित्रता और सादगी भी थी।

उदाहरण: तोरा मन दर्पण कहलाए

पॉप और रिमिक्स

९० के दशक में जब पॉप संगीत का दौर आया, तब भी आशा जी ने जानम समझा करो और कही आग लगे जैसे गानों से युवा पीढ़ी के बीच अपनी धाक जमाए रखी।

लोक संगीत और लावणी

मराठी होने के नाते, उन्होंने लावणी (महाराष्ट्र का लोक संगीत) में जो ऊर्जा भरी, वह बेमिसाल है।

GALGOTIAS UNIVERSITY

Ranked Globally. Committed to making India Proud.

NAAC GRADE A+ Accredited University

QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS

BY SUBJECT 2026

For Computer Science and Information Systems

Ranked
11*th* *in* India amongst Private Universities

Ranked
2*nd* *in* Uttar Pradesh amongst Private Universities

Ranked
30*th* *in* India amongst all Private *and* Government Universities

Ranked
601-650 Band Globally

Launched India's Finest Active Learning Campus

In consultancy collaboration with

INSPIRE NANYANG TECHNOLOGICAL UNIVERSITY SINGAPORE

G-SCALE
GALGOTIAS STUDENT CENTERED ACTIVE LEARNING ECOSYSTEM
• Critical Thinking • Collaboration • Engagement • Experiential Learning

G-SCALE moves education beyond passive lectures to an environment where students actively engage in real-world problem-solving, collaboration, and experiential learning.

Centre for Drone Intelligence & Simulation

Next Gen Structure and Smart Hydraulics Lab

Centre of Excellence - Tableau AI Data Lab

HP-Intel AI for Future Workforce Lab

Semiconductor Research Lab

INDUSTRY INTEGRATED ACADEMIC CENTRES

Centre for Supercomputing & Advanced AI Research anchored by NVIDIA DGX H200 GPUs

Advanced Geotechnical and Earth Science Centre

Centre for Design Thinking & Augmented Reality

TATA Technologies Learning Centre

CISCO Networking Academy

Cisco Centre of Excellence

APPLY TODAY FOR CAREER FOCUSSED 2026–27 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. PROGRAMMES

Computer Science and Engineering | Electronics and Communication Engineering | Electrical Engineering | Mechanical Engineering | Civil Engineering | Computer Applications and Technology | Defence Technology | Artificial Intelligence | Business | Aviation | Logistics and Supply Chain Management | Tourism Management | Liberal Education | Languages | Finance & Commerce | Basic Sciences | Biosciences and Technology | Forensic Sciences | Agriculture | Law | Pharmacy | Allied Health Sciences | Nursing | Media and Communication Studies | Hospitality | Design | Education | Polytechnic | Vocational Education | Skilling and Entrepreneurship

For Admissions Scan to Apply

GALGOTIAS UNIVERSITY

#GetYourSelfPlaced

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** **9971026125** **0120-4370000**

Web: www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया

भाजपा के साथ दिख रहा बंगाल का मिजाज, यह लोगों के दिल- दिमाग में छाई, टीएमसी ने केवल राज्य को बर्बाद किया और घुसपैठियों को शरण दी

पीएम मोदी ने कैप्शन दिया 'पश्चिम बंगाल का मिजाज देखने के लिए, यहां सिलीगुड़ी आइए। लोगों के दिलों-दिमाग में सिर्फ एक ही पार्टी सिर्फ भाजपा है। रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का प्यार और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है

एजेंसी ▶▶ सिलीगुड़ी

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में हुई विशाल जनसभा के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल का मिजाज अब साफ तौर पर भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। वे हेलीपैड के पास खड़े होकर समर्थकों की भीड़ की वीडियोग्राफी कर रहे थे। तस्वीरों में भारी संख्या में लोग उनके स्वागत के लिए हेलीपैड के पास पहुंचे थे। पीएम मोदी ने कैप्शन दिया 'पश्चिम बंगाल का मिजाज देखने के लिए, यहां सिलीगुड़ी आइए। लोगों के दिलों-दिमाग में सिर्फ एक ही पार्टी सिर्फ भाजपा है। रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जनता का प्यार और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि वह हर पल देश और जनता के लिए समर्पित हैं। पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों में उत्तर बंगाल के विकास को नजरअंदाज किया गया है। सिलीगुड़ी के बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और उद्योग के मामले में पीछे रखा गया।

टीएमसी ने केवल काले कारनामे किए

टीएमसी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा टीएमसी वालों कान खोलकर सुन लो, 4 मई के बाद भाजपा सरकार बनेगी और 15 साल का पाई-पाई का हिसाब देना पड़ेगा। टीएमसी सरकार अपने 15 साल पूरे कर चुकी है। 15 साल में बर्बादी आपने देखी है। मैं यहां काफी नौजवानों को देख रहा हूं। टीएमसी ने सिर्फ काले कारनामे किए हैं।

जनता का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री ने खुद थाम लिया कैमरा

प्रधानमंत्री की रैली ने जन-समर्थन के तमाम पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। इसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। रैली शुरू होने से ठीक पहले पीएम मोदी ने स्वयं अपने मोबाइल फोन से उमड़े हुए जनसैलाब का वीडियो बनाया। उन्होंने लिखा कि सिलीगुड़ी में भाजपा के प्रति जनता का उत्साह और 'फ्रेन्जी' अकल्पनीय है।

ममता ने बंगाल को तबाह कर दिया

जनसभा के दौरान उन्होंनचुनाव में प्रचंड जीत की हुंकार भरी। ममता और उनकी पार्टी को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों में जो ऊर्जा मैं देख रहा हूं, उससे मुझे यकीन हो गया है कि टीएमसी की हार निश्चित है। टीएमसी ने अपने 15 साल के कार्यकाल में पश्चिम बंगाल को तबाह कर दिया।

टीएमसी ने टुकड़े-टुकड़े गैंग को पुरस्कृत किया

उन्होंने कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग, जिन्होंने सिलीगुड़ी गलियारे को काटने की धमकी दी थी। टीएमसी ने उन्हें संसद भेजकर पुरस्कृत किया। सडबल इंजन की सरकार के साथ बंगाल में विकास की गति दोगुनी हो जाएगी। टीएमसी ने केंद्रीय योजनाओं में बाधा डाली। यहां पर 25 प्रतिशत से भी कम काम पूरा हुआ है। घुसपैठ के कारण उत्तर बंगाल में बड़ा जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो रहा है।

भाजपा पर ममता का पलटवार — एसआईआर सबसे बड़ा घोटाला सभी ईवीएम पर नजर रखें

पूर्वी बर्धमान। बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है और एसआईआर को

हाल के दिनों में देश का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। ममता ने पूर्वी बर्धमान जिले के खंडघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आई तो वह वहां की जनता से सब कुछ छीन लेगी। मतदान खत्म होते ही वे अपने वादे भूल जाते हैं। बेनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करेगी और लोगों से सतर्क रहने और ईवीएम पर नजर रखने का आग्रह किया। भाजपा ने धीमी गति से मतदान और धीमी मतगणना की योजना बनाई है।

स्टालिन ने किया जनसंपर्क

रामनाथपुरम। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने चुनावों से पहले रामनाथपुरम, तमिलनाडु में एक सुबह के जनसंपर्क अभियान के दौरान हथकरघा का इस्तेमाल किया।

बच्चों को देखकर भावुक हो गए

उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता अब 'भय' और 'सिंडिकेट को और अधिक बर्दाश्त नहीं करेगी। वहां बच्चों को देख भावुक हो गए।

तमिलनाडु में सरगर्मियां तेज

भाजपा अध्यक्ष नबीन ने किया रोड शो

विरुधुनगर। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राज्य में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को दो दिनी दौरे पर तमिलनाडु पहुंचे। सत्तूर विधानसभा क्षेत्र भाजपा उम्मीदवार नैनार नागेंद्रन के समर्थन में रोड शो किया।

बंगाल में योगी की ललकार

उर्दू जहां बोली जाती है, वहां चले जाओ

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पूर्व मेदिनीपुर में रैली को संबोधित किया। टीएमसी बंगाली पहचान को पूरी तरह खत्म करना चाहते हैं। इन लोगों से कह दो कि अगर उन्हें उर्दू ही बोलनी है तो वहां चले जाएं।

15 वर्षों में टीएमसी की सरकार ने बंगाल को नोच डाला

योगी ने कहा, बंगाल जो कभी भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन था, पहले कांग्रेस , फिर वामपंथियों और 15 वर्षों में टीएमसी ने बंगाल को नोच डाला है।

खबर संक्षेप

नेताजी के प्रपौत्र चंद्र कुमार टीएमसी में गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक

पहले बड़ा उलटफेर हुआ है। रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 3 पहले भाजपा छोड़ दी थी। उन्होंने कहा, भाजपा विभाजनकारी राजनीति कर रही है।

पंजाब में 'बेअदबी' पर होगी उम्रकैदः मान

अमृतसर। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब का

अपमान करने वालों के लिए उम्रकैद की सजा से जुड़े एक विधेयक को मंजूरी दी है। मान की अध्यक्षता में हुई सूबे के मंत्रिमंडल की बैठक में जागृत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी गई।

भाजपा, कांग्रेस और आप से एक ही उम्मीदवार

अहमदाबाद। गुजरात के दाहोद जिले में जिला पंचायत चुनाव के

दौरान एक अनोखा मामला सामने आया है, जिसने सियासी हलचल बढ़ा दी है। पिपेरो सीट के लिए एक ही उम्मीदवार ने तीन अलग-अलग पार्टियों भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से नामांकन भर दिया है। यह मामला लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

छत के रास्ते घुसे, नकदी लाखों का सामान उड़ाया

रायबरेली। हिलहा में शनिवार की रात चोर छत के रास्ते घर में घुस

गए। चोरों ने कमरे और बक्से का ताला तोड़ नकदी समेत 4.5 लाख का सामान पार कर दिया। पीड़ित किसान के भतीजे ने 7 युवकों पर चोरी में शामिल होने की आशंका जताते हुए पुलिस को नामजद तहरीर दी है।राम प्रताप शनिवार को कहीं गए थे। उनकी पत्नी व बेटा सो रहे थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर प्रधानमंत्री ने सभी दलों को पत्र लिखा

एक स्वर में संशोधन को पारित कराने में सभी सहयोग दें, अपने विचार साझा करें

केंद्र ने 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र आहूत किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर संसद में सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर उनसे समर्थन का आग्रह किया है। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी को एक स्वर में इस संशोधन को पारित कराने के लिए एकजुट होना चाहिए और इस विषय पर विचार रखने चाहिए। यह अवसर किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 16 अप्रैल से देश की संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़ी एक ऐतिहासिक चर्चा होने जा रही है। ये विशेष बैठक लोकतंत्र को और मजबूत बनाने का अवसर है। ये सबको साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर है। कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता है, जब वहां महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने का अवसर मिलता है। देश ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, अब आवश्यक है कि इस यात्रा में नारी शक्ति अपनी पूरी क्षमता और पूरी भागीदारी के साथ जुड़ें। भारत की बेटियां स्पेस से लेकर स्पोर्ट्स और सशस्त्र बलों से लेकर स्टार्ट-अप्स तक, हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

इसके पास होने से संसद होगी गौरवान्वित

2029 के चुनाव के पहले अधिनियम लागू हो

पीएम मोदी ने यह भी लिखा कि गहन मंथन के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अब समय आ गया है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम अपनी पूर्ण भावना के साथ देश में लागू हो। यह उचित होगा कि 2029 का लोकसभा चुनाव और सभी विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण को पूरी तरह लागू करने के बाद हों।

2023 में सभी ने किया था समर्थन

पीएम मोदी ने कहा कि दसंसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण की चर्चा दशकों से होती आ रही है। उन्होंने पत्र में लिखा कि 2023 में संसद में सभी दलों के सांसदों ने एक साथ आकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया था। यह हमारी एकजुटता को दिखाने वाला एक अविस्मरणीय अवसर था। ऐसा करके हमने देश की नारी शक्ति के प्रति अपने वचन को पूरा किया था।

इससे देश की माताओं-बहनों और बेटियों के प्रति असीम दायित्वों का निर्वहन होगा

पीएम मोदी ने कहा कि यह देश की नारी शक्ति की सिद्धि का विषय है, 140 करोड़ देशवासियों की सिद्धि का विषय है। इस अवसर को हमें छोड़ना नहीं है। संशोधन को आपका समर्थन देश की माताओं-बहनों और बेटियों के प्रति असीम दायित्वों का निर्वहन होगा।

ये आचार संहिता का उल्लंघनः जयराम

राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। जयराम ने 'एक्स' पर लिखा, खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद के विशेष सत्र पर अपनी बात रखी है। यह तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावी अभियान के बीच बुलाया जा रहा है, जो कि आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।

जातिगत गणना को ठंडे बस्ते में डाल रहे

कांग्रेस ने का कहना है कि सरकार जाति जनगणना को जानबूझकर टालना चाहती है और महिलाओं के आरक्षण कानून में बदलाव करके देश को गुमराह कर रही है। जयराम ने कहा कि सरकार का इरादा जाति जनगणना को 'ठंडे बस्ते' में डालने का है। प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर भारी भ्रम फैला रहे हैं।

अब राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहेः खरगे

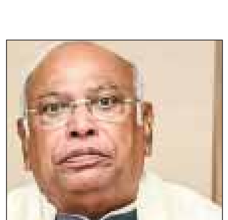

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे ने कहा कि इससे विपक्ष का यह यकीन और पक्का हो जाता है कि केंद्र सरकार इस बिल को लागू करने में इसलिए जल्दबाजी कर रही है ताकि वह महिलाओं को सचमुच सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक फायदा उठा सके। खरगे ने कहा कि जब 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था, तब कांग्रेस ने यह मांग की थी कि यह अहम कानून तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए। अब तक 30 महीने बीत चुके हैं, अब यह विशेष सत्र हमें भरोसे में लिए बिना बुलाया गया है।

बिहार की सियासत में गरमी बढ़ी

भाजपा ने शिवराज को पर्यवेक्षक बना पटना भेजा, वे जानेंगे राय

राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर गहमा-गहमी बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस बीच बिहार भाजपा के विधायक दल की बैठक लिए पार्टी ने केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बिहार में भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। शिवराज की देखरेख में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी और पार्टी का नेता चुना जाएगा। भाजपा ने एक्स में लिखा, संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

पटना में लगे सम्राट निशांत के पोस्टर

पटना में सम्राट चौधरी और निशांत कुमार के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं। कुछ जदयू कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार से अगला मुख्यमंत्री निशांत कुमार को बनाने की मांग की है। दूसरी ओर वाल्मीकि समाज के कार्यकर्ता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि भाजपा विधायक दल का नेता किसे चुनती है, इस पर सब कुछ निर्भर करेगा। जेडीयू कार्यकर्ताओं ने पटना में निशांत कुमार के समर्थन में पोस्टर लगाए। इन पोस्टरों पर लिखा है, बिहार में ना तो बुलडोजर बवाल चाहिए और न ही फिर से दंगा फसाद चाहिए।

14 को इस्तीफा दे सकते नीतीश

बताया जा रहा बिहार सरकार ने 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक में बुलाई है। इस बैठक की अध्यक्षता नीतीश कुमार कर सकते हैं और इसके बाद नीतीश राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। इस दौरान शिवराज स भी उनके साथ रहेंगे। जेडीयू और भाजपा के नेता मुख्यमंत्री पद को लेकर कुछ बोल नहीं रहे हैं।

सीएम हाउस पहुंचे कई मंत्री

बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर सियासत तेज हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर कई मंत्रियों का जमावड़ा रहा। लोग उनसे मिलने के लिए पहुंचे। मंत्री श्रवण कुमार, लेसी सिंह, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार समेत कई नेताओं का जमावड़ा रहा। सीएम पद से इस्तीफा के बाद भाजपा की तरफ से एनडीए गठबंधन का अगला मुख्यमंत्री चुना जाएगा।

धर्मशाला में हादसा टला

एचआरटीसी बस का ब्रेक फेल पहाड़ी से टकराई,12 लोग जख्मी

बस धर्मशाला से जा रही थी होशियारपुर

एजेंसी ▶▶ कांगड़ा

मुबारिकपुर-भरवाई रोड पर रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। धर्मशाला से होशियारपुर जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए, लेकिन चालक की सतर्कता ने कई लोगों की जान बचा ली। बस जब सिद्ध चलेहड़ मार्ग के पास पहुंची, तो उसके ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया। बस

सड़क किनारे खड़ी श्रद्धालुओं की गाड़ी से जा टकराई। चालक ने खाई में गिरने से बचाने पास की एक पहाड़ी से टकरा दिया। बस में लगभग 50 यात्री सवार थे। 12 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं।

सप्तऋषि घाट पर गंगा का जलस्तर बढ़ने से कई लोग फंसे

बचाव दलों ने सभी 21 लोगों का सफल रेस्क्यू किया

10 पुरुष, 7 महिला और 4 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार

गंगा में अचानक जलस्तर बढ़ने से रविवार को सप्तऋषि घाट और कबीर कुटीर क्षेत्र में टापू पर फंसे लोगों को प्रशासन और पुलिस की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। संयुक्त रेस्क्यू अभियान में कुल 21 लोगों को सकुशल बचा लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत के अनुसार सुबह करीब 10:40 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि सप्तऋषि घाट पर गंगा का जलस्तर बढ़ने से कई लोग फंस गए थे।

हरिद्वार में टली अनहोनी

टापू पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं को बचाया

कबीर कुटीर घाट, सप्तऋषि क्षेत्र में भी गंगा के बीच बने टापू पर स्नान कर रहे श्रद्धालु जलस्तर बढ़ने से फंस गए। तेज बहाव के कारण लोग टापू से बाहर नहीं निकल सके। चौकी इंचार्ज , चेतक कर्मियों और जल पुलिस के साथ बोट एवं राहत उपकरणों के जरिए मौके पर पहुंचे।

लोगों ने पुलिस को सूचना दी

तेज बहाव को देखकर उनकी सांस अटकने लगी। लोगों को इस प्रकार टापू पर फंसा देखकर किनारे मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और बचाव दल की टीमें सक्रिय हो गई और बचाव अभियान को तेज कर दिया गया।

दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान से आए थे

इस अभियान में टापू पर फंसे 10 पुरुष, 7 महिलाएं और 4 बच्चे को सुरक्षित किनारे पर लाया गया। सभी लोग दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के निवासी हैं। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि गंगा में स्नान करते समय जलस्तर और बहाव का विशेष ध्यान रखें।

28 हजार की ठगी में 20 हजार बरामद, कार व मोबाइल जब्त, जबलपुर-सिवनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से मिली सफलता

5 करोड़ का झांसा देकर ठगी करने वाले 'बाबा' गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

5 करोड़ रुपये मिलने का झांसा देकर ठगी करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बरगी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की गई राशि में से 20 हजार रुपये, घटना में प्रयुक्त कार और मोबाइल फोन जब्त किया है। यह कार्रवाई पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देशन में त्वरित रूप से की गई। टीआई नीलेश दोहरे ने बताया कि फरियादी पवन कुमार पटेल (33), निवासी मंशी मोहल्ला बरगी 11 अप्रैल को अपने परिचित चेतराम सरोते के साथ सीमेंट लेने जा रहा था। खमरिया तिराहा के पास एक व्यक्ति बाबा के वेश में मिला, जिसने भूख का हवाला देकर पैसे मांगे और फिर कथित तंत्र-मंत्र के जरिए 5 करोड़ रुपये मिलने का प्रलोभन दिया। आरोपी ने चालाकी से 28 हजार रुपये अपने कब्जे में लेकर मौके से फरार हो गया।

फिल्मी अंदाज में वारदात, हाईवे पर दबोचे गए आरोप

घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। एएसपी अंजना तिवारी एवं सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा के मार्गदर्शन में टीआई नीलेश दोहरे के नेतृत्व में टीम गठित की गई। आरोपियों के हुलिये और वाहन नंबर के आधार पर सिवनी पुलिस को अलर्ट किया गया। आदेगांव पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी कर संदिग्ध बलेनो कार यूपी 14 डीई 4939 को रोककर उसमें सवार दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया।

पूछताछ में कबूला जुर्म

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवीन नाथ (28) निवासी पलवल हरियाणा एवं विक्रम नाथ (36) निवासी नोएडा उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने ठगी की वारदात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि 28 हजार में से 8 हजार रुपये खर्च कर चुके हैं। पुलिस ने शेष 20 हजार रुपये, कार और मोबाइल जब्त कर लिया है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

ठगी के प्रकरण का खुलासा करते हुये आरोपियों को गिरफ्तार करने में टीआई दोहरे, एसआई अनिल कुमार, प्रधान आरक्षक होमनलाल, आरक्षक सुधीर कुमार सिंह, अजय शर्मा, विपुल कुमार सिंह एवं सिवनी जिले की आदेगांव पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

3.48 करोड़ होल्ड, 70 लाख रुपये पीड़ितों को लौटाए

जबलपुर साइबर सेल का सख्त प्रहार

पुलिस कप्तान के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई, 712 शिकायतों पर तेजी से जांच, 65 मामलों में एफआईआर दर्ज

हरिभूमि, जबलपुर।

साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच जबलपुर पुलिस की साइबर सेल ने प्रभावी और त्वरित कार्रवाई करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के स्पष्ट निर्देशों के तहत वर्ष 2026 में अब तक साइबर धोखाधड़ी के प्रकरणों में लगभग 3.48 करोड़ रुपये की राशि होल्ड/लीन कराई गई है। इनमें से करीब 70 लाख रुपये पीड़ितों को वापस दिलाए जा चुके हैं, जबकि शेष राशि लौटाने की प्रक्रिया जारी है। एएसपी क्राइम जितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में डीएसपी साइबर अंजुल अयंक मिश्रा एवं साइबर सेल की टीम द्वारा प्रत्येक शिकायत पर त्वरित तकनीकी विवेचना की जा रही है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसी आरपी) पर वर्ष 2026 में अब तक जबलपुर जिले से 712 शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिन पर समयबद्ध कार्रवाई कर पीड़ितों को राहत पहुंचाई जा रही है।

गंभीर मामलों में सख्ती, 65 एफआईआर दर्ज

साइबर धोखाधड़ी के गंभीर मामलों में पुलिस द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए इस वर्ष अब तक 65 एफआईआर विभिन्न थानों में दर्ज की गई हैं। एक लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी वाले मामलों में तत्काल प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों तक पहुंचने के लिए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज की गई है।

'गोल्डन आवर' रणनीति बनी सफलता

जबलपुर पुलिस द्वारा प्रत्येक थाने में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है, जिससे धोखाधड़ी की घटना के तुरंत बाद 'गोल्डन आवर' में शिकायत दर्ज कर बैंकिंग चैनलों में राशि को होल्ड कराया जा सके। इसी रणनीति के चलते बड़ी रकम को समय रहते रोकने में सफलता मिली है और पीड़ितों को शीघ्र राहत मिल रही है।

जनजागरूकता पर विशेष जोर

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, संदिग्ध ऐप या आकर्षक निवेश योजनाओं के झांसे में न आएं। बैंक खाते, ओटीपी या अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। टेलीग्राम, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर मिलने वाले निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें।

तत्काल दर्ज करें शिकायत

साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर सेल जबलपुर के नंबर 7701050010 पर संपर्क करें, अथवा **www.cybercrime.gov.in** पर शिकायत दर्ज करें। जबलपुर पुलिस का संदेश स्पष्ट है सतर्कता ही सुरक्षा है।

गढ़ा व चरगवां में कार्रवाई, बोलेरो और एक्टिवा ज़ब्त

अवैध शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

अवैध शराब कारोबार के खिलाफ जबलपुर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से भारी मात्रा में शराब के साथ परिवहन में प्रयुक्त वाहन भी जब्त किए हैं। टीआई गढ़ा प्रसन्न शर्मा ने बताया कि ने मुखबिर की सूचना पर देवताल क्षेत्र में घेराबंदी कर बोलेरो क्रमांक एमपी 13 जेडवी 0368 को पकड़ा। वाहन में सवार अमन सोनी और अर्जुन सोनी के कब्जे से 6 पेटियों में 72 बॉटल बीयर, जिसकी कीमत लगभग 46 हजार 800 रुपये है, बरामद की गई। आरोपी अवैध रूप से शराब का परिवहन कर रहे थे। पुलिस ने बीयर और वाहन जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं थाना चरगवां टीआई अभिषेक प्यासी ने बताया कि भीकमपुर रोड स्थित नहर पुलिया के पास दबिश देकर एक्टिवा एमपी 20 एसपी 9263 सवार लक्ष्मण बर्मन 26 को गिरफ्तार किया। उसके पास से 314 पाव देशी शराब बरामद हुई, जिसे वह बेचने की फिराक में था। पुलिस ने शराब व वाहन जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

हज यात्रियों के लिए तर्बियती कैंप 14 अप्रैल को

जबलपुर। जमाअत रज़ा-ए-मुस्तफा जबलपुर की ओर से हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए तर्बियती (प्रशिक्षण) कैंप का आयोजन मंगलवार, 14 अप्रैल को किया जाएगा। यह कैंप नमाज़-ए-मगरिब के बाद ईदगाह कलां, रानीताल में आयोजित होगा।कैंप में हज यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारियां, अरकान-ए-हज और विभिन्न प्रक्रियाओं का विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि हज यात्री अपनी यात्रा को सही तरीके से अंजाम दे सकें।कार्यक्रम के अंत में नमाज़-ए-इशा के बाद भोजन की व्यवस्था भी रखी गई है। जमाअत रज़ा-ए-मुस्तफा के संयोजक मुफ्ती सैय्यद अब्दुल रहमान साहब ने सभी हज यात्रियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस प्रशिक्षण का लाभ उठाने की गुजारिश की है।

दुर्घटना : गंगा सागर क्षेत्र में देर रात मचा हड़कंप

टाल में भड़की आग 7 लाख की लकड़ी राख

जबलपुर। गढ़ा क्षेत्र के गंगा सागर स्थित एक लकड़ी के टाल में शनिवार की देर रात करीब 3 बजे आग लग गई। टाल के अंदर कुछ कर्मचारी भी सो रहे थे। वो आग की लपटे देखकर बाहर निकले, वर्ना बड़े हादसे की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता था। इस हादसे में टाल में रखी 7 लाख रुपए की लकड़ी जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड के वाहन मौके पर पहुंचे और करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

गंगा सागर गढ़ा स्थित सत्य साईं टिम्बर एडं प्लाइवुड में देर रात तीन बजे के लगभग अचानक आग लग गई। लकडिय़ों में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रुप धारण कर लिया। टिम्बर टॉल से उठ रही आग की लपटें देख आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए, जिन्होने अपने स्तर पर आग को बुझाने की कोशिश की लेकिन लकडिय़ों में लगी आग फैलती ही जा रही थी। तत्काल दमकल को खबर दी।

नगर निगम दमकल विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक के बाद एक करीब पांच गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर करीब तीन घंटे तक लगातार पानी डाला तब आग पर काबू पाया जा सका। आगजनी की घटना में टॉल में रखी करीब सात लाख रुपए की लकड़ी जलकर राख हो गई, इसके अलावा टॉल में रखा अन्य सामान भी जलकर खाक हो गया।

शक्तिनगर में वारदात से सनसनी, घायल अस्पताल में भर्ती

बेटे की गवाही पक्ष में कराने पिता पर तलवार से हमला

जबलपुर। गढ़ा थाना अतंर्गत शक्ति नगर चौक गुप्तेश्वर में कल रात एक मोटरसायकिल में तलवार लेकर आए तीन बदमाशों ने खाना खाकर टहल रहे पिता से उसके बेटे के बारे में पूछा, पिता ने कोई जानकारी नहीं दी तो, उन पर तलवार से हमला कर दिया। सिर व गर्दन में गंभीर चोटे आने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शक्ति नगर चौक गुप्तेश्वर निवासी मनोज विश्वकर्मा रात 11.30 बजे के लगभग खाना खाकर घर के बाहर टहल रहे थे। इस दौरान नंदू उर्फ नीतेश तिवारी अपने दो साथियों के साथ मोटर साइकल से आए। जिसने मनोज को रोककर बेटे राजा के बारे में पूछताछ की। मनोज यह कहकर आगे बढ़ गया कि उसे नहीं मालूम राजा कहा है, घर में भी नहीं है। जिसपर तीनों बदमाशों ने मनोज को रोककर तलवार से हमला कर दिया। मनोज विश्वकर्मा के सिर व गर्दन में चोटें आ गई, चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग आ गए तो, हमलावर वहां से भाग गए। तीनों बदमाशों ने धमकी दी कि अपने लड़के राजा को समझा लो वर्ष 2024 में मेरा जो केस न्यायालय में चल रहा है राजा की गवाही होनी है गवाही मेरे पक्ष में नहीं दिया तो राजा को गोली मार कर हत्या कर दूंगा उस बार तो बच गया था दुबारा नहीं बचेगा। पुलिस ने मामले में पूछताछ के बाद आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 232(2), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पंज प्यारों की अगुवाई में निकला भव्य नगर कीर्तन

तीन दिवसीय बैसाखी महापर्व का आगाज

जबलपुर। गुरुद्वारा प्रेमनगर में आज से तीन दिवसीय बैसाखी महापर्व की शानदार शुरुआत हो गई। यहां पंज प्यारों की अगुवाई में जहां भव्य नगर कीर्तन निकाला गया वहीं दूसरी तरफ मदनमहल स्थित दशमेश द्वार के शीर्ष पर खालसा पंथ का धार्मिक प्रतीक चिह्न खंडा साहिब स्थापित किया गया । इस मौके पर मुख्य ग्रंथी ज्ञानी जसवीर सिंह ने चढ़दी कला की विशेष अरदास प्रार्थना संपन्न करवाई । तदोपरान्त श्रीगुरू ग्रंथ साहिब जी का मुखवाक आदेश श्रवण करवाया । इस मौके पर मीठी लस्सी छबील के साथ ही गुरु का लंगर वितरित किया गया। प्रधान साहब मंजीत सिंह ननडा ने आभार व्यक्त किया। रणजीत सिंह भोमराह एवं सचिव सुरिंदर सिंह ने संचालन किया।इस दौरान प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारीगण चरण जीत सिंह कैला, हरमीत सिंह धन्जल, बलजीत सिंह मांगट,अवतार सिंह प्लाहा, अजायब सिंह कैंबो एवं पार्षद श्रीमती निशा राठौर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल रहे। बैसाखी महापर्व का पहला कीर्तन दरबार आज 13 अप्रैल को रात्रि 7 बजे से अर्धरात्रि 12.15 बजे तक लगेगा । इसमें देश विदेश के प्रसिद्ध रागी जत्थे एवं कथाकार और इतिहासविद शिरकत करेंगे। 14 अप्रैल को दिनभर धूमधाम के साथ बैसाखी महापर्व मनाया जाएगा।

पैनल जांच कर्ताओं की मिली भगत से गोल्ड लोन में फर्जीवाड़ा

नकली जेवरों से बैंक को लगी 16 लाख की चपत

जबलपुर। लार्डगंज थानान्तर्गत पंजाब नेशनल बैंक की सुपरमार्केट स्थित शाखा में आधा दर्जन लोगों ने नकली सोने के जेवर गिरवी रखकर पैनल जांच कर्ताओं की मिली भगत के साथ उसे असली बताकर बैंक को साढ़े 16 लाख रूपए की चपत लगा दी। शिकायत के अवलोकन के बाद बैंक में गिरवी रखे सोने की जेवर नकली पाये जाने पर दो पैनल जांचकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल सिंह आर्य ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक की सुपर मार्केट शाखा के प्रबंधक सुभाष कुमार ने शिकायत दर्ज करायी थी कि शाखा में बैंक के पैनल वैल्युअर्स के साथ मिलकर कुछ लोगों ने नकली सोना गिरवी रखकर गोल्ड लोन हासिल कर सुनियोजित तरीके से बैंक के साथ अपराधिक धोखाधड़ी की है। इस धोखाधड़ी में बैंक के गोल्ड वैल्युअर्स फर्म अभिनव ज्वेलर्स के राजीव सोनी व आशुतोष सराफ ने गोल्ड लोन के फर्जीवाड़े में शामिल लोगों की मिली भगत की है। उक्त दोनों जांचकर्ताओं ने पूर्व नियोजित षडयंत्र के तहत ग्राहकों द्वारा लाये गये नकली जेवरों को असली सोने का बताकर फर्जी एवं कूटरजित रिपोर्ट तैयार कर बैंक से गोल्ड लोन स्वीकृत कराने में मदद की। गोल्ड लोन के फर्जीवाड़े में शामिल बुसरा कुरैशी ने ६ नग चूड़ियां गोल्ड लोन के लिए गिरवी रखी थी जिसे पैनल वैल्युअर राजीव सोनी ने सही बताया था वहीं इसके बाद आशुतोष सराफ ने भी जेवर को असली सोने का बताया था जिसके आधार पर उसे 1 लाख 98 हजार लोन स्वीकृत हुआ था इस तरह ब्याज समेत यह राशि अब 2 लाख 23 हजार 14 रूपए पहुंच गई है। इसी तरह लक्ष्मी प्रसाद कडेरे ने नकली सोने के जेवर रखकर वैल्युअर राजीव सोनी व आशुतोष सराफ की मदद से उसे असली बताते हुए 1 लाख 67 हजार व 2 लाख 3 हजार 7 सौ रूपए का लोन लिया था इस तरह उसके लोन ब्याज समेत लोन की राशि 4 लाख 15 हजार रूपए पहुंच गई है। इसी तरह सुशीला पटैल, निशा मंसूरी, अचिन उरमलिया व सुन्दर लाल साहू ने भी वैल्युअर पैनल की मदद से नकली सोने के जेवर गिरवी रख गोल्ड लोन निकालकर बैंक को लाखों की चपत लगायी है। इस तरह आधा दर्जन लोगों द्वारा नकली जेवर रखकर गोल्ड लोन का फर्जीवाड़ा करने से बैंक को साढ़े 16 लाख रूपए का प्रत्यक्ष नुकसान हुआ है।

जबलपुर पुलिस का सख्त एक्शन...

कांबिंग गश्त में 310 वारंट तामील, फरार अपराधियों की धरपकड़

पुलिस कप्तान सम्पत के निर्देशन में रातभर चला अभियान, अवैध शराब कारोबार पर भी करारा प्रहार

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस ने शनिवार रात व्यापक स्तर पर कांबिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देशन में रात 9 बजे से तड़के 2 बजे तक चले इस विशेष अभियान में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

अभियान में एएसपी आयुष गुप्ता, जितेंद्र सिंह एवं अंजना तिवारी सहित सभी नगर पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी और थाना प्रभारियों की सक्रिय भागीदारी रही। पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया, जिससे संवेदनशील और अपराध संभावित क्षेत्रों में पैदल गश्त कर प्रभावी एरिया डॉमिनेशन किया गया।

फरार आरोपियों पर कसी नकेल

कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने वर्षों से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की। कुल 152 गैर म्यादी वारंट, 96 गिरफ्तारी वारंट और 62 जमानती वारंट तामील किए गए। लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर आरोपी अब कानून के शिकंजे में आ गए हैं, जिन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

अवैध कारोबारियों पर भी कार्रवाई

अभियान के दौरान अवैध शराब के कारोबार पर भी सख्त प्रहार किया गया। पुलिस ने 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 16 लीटर कच्ची शराब एवं 95 पाव देशी-विदेशी शराब जब्त की। इस कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

जनसुरक्षा पर विशेष फोकस

पुलिस टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के साथ देर रात घूमने वालों से पूछताछ कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया।

अभियान रहेगा जारी

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना और जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

अमेरिकी ट्रेड डील के खिलाफ युवा कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन आज

जबलपुर। केंद्र सरकार द्वारा अमेरिका के साथ की गई किसान विरोधी ट्रेड डील के विरोध व अन्य मुद्दों को लेकर मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा आज जबलपुर में बड़ा प्रदर्शन किया जा रहा है। जिसमें शामिल होने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानू चिब जबलपुर पहुंच रहे है। आज सोमवार 13 अप्रैल को सिविक सेंटर में आम सभा के बाद युवा कांग्रेस की रैली कलेक्ट्रेट का घेराव करने जायेगी। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने बताया कि 13 अप्रैल को सुबह 11 बजे सिविक सेंटर, जबलपुर में विशाल आमसभा आयोजित की जाएगी। सभा के बाद हजारों कार्यकर्ता रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है और बेरोजगारी चरम पर है, जिससे आमजन त्रस्त है। प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने विशेष रूप से प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड डील का विरोध करते हुए कहा कि यह समझौता भारतीय किसानों और छोटे व्यापारियों के हितों के खिलाफ है। युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी शिवि सिंह चौहान ने कहा कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है, जिससे उनमें असंतोष बढ़ रहा है।

प्रज्ञा बिहार कालोनी में भागवत कथा

भगवान ने अपने मित्र सुदामा के चरण धोये : नृसिंह देवाचार्य

सिहोरा। ब्राह्मण सुदामा की मैत्री का अदभुत दृश्य देखने में आया क्योंकि श्रीजनक ने श्री राम के चरण और केवट ने श्रीराम के राजा बली ने बामन के चरण धोये, अतः भक्तों में भगवान के चरण धोये यह तो इतिहास में कई बार देखने में आता है पर भगवान ने भक्त के चरण धोये यह केवल सुदामा चरित्र में ही प्राप्त है प्रभु द्वारिकाधीश ने अपने प्रिय मित्र विप्र सुदामा के चरण स्वयं अपने नयनों के जल से धोये थे उक्ताशय के उदगार गीता धाम के महंत परम पूज्य स्वामी नृसिंह देवाचार्य जी ने प्रज्ञा बिहार कालोनी में मनेन्द्र अग्निहोत्री, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रश्मि अग्निहोत्री के संयोजन में चल रही सप्त दिवसीय भागवत कथा में सुदामा चरित्र की मीमांसा करते हुए व्यक्त किए। आगे कहा सुदामा की पत्नी सुशीला ने सुदामा को श्रीकृष्ण को देने के लिए मैले कुचैले वस्त्र में चांवल बांधकर दिए उसके बाद उन्होंने अपनी दीनता दरिद्रता भी दे दी अर्थात हम जैसी जो स्थिति है हो उसी रूप में भगवान को समर्पित हो जायें भगवान हमें स्वीकार कर लेंगे सुशीला एक गरीब ब्राह्मणी थीं और उन्होंने अपने पति सुदामा के साथ बहुत ही साधारण जीवन व्यतीत किया था। वे पतिव्रता और धर्मपरायण महिला थीं और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में अपना जीवन समर्पित कर दिया था। भगवान ने भी तीन मुट्ठी चावल खाकर सुदामा को सारा ऐश्वर्य प्रदान कर दीनता दरिद्रता समाप्त कर दी। कथा के पूर्व आयोजक मंडल के देववती अग्निहोत्री, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया, बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे, प्रकाश पांडे, शैलेन्द्र दुबे, दिनेश गुप्ता, सोनू कठल, चीकू तिवारी, अभिषेक परौहा, संदीप तिवारी, रमा चौरसिया, प्रवीण कुररिया,राजकुमार तिवारी आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

गोल बाजार की सूरत बदलने की तैयारी, अब सड़कों पर नहीं, फुटपाथ पर टहलेंगे राहगीर

निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने दिए निर्देश

जबलपुर। शहर के सबसे व्यस्ततम और हृदय स्थल माने जाने वाले गोल बाजार क्षेत्र का जल्द ही कायाकल्प किया जाएगा। नगर निगम ने इस पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित, अतिक्रमण मुक्त और सुंदर बनाने का निर्णय लिया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों की टीम के साथ क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया और स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए।

प्रमुख बदलाव जो आप जल्द देखेंगे

निगमायुक्त ने बताया कि गोल बाजार के चारों ओर के फुटपाथों को पूरी तरह व्यवस्थित किया जाएगा, ताकि पैदल चलने वालों को कोई परेशानी न हो। सड़कों और फुटपाथों पर होने वाले अवैध कब्जों को हटाकर आवागमन को सुगम बनाया जाएगा।

बैकलेन का होगा कायाकल्प

बाजार की बैकलेन की विशेष सफाई कराई जाएगी। इन्हें इतना स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा कि नागरिक वहां सुबह-शाम वॉक कर सकें। पूरे क्षेत्र को 'ग्रीन और क्लीन' जोन की तरह विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीयजन स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे।

निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे अधिकारी

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त के साथ अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अशफाक परवेज कुरैशी, वीएन बाजपेई, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन आदि उपस्थित रहे।

मां नर्मदा पुराण कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसमूह

बरेला। वार्ड नंबर 12 स्थित आईएसडीपी कॉलोनी गार्डन ग्राउंड में मुख्य यजमान श्री दयाराम झारिया के निवास पर आयोजित मां नर्मदा पुराण कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से कथा का रसपान किया। कथा व्यास भगवताचार्य पं. रामगोपाल उपाध्याय जी ने अपने मुखारविंद से नर्मदेश्वर धाम का भावपूर्ण वर्णन किया।इस अवसर पर मेहरा झारिया समाज संगठन बरेला, बरगी, जबलपुर तथा झारिया समाज संगठन इकाई बरेला के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने व्यास पीठ व महाराज जी का साल, श्रीफल व पुष्पहार से सम्मान किया तथा कथा में बैठे यजमानों को अंगवस्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में शंभू झारिया, औजीलाल झारिया, सुरेश झारिया, रामसेवक झारिया, विपिन झारिया, रमेश नोखे झारिया, सुखदेव झारिया, मुकेश झारिया, रमेश झारिया, आभास झारिया, किसन झारिया, महेंद्र झारिया (मनेरी), ज्ञानी झारिया, प्रकाश झारिया, देवलाल झारिया, सचिव जगदीश झारिया, झनक झारिया, नर्मद झारिया, जगन झारिया सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

पश्चिम मध्य रेल में टिकट चेकिंग से राजस्व में 15% वृद्धि, जबलपुर मंडल अव्वल

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल (पमरे) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में टिकट चेकिंग अभियान के जरिए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राजस्व में लगभग 15 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में सघन जांच अभियान चलाए गए। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक कुल 18 लाख 63 हजार प्रकरण पकड़े गए, जिनमें बिना टिकट यात्रा, अनबुक्ड लगेज एवं अनियमित टिकट शामिल रहे। इनसे कुल 127 करोड़ 15 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के 110 करोड़ 98 लाख रुपये की तुलना में 14.57 प्रतिशत अधिक है। मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड द्वारा 35 हजार प्रकरणों से 2 करोड़ 15 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया। वहीं जबलपुर मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 8 लाख 22 हजार प्रकरणों से 59 करोड़ 75 लाख रुपये अर्जित किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 27 प्रतिशत अधिक है और निर्धारित लक्ष्य से भी करीब 4 प्रतिशत ज्यादा है। भोपाल मंडल में 6 लाख 16 हजार प्रकरणों से 39 करोड़ 18 लाख रुपये (4% वृद्धि) तथा कोटा मंडल में 3 लाख 90 हजार प्रकरणों से 26 करोड़ 7 लाख रुपये (8% वृद्धि) का राजस्व प्राप्त हुआ। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे बिना टिकट यात्रा न करें तथा यात्रा से पूर्व वैध टिकट अवश्य लें। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आगे भी टिकट चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

लोकतंत्र के सच्चे प्रहरी और जन सेवक थे बड़े बब्बू

सिहोरा। पूर्व विधायक स्व. प्रभात पांडे की बारहवीं पुण्यतिथि पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन निज निवास पहरेवा में किया गया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में पूर्व विधायक स्वर्गीय पांडे को सभी वर्गों के साथ प्रेम,सद्भाव,भाईचारा बनाए रखने वाले व्यक्तित्व का धनी बताया। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए जेष्ठ पुत्र बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडे ने कहा कि उनके पिता जीवन पर्यन्त इस क्षेत्र की बेहतरी के लिए काम करते रहे और दो बार के विधायक काल में उन्होंने क्षेत्र में अनेको विकास कार्य कराये। कार्यक्रम मे उपस्थित भीड़ ने यह साबित कर दिया कि उनका व्यक्तित्व,कृतित्व, सेवा और समाज के प्रति समर्पण आज भी जिंदा है श्रद्धांजलि सभा में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पांडे, विनय असाटी, प्ांजल पांडे, वैभव पांडे, सतीष जैन, कैलाश पंजाबी, राजा मोर, अभिषेक तिवारी, सतीश जैन, प्रवीण पटेल, अमित दिक्षित, अशोक खरे,श्याम शुक्ला, भरतु नायक, अभिषेक परोहा, शंशाक पांडे, नरेश शुक्ला, सुनील पटेल, पी वी संजय, एम आई सिद्धकी, अरुण जैन, शिशिर पांडे, विनय परिहार, बिट्टू दुआ, प्रवीण कुररिया, राजकुमार तिवारी, प्रशांत जैन,रामनारायण श्रीवास आदि उपस्थित थे।

जबलपुर में राज्य स्तरीय क्लासिक पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप आयोजित, महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दम

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय क्लासिक पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से महिला वर्ग के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।प्रतियोगिता के समापन अवसर पर पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अनुराग सोनी, कैलाश गुप्ता, स्वप्निल पाठक, समाज सेठी, अनुरोध पटेरिया, संगीता शर्मा एवं राकेश तिवारी द्वारा विजेताओं को पदक प्रदान किए गए। टीम प्रतिस्पर्धा में सब जूनियर वर्ग का खिताब इंदौर, जबलपुर और उज्जैन की टीमों ने हासिल किया, जबकि जूनियर वर्ग में इंदौर, जबलपुर और भोपाल की टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया।व्यक्तिगत स्पर्धाओं में सब जूनियर वर्ग की अक्षता भगत ने गोल्ड मेडल, तनीषा आशारानी ने सिल्वर और धनश्री जाटव ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं जूनियर वर्ग में पायल अहिरवार ने गोल्ड, नैन्सी केवट ने सिल्वर और रोशनी शेखावत ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर अपने जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के जोश और खेल भावना ने आयोजन को सफल और यादगार बना दिया।

फागों का जंगी मुकाबला 15 अप्रैल को

बरेला। नगर के थाने के सामने स्थित रामलीला रंगमंच में 15 अप्रैल, बुधवार को फागों का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महाकवि राम बर्मन एवं महिला कवित्री राधा मल्लाह के बीच रोचक मुकाबला आकर्षण का केंद्र रहेगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश प्रीत (प्रदेश अध्यक्ष, मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संगठन) उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे, सर्व यूनियन जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी, तहसीलदार शशांक दुबे एवं थाना प्रभारी आईपीएस शुभम सिंह ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आयोजन समिति के आशीष शुक्ला, कृष्ण कुमार साहू, दिनेश सोनी, अमित शुक्ला, रजनीश माझी, रितेश श्रीवास, मयंक जैन, विमल विश्वकर्मा, संजय तिवारी एवं नितेश उपाध्याय ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय शिव दर्शन केंद्र में समर्पण समारोह संपन्न

बरेला। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के शिव दर्शन भवन, बरेला सेवा केंद्र के सभागार में नगर के प्रतिष्ठित साहू परिवार की सुपुत्री ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन का समर्पण समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर जबलपुर परिक्षेत्र में सेवारत ब्रह्माकुमारी बहनों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रामलीला रंगमंच से शिव दर्शन भवन तक निकाली गई भव्य समर्पण रैली से हुई, जिसमें महाकौशल परिक्षेत्र की ब्रह्माकुमारी बहनें, जबलपुर सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका राजयोगिनी बीके भावना बहन, पंजाब जोन से बीके जगदीश भाई, इंदौर से बीके उमा बहन, बरेला सेवा केंद्र की संचालिका बीके अनीता बहन सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन एवं माताएं शामिल हुए। समारोह में बीके ज्योति बहन का श्रृंगार कर सम्मान किया गया। उन्होंने शिव भगवान को वरमाला अर्पित कर अपने समर्पण जीवन की प्रेरणादायक यात्रा साझा की। शाहपुरा से आई बीके उषा बहन ने समर्पित जीवन का महत्व बताया, जबकि बीके भूमि बहन ने संस्था के इतिहास पर प्रकाश डाला। बीके उमा बहन ने आशीर्वचन दिए एवं बीके वर्षा बहन ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कु. मुस्कान, कु. प्रिया एवं कु. मधु बहन ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन बीके प्रकाश भाई ने किया एवं आभार प्रदर्शन बीके अनीता बहन ने किया। इस अवसर पर सरपंच आशीष शुक्ला, कृष्ण कुमार साहू, रजनीश बर्मन, दिनेश सोनी, समाजसेवी अरविंद तिवारी, आशीष जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

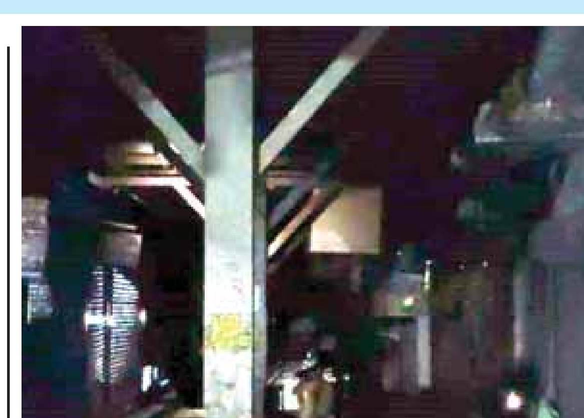

पंचवटी घाट की सीढ़ियां अंधेरे में, नर्मदा दर्शन में हो रही परेशानी

भेड़ाघाट। नौका विहार स्थित पंचवटी घाट पर अव्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घाट की सीढ़ियां अंधकार में डूबी हुई हैं, जिससे रात्रि में मां नर्मदा के दर्शन करना मुश्किल हो गया है।बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात्रि के समय नर्मदा दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से उन्हें असुविधा होती है। वहीं सीढ़ियों पर अतिक्रमण और गंदगी का साम्राज्य भी फैला हुआ है, जिससे हालात और बिगड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा नौका विहार पंचवटी घाट पर व्यवस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने जल्द से जल्द प्रकाश व्यवस्था सुधारने और साफ-सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को राहत मिल सके।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया जल संरक्षण का संदेश

पाटन। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड पाटन में सीएमसीएलडीपी के छात्रों एवं नवांकुर संस्थाओं के सहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संगोष्ठी एवं पूर्व छात्र मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया एवं विकासखंड समन्वयक नूपुर खरे की उपस्थिति रही। श्री रायपुरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है और सभी को निरंतर जनजागरूकता के लिए कार्य करना चाहिए। इस दौरान पूर्व छात्रों ने परिषद से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। छात्रों ने नगर में मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का संदेश दिया एवं सभी ने जल बचाने की शपथ ली। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि रामनारायण सिंह, जितेंद्र राठौर, उमाकांत यादव, परामर्शदाता रामराजा यादव, कामता प्रसाद सेन, श्रीमती प्रियंका जैन, कमल झारिया, यशवंत सेन सहित सीएमसीएलडीपी के वर्तमान एवं पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त प्राचार्य महेश पचौरी पंचतत्व में विलीन

नरसिंहपुर । सेवानिवृत्त प्राचार्य महेश पचौरी रविवार की शाम पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका देहावसान सुबह करीब 6 बजे हो गया था। इसके बाद शाम 4 बजे उनकी अंतिम यात्रा विकास नगर स्थित निवास से निकली। करीब 5.30 बजे को ठी बा जा र मोक्षधाम में उनके अनुज भ्राता पत्रकार एवं हरिभूमि न र सिं ह पु र ब्यूरो चीफ संजय पचौरी ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान शहर के सभी समाजसेवी और गणमान्य लोग मौजूद थे। पर्यावरण और गाय के प्रति पचौरी परिवार की प्रतिबध्दता को देखते हुए गौ काष्ठ से उनका अंतिम संस्कार किया गया। 82 वर्षीय महेश पचौरी सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती शंकुतला पचौरी के पति थे। उनकी चार पुत्रियां कनिका, निमिषा, विपाशा और तूलिका हैं।

श्रीमती शशि बाला हांडा- दशमेश द्वार के पास मदनमहल निवासी श्री शिव कुमार हांडा की धर्मपत्नी श्रीमती शशि बाला हांडा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री पन्ना लाल सेन- सेठी नगर पानी की टंकी के पास निवासी श्री पन्ना लाल सेन (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शालिनी डोंगरे- गोरैया प्लाट आमनपुर मदनमहल निवासी श्री अनिल डोंगरे की धर्मपत्नी श्रीमती शालिनी डोंगरे (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रामकली बाई लोधी- छापर रामपुर निवासी श्री बाबू लाल लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली बाई लोधी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विष्णु प्रसाद हथाले- सिद्धार्थ नगर नेहरू वार्ड घोड़ा अस्पताल के पास निवासी श्री विष्णु प्रसाद हथाले (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश कुमार राठी- अंजनी परिसर बीटी तिराहा गढ़ा निवासी श्री सुरेश कुमार राठी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मदन चौधरी- चेरीताल चंडालभाटा नगर निगम बिल्डिंग निवासी श्री मदन चौधरी (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री हरीश चंद्र पासी- पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी श्री हरीश चंद्र पासी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गिरजा शंकर शर्मा- कांचघर पुलिस लाइन रोड फिसलना मंदिर के पास निवासी श्री गिरजा शंकर शर्मा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुषमा कछवाहा- यादव कॉलोनी छोटी उखरी रोड निवासी श्री बोधराम कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती सुषमा कछवाहा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती दुबसिया बाई गुप्ता- ओम परिसर ग्रीन सिटी माढ़ोताल निवासी सेमरिया रीवा वाले श्री भैया लाल गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती दुबसिया बाई गुप्ता (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

कु. नंदिनी निषाद- नई बस्ती कटनी निवासी श्री जगदीश प्रसाद निषाद की पुत्री कु. नंदिनी निषाद (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुन्ना लाल कोरी- खाई मोहल्ला हनुमानताल निवासी श्री मुन्ना लाल कोरी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राधा नामदेव- आमनपुर मदनमहल निवासी श्री किशन लाल नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती राधा नामदेव (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल जाट- कंजड़ मोहल्ला पूर्वी बेलबाग निवासी श्री कौशल जाट (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री रवींद्र कुमार श्रीवास्तव- जेडीए कॉलोनी बाजनामठ मेडिकल रोड निवासी श्री रवींद्र कुमार श्रीवास्तव (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति कालम से.मी.
विजिटिंग साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
विजिटिंग साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
विजिटिंग साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक ट्रक की आपूर्ति शुरू की

मुंबई। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने कहा कि उसने अपने मालवाहक इलेक्ट्रिक ट्रक प्राइमा ई.55एस की आपूर्ति बिलियन-ई मोबिलिटी को शुरू कर दी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे 250 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक ट्रकों की आपूर्ति का भी ऑर्डर मिला है, जिन्हें चरणबद्ध ढंग से गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा के प्रमुख मालढुलाई गलियारों में तैनात किया जाएगा। इन ट्रकों का इस्तेमाल इस्पात, सीमेंट और अन्य औद्योगिक उत्पादों को लंबी दूरी तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज 77% घटा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड का बेहतर नकदी प्रवाह के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध कर्ज 77 प्रतिशत घटकर 200 करोड़ रुपये रह गया। 31 मार्च, 2026 तक कंपनी का शुद्ध कर्ज 200 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 31 मार्च, 2025 को 880 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक उसके पास 2,770 करोड़ रुपये की नकदी और नकदी समकक्ष मौजूद हैं, जिससे उसका बही-खाता मजबूत बना हुआ है और भविष्य की योजनाओं के लिए बेहतर स्थिति तैयार हुई है।

बाजार पूंजीकरण में सबसे आगे एचडीएफसी बैंक रही

नई दिल्ली। संसेक्स की शीर्ष10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट

कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और आई सीआईसीआई बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 4,230.7 अंक या 5.77 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 1,337.5 अंक या 5.88 प्रतिशत के लाभ में रहा।

बाजार में उथल-पुथल के बीच तेल के दाम गिरे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में टकराव के कारण बाजार में उथल-पुथल की स्थिति के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के

भाव गिरावट दर्शाते बंद हुए। सप्ताह के दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों में गिरावट रही। केवल सोयाबीन दाना (तिलहन) के दाम स्थिर दिखे। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में भी गिरावट रही जिसका देश में तेल-तिलहन के कारोबार पर असर देखने को मिला।

12 हजार करोड़ की कंपनी 74 रुपए में बेचनी पड़ी, कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शेट्टी ने एक समय हेल्थकेयर और फाइनेंस सेक्टर में अपना 10 अरब डॉलर यानी करीब 93 हजार करोड़ रुपए का अम्पायर खड़ा किया था। लेकिन, कुछ गलतियों की वजह से उनके इस अम्पायर का एक हिस्सा पूरी तरह ढह गया और महज 74 रुपए में बेचना पड़ा। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था, बल्कि कंपनी के डॉक्यूमेंट की बड़ी खामी की वजह से हुआ नुकसान था।

बीआर शेट्टी का जन्म 1 अगस्त, 1942 को उडुपी में हुआ था। उन्होंने मनिपाल से फार्मा की पढ़ाई पूरी की और परिवार में आर्थिक दिक्कत होने की वजह से साल 1973 में यूएई चले गए। वहां सबसे पहले उन्होंने मेडिकल रीप्रेजेंटेटिव यानी एमआर की नौकरी की और साल 1975 में न्यू मेडिकल सेंटर में छोटी सी क्लीनिक शुरू कर दी, जहां उनकी डॉक्टर पत्नी चंद्रकुमारी शेट्टी प्रैक्टिस करती थीं। उन्होंने इलाके के लोगों को सस्ती मेडिकल सर्विस देनी शुरू की जिससे जल्द ही उनकी क्लीनिक काफी पॉपुलर हो गया।

समय के साथ उनकी क्लीनिक की लोकप्रियता बढ़ती गई और सऊदी अरब, ओमान, यूरोप के साथ लैटिन अमेरिका में भी हेल्थकेयर कारोबार पहुंच गया। पैसा आने पर उन्होंने हेल्थकेयर के अलावा साल 1980 में यूएई में मनी ट्रांसफर सर्विस शुरू कर दी। यहां खाड़ी देशों में काम करने वालों को अपने घर पैसे भेजने में मदद की जाती थी। साल 2003 में शेट्टी ने नियोफार्मा नाम से अबु धाबी में फार्मा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की।

हेल्थकेयर और फाइनेंस सेक्टर में अपना 10 अरब डॉलर का अम्पायर तैयार किया था

लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो गई कंपनी

साल 2012 में एनएमसी हेल्थ यूएई की पहली हेल्थकेयर कंपनी बनी जो लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुई। शुरुआत में इसका मार्केट कैप 1 अरब डॉलर था, जो बाद में बढ़कर 10 अरब डॉलर यानी करीब 93 हजार करोड़ रुपए पहुंच गया। तब शेट्टी की व्यक्तिगत नेट वर्थ बढ़कर करीब 4 अरब डॉलर यानी करीब 38 हजार करोड़ रुपए पहुंच गया था। तब उन्हें भारत सरकार ने पद्म श्री पुरस्कार से भी नवाजा था। शेट्टी के बाद बुर्ज खलीफा में भी लग्जरी प्रॉपर्टी थी।

टूटा भरोसा और ढहने लगा कारोबार

शेट्टी की कंपनी में शुरू हुए फर्जीवाड़े का असर जल्द ही व्यापक रूप से फैलने लगा और यूएई एक्सचेंज के साथ होल्डिंग कंपनी फिनाब्लर पर भी इसका असर पड़ा। 8 अप्रैल, 2020 को यूके हाईकोर्ट ने एनएमसी हैल्थ के खिलाफ प्रशासन पर जांच बैठा दी। 80 से ज्यादा बैंकों ओर कर्जदाताओं को इससे बड़ा नुकसान हुआ।

2019 से शुरू हुआ पतन

शेट्टी के पतन की कहानी साल 2019 से शुरू हुई, जब अमेरिका स्थिति एक शॉर्ट सेलिंग फर्म मडी वॉटर रिसर्च ने एनएमसी हेल्थ के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि कंपनी ने अपने कैश बैलेंस और कर्ज के बारे में निवेशकों से जानकारी छुपाई है। साल 2020 की शुरुआत में एनएमसी हेल्थ ने स्वीकार किया की उस पर 4 अरब डॉलर यानी करीब 38 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। जांच में फर्जी दस्तावेज, अनाधिकृत लोन और कमजोर कॉरपोरेट प्रबंधन का भी पता चला। फरवरी 2020 में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी व एमडी कृतिवासन ने कहा

टीसीएस ने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी की पेशकश की, और भर्तियां मांग पर निर्भर

एजेंसी ⏭ मुंबई

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों (फ्रेशर) को नौकरी देने की पेशकश की है। कंपनी ने संकेत दिया है कि आगे कॉलेज स्नातकों की नियुक्तियां बाजार में मांग की स्थिति पर निर्भर करेंगी। टीसीएस के मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने साक्षात्कार में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 44,000 नए स्नातकों की नियुक्ति की थी, जो देश में निजी क्षेत्र में किसी कंपनी द्वारा की गई भर्तियों का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

एमडी ने कहा कि 2026-27 के दौरान हमने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की पेशकश की है। मांग पर स्थिति स्पष्ट होने के बाद हम और नियुक्तियां करेंगे। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक 'फ्रेशर्स' को नौकरी दे रही है।

अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं

कृतिवासन ने कहा कि अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए स्नातकों को किसी परियोजना में जोड़ने से पहले करीब नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत काम शुरू कर सकते हैं। ऐसे में भर्ती रणनीति पूरी तरह व्यावसायिक जरूरतों पर निर्भर करती है।

कंपनी के पास परियोजनाओं की पाइपलाइन स्थिर

कारोबारी माहौल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी के पास परियोजनाओं की पाइपलाइन 'स्थिर' है, जो वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि नई मांग विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक बाजारों से आ रही है, जिसमें लागत अनुकूलन और डिजिटल बदलाव से जुड़े सौदे शामिल हैं।

वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की आवश्यकता कम हुई

वित्त वर्ष 2025-26 में हुई लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कंपनी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के लिए लंबे समय तक करियर के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कृत्रिम मेधा (एआई) का इस छंटनी से कोई सीधा संबंध नहीं था, बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के तरीके में बदलाव के कारण वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों की आवश्यकता कम हुई है।

40 अरब डॉलर के अनुबंध हासिल किए

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 40 अरब डॉलर के नए अनुबंध हासिल किए हैं। उन्होंने कोई आंकड़ा दिए बिना कहा कि नए अनुबंधों को राजस्व में बदलने की दर भी बढ़ी है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी समीर सेकसरिया ने कहा कि टीसीएस विभिन्न उपायों से मुनाफा मार्जिन में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करेगी।

अप्रैल के पहले 10 दिन में यह राशि निकाली गई

एफपीआई ने शेयर बाजार से निकाले 48,213 करोड़

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से अप्रैल महीने में भी अपनी बिकवाली जारी रखी है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक

वृहद आर्थिक अनिश्चितता के बीच निवेशकों ने अप्रैल के पहले 10 दिन में ही 48,213 करोड़ के शेयर बेचे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ की निकासी की थी, जो अब तक का निकासी का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। हालांकि, फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया था, जो पिछले 17 माह का उच्चस्तर है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 1.8 लाख करोड़ से अधिक हो चुकी है। केवल अप्रैल में ही 10 तारीख तक उन्होंने 48,213 करोड़ निकाले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह लगातार बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का परिणाम है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं।

विदेशी निवेश में सुधार की उम्मीद

हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बावजूद बिकवाली पर कोई खास असर नहीं पड़ा। एंजल वन के वरिष्ठ विश्लेषक वकार जावेद खान के अनुसार, निवेशकों ने शेयर बाजार में तेजी का इस्तेमाल अपनी हिस्सेदारी घटाने के अवसर के रूप में किया है।

तेल की कीमतें व महंगाई के आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में हुई वार्ता बेनतीजा समाप्त होने से सोमवार को शेयर बाजार खुलने पर निवेशकों की धारणा पर असर पड़ सकता है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। विश्लेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रमों के अलावा कच्चे तेल की कीमतें भी इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगी।

यह सप्ताह अवकाश के कारण छोटा रहेगा, क्योंकि मंगलवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहेंगे। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि अमेरिकी पक्ष की अत्यधिक मांगों के कारण वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि कूटनीति कभी समाप्त नहीं होती। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा कि ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे न हटने के कारण शांति समझौता नहीं हो सका। उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। बकाई ने कहा कि अमेरिकी पक्ष ने अपना अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव रखा था, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया। वहीं, ईरानी पक्ष ने कहा कि कुछ मुद्दों पर सहमति बनी, लेकिन दो से तीन महत्वपूर्ण विषयों पर मतभेद बने रहे। पिछले सप्ताह अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष विराम और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद बाजार में जोरदार तेजी आई थी।

मुद्रास्फीति व कंपनी नतीजों का पड़ेगा असर

इस सप्ताह बाजार पर मुद्रास्फीति के आंकड़ों, कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों का भी असर रहेगा। रेलिगेयर ब्रोकिंग के शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा कि विप्रो, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी प्रमुख कंपनियों के नतीजों पर निवेशकों की नजर रहेगी।

सीपीआई के आंकड़े आज जारी होंगे

इसके अलावा 13 अप्रैल को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और 14 अप्रैल को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े भी जारी होंगे, जो महंगाई के रुझान का संकेत देंगे।

भारत के फाउंड्री उद्योग पर लागत और लॉजिस्टिक का दबाव बढ़ा

ईरान-अमेरिका संघर्ष से कच्चे लोहे के दाम 13 फीसदी बढ़े

एजेंसी ⏭ कोलकाता

ईरान-अमेरिका संघर्ष के कारण धातुओं की ढलाई के उद्योग (फाउंड्री) पर लागत का भारी दबाव और लॉजिस्टिक संबंधी बाधाएं उत्पन्न हो गई हैं। पिछले तीन महीनों में कच्चे लोहे के दाम 13 प्रतिशत से अधिक बढ़ गए हैं जबकि माल ढुलाई की दरें 60 प्रतिशत तक उछल गई हैं।

फाउंड्री एंड कास्टिंग्स डेवलपमेंट एसोसिएशन (एफसीडीए), इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंड्रीमेन (आईआईएफ) और इंडियन फाउंड्री एसोसिएशन (आईएफए) जैसे हितधारकों ने एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इस्पात श्रेणी के कच्चे लोहे की कीमतें जनवरी 2026 के 36,500 रुपये प्रति टन से बढ़कर 10 अप्रैल तक 41,500 रुपये प्रति टन हो गई हैं।

विदेशी खरीदारों की और से नए ऑर्डर की गति धीमी

विदेशी खरीदारों की ओर से परिस्थितियों के आकलन की नीति अपनाने के कारण नए ऑर्डर की गति भी धीमी हो गई है। वाहन और निर्माण क्षेत्र से जुड़ी ढलाई की मांग में मामूली गिरावट देखी जा रही है जबकि तेल एवं गैस, पंप और वाल्व कलपुर्जों की मांग स्थिर बनी हुई है। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की ढलाई इकाइयों ने अपने मार्जिन में गिरावट, कार्यशील पूंजी के दबाव और भुगतान चक्र लंबा होने की जानकारी दी है।

लॉजिस्टिक लागत में भी बढ़ोतरी

अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के लिए माल ढुलाई की दरें 50-60 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे कुल लॉजिस्टिक लागत में 40-100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि युद्ध जोखिम अधिभार, आपातकालीन संघर्ष अधिभार, मालवाहक जहाज के बीमा प्रीमियम में 5-10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी और लाल सागर गलियारे में बढ़ते जोखिम के कारण जहाजों के मार्ग परिवर्तन की वजह से और अधिक बढ़ गई है।

खंड-I
ई - निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय - पश्चिम बैतूल (सा.) वनमंडल मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 08 / ई-टेंडरिंग / 2026-27 दिनांक 10/04/2026

1. वनमंडलाधिकारी, पश्चिम बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित - 2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेसिफिकेशन	मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजो का मूल्य
1	BARBED WIRE	Line Wire - Galvanized steel wire of 2.5 mm diameter. Point wire - Galvanized steel wire of 2.5 mm diameter. Barbs - Distance between two boards 75mm, the barbs shall have four points and shall be formed by twisting two point wires each two turns. tightly around both the line wires making altogether four complete turns. Standard-Conforming to IS-278-2009	52000 Kg.	170000/-	1000/- प्रत्येक सामग्री

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं। 2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट/कैश कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर (दिनांक) 13/04/2026 बजे 11:00 AM से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है। 3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी। 4. निविदा पूर्व बैठक दिनांक 24/04/2026 समय 01:00 PM को कार्यालय वनमंडल पश्चिम बैतूल (सा.) में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं या वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग ले सकते हैं। विडियो कॉन्फ्रेंस का लिंक प्राप्त करने हेतु E-mail: dfotwbetul@mp.gov.in पर दिनांक 23/04/2026 तक अपना संपर्क सूत्र प्रेषित करें। विडियो कॉन्फ्रेंस की लिंक दिनांक 24/04/2026 11:30 AM को आपके द्वारा प्रदाय संपर्क सूत्र पर सूचित किया जावेगा। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होंगे जिन्होंने ई-टेंडर फार्म खरीदे हैं। 5. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं। 6. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल - https://www.mptenders.gov.in/

वनमंडलाधिकारी
पश्चिम बैतूल (सा.) वनमंडल

G-11418/26 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

पश्चिम एशिया युद्धविराम से देश में बाजार धारणा सुधरने की उम्मीद

लक्जरी कार कंपनियों को ग्राहकों के शोरूम लौटने की उम्मीद

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' के बाद भारत में बाजार धारणा में सुधार होने और लक्जरी कारों के खरीदारों के एक बार फिर शोरूम में वापस लौटने की उम्मीद बढ़ी है। देश में मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू ग्रुप और ऑडी के शीर्ष अधिकारियों ने यह राय जाहिर की है। देश में लक्जरी कार कंपनियों ने युद्ध के चलते कलपुर्जों ओर किट का स्टॉक किया है और अब उन्हें उम्मीद है कि आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव कम होगा और वे स्थिति के जल्द सामान्य होने की उम्मीद कर रही हैं। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरदीप सिंह बराड़ ने

कहा, ''युद्धविराम सही समय पर हुआ है। यह हमारे खरीदारों की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। वे अपनी खरीद को लेकर इस बात पर निर्भर थे कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीजें क्या रूप लेती हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि इस मुद्दे को सुलझा लिया जाए। ढिल्लो ने कहा, ''हमारे ग्राहकों और कंपनियों के लिए भी आम धारणा में सुधार हुआ है और ज्यादा खर्च करने की इच्छा बढ़ी है। यह सब 2026 में आम तौर पर एक मजबूत यात्री कार बाजार को देखते हुए है। हमारा उद्योग सकारात्मक धारणा के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे में क्षेत्र में किसी तरह के रचनात्मक घटनाक्रम का हम स्वागत करते हैं।''

मार्च तक अच्छे ऑर्डर मिलेः मर्सिडीज-बेंज

इसी तरह की राय जताते हुए मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने कहा, ''मार्च में हमें अब तक के सबसे अच्छे ऑर्डर मिले। हालांकि, ये ऑर्डर आगे लिए टाल दिए गए हैं, लेकिन इन्हें रद्द नहीं किया गया है। ज्यादातर ग्राहक अप्रैल या भविष्य में डिलिवरी लेना चाहते हैं।''

अप्रैल के बाद महीने अच्छे होने लगेंगे

अय्यर ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण पूंजी बाजार में बदलते हालात की वजह से धारणा कुछ सुस्त थी, लेकिन हमें लगता है कि अप्रैल और उसके बाद के महीने अच्छे होने चाहिए, क्योंकि कुछ इलाकों में त्योहार भी हैं।''

युद्धविराम स्वागत योग्यः ऑडी

इसी तरह की राय रखते हुए ऑडी इंडिया के ब्रांड निदेशक बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, ''युद्धविराम स्वागत योग्य है, क्योंकि यह अगले चरण के लिए ज्यादा निश्चितता प्रदान करता है। हमारे काफी ग्राहक खुद कारोबार करते हैं और इसका असर खुद महसूस कर रहे हैं।''

कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर (म.प्र.)
Ph.- 0761-2668554, E-mail: ccfre.jbp@mp.gov.in

क्र./स्टोर/2026/183 — **ई - निविदा सूचना** — जबलपुर, दिनांक-8/4/26

1. निविदा प्रपत्र म.प्र. शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in से डाउनलोड करें।
2. यह निविदा वर्ष 2026-27 में सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर के अंतर्गत आने वाले जिलों की रोपणियों (शहरी / परियट / दरौली रोपणी जिला जबलपुर, सरसवाही रोपणी जिला-कटनी, कटरा रोपणी जिला - मंडला, अमेरा रोपणी जिला - डिंडौरी) में पौधा तैयारी कार्यो के सम्पादन में उपयोग होनी वाली सामग्री (कापू मिट्टी, कच्चा गोबर, रेत) के क्रय हेतु समस्त सामग्री रोपणियों में प्रदाय हेतु आमंत्रित की जा रही है।
3. सामग्री क्रय हेतु निविदा को निर्धारित प्रारूप में वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन पद्धति से प्रस्तुत किया जाना है।
4. निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रुपए 500/- है, निविदाऐं ऑनलाईन ही क्रय की जा सकेंगी एवं ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होगी।
5. निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का विवरण निम्नानुसार हैं :-

विवरण	दिनांक	समय
Tender Publishing Date and Time	08-04-2026 03.00 PM	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in तथा www.mpforest.gov.in पर दर्शित है।
Document Download Tender Sale Start Date and Time	08-04-2026 05.00 PM	
Bid Submission Start Date and Time	09-04-2026 12.00 PM	
Pre-Bid Meeting Date and Time	15-04-2026 12.00 PM	
Bid Submission Close Date and Time	20-04-2026 02.00 PM	
Bid Technical Openning Date and Time	21-04-2026 03.00 PM	

वनमंडल अधिकारी
सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर

G-11413/26 "स्वच्छता ही सेवा"

चिंतन

कूटनीति की मेज पर फिर बढ़ा अविश्वास का साया

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव को लेकर इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चली दो दौर की लंबी और बहुप्रतीक्षित वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। करीब 21 घंटे तक चली इस बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने साफ शब्दों में कहा कि हमने अपना अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव दे दिया है, अब देखना है कि ईरान इसे स्वीकार करता है या नहीं। यह बयान केवल एक असफल वार्ता का संकेत नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति में गहराते अविश्वास और टकराव की नई परतों को भी उजागर करता है। इस पूरे घटनाक्रम में इस्लामाबाद एक अहम कूटनीतिक मंच बनकर उभरा, जहां पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। वेंस द्वारा पाकिस्तान की सराहना यह दर्शाती है कि वार्ता की विफलता का कारण मेज़बान देश नहीं, बल्कि दोनों पक्षों के बीच बुनियादी मतभेद हैं। खासकर परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में ढील और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहमति का अभाव साफ नजर आया। वार्ता के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान का टोल टैक्स वसूलने का निर्णय और उस पर अमेरिका की नाकाबंदी की चेतावनी खाड़ी में एक बड़े संघर्ष की नींव रख रही है। यह स्पष्ट है कि ईरान अब अपनी शर्तों पर क्षेत्रीय दबदबा बढ़ाना चाहता है, जो न केवल अमेरिका के लिए, बल्कि भारत सहित पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं (तेल और गैस) के लिए मिडिल ईस्ट पर बहुत अधिक निर्भर है। होर्मुज में चल रहे इस विवाद से भारतीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है और ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं। दूसरी तरफ, अमेरिका की प्राथमिक चिंता ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। वेंस ने दो टूक कहा कि अमेरिका को साफ और ठोस प्रतिबद्धता चाहिए कि ईरान भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा। हालांकि, ईरान की ओर से इस पर कोई स्पष्ट आश्वासन न मिलना इस वार्ता के टूटने की बड़ी वजह बना। यह स्थिति बताती है कि 2015 के परमाणु समझौते के बाद जो भरोसा धीरे-धीरे बना था, वह अब लगभग समाप्त हो चुका है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख भी कम चिंताजनक नहीं है। उनका यह कहना कि समझौता हो या न हो, कोई फर्क नहीं पड़ता, यह कूटनीति की गंभीरता को कमतर आंकने जैसा है। ट्रंप की आक्रामक रणनीति और त्वरित परिणामों की चाह, दीर्घकालिक शांति प्रयासों के रास्ते में बाधा बनती दिख रही है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है और इसका बंद होना न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। इस पूरी प्रक्रिया में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि लगभग आधी सदी की दुश्मनी के बाद दोनों देश आमने-सामने बैठे। यह अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसके साथ ही यह भी स्पष्ट है कि संवाद की यह शुरुआत बेहद नाजुक है। अगर इसे सही दिशा नहीं मिली, तो यह अवसर भी अतीत की तरह विफलता में बदल सकता है। इस्लामाबाद वार्ता की असफलता यह संदेश देती है कि केवल फाइनल ऑफर देने से कूटनीति सफल नहीं होती। इसके लिए धैर्य, लचीलापन और आपसी भरोसे की आवश्यकता होती है। अंततः, यह वार्ता भले ही किसी समझौते पर खत्म न हुई हो, लेकिन इसे एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। एक ऐसा अवसर, जो भविष्य में संवाद के नए रास्ते खोल सकता है। यदि दोनों पक्ष अपने रुख में नरमी लाते हैं और क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं, तो यह असफलता भी एक बड़ी सफलता की भूमिका बन सकती है।

श्रद्धा स्मरण
डॉ. घनश्याम बादल

'अभी न जाओ छोड़ कर...'

भारतीय सिने-संगीत की समृद्ध परंपरा में आशा भोसले का नाम एक ऐसे स्वर के रूप में दर्ज है, जिन्होंने समय, शैली और सीमाओं को लगातार लांघते हुए हर पीढ़ी को अपना मुरीद बनाया। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मीं आशा, अपने समय के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ-गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री थीं और उसी संगीत-सिक्त वातावरण में पली-बढ़ीं, जहां सुर ही जीवन का पहला और अंतिम सत्य था। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां अचानक उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गईं। यही वह दौर था जब बचपन ने बिना आहट युवावस्था का रूप ले लिया और संघर्ष ने उनकी आवाज़ में एक अनोखी परिपक्वता भर दी।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय फ़िल्म जगत को लगातार बड़े नाम के जाने से झटका लगा है। अभी चले गए कलाकारों के गम को सिने जगत भूल भी नहीं पाया था कि रविवार 12 अप्रैल को चंचल, शोख व रोमांटिक फिल्मी गीतों की अद्भुत गायिका, गायन क्षेत्र की लाइट हाउस, सुरों की मल्लिका और गीत, ग़ज़ल, पॉप के साथ-साथ भजन एवं शास्त्रीय गीतों की स्टूडियो में सबसे ज्यादा एकल गीत रिकॉर्ड करने वाली आशा भोसले भी छोड़ कर चली गई हैं।

भारतीय सिने-संगीत की समृद्ध परंपरा में आशा भोसले का नाम एक ऐसे स्वर के रूप में दर्ज है, जिन्होंने समय, शैली और सीमाओं को लगातार लांघते हुए हर पीढ़ी को अपना मुरीद बनाया। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मीं आशा, अपने समय के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ-गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री थीं और उसी संगीत-सिक्त वातावरण में पली-बढ़ीं, जहां सुर ही जीवन का पहला और अंतिम सत्य था। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां अचानक उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गईं। यही वह दौर था जब बचपन ने बिना आहट युवावस्था का रूप ले लिया और संघर्ष ने उनकी आवाज़ में एक अनोखी परिपक्वता भर दी। परिवार में बड़ी दीदी लता मंगेशकर के साथ उनका संबंध हमेशा विशेष रहा। दोनों ही बहनें अपने-अपने ढंग से संगीत की साधक थीं। यद्यपि पेशेवर प्रतिस्पर्धा की चर्चाएं समय-समय पर होती रहीं, परंतु निजी जीवन में यह रिश्ता सम्मान, स्नेह और एक-दूसरे की कला के प्रति गहरी समझ से भरा रहा। छोटी बहन उषा मंगेशकर के साथ भी उनका रिश्ता आत्मीयता और सहयोग का रहा, जहां परिवार की डोर ने हर उतार-चढ़ाव में उन्हें जोड़े रखा। यह वही पारिवारिक पृष्ठभूमि थी, जिसने आशा को न केवल एक महान गायिका बनाया, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर दृढ़ बने रहने की शक्ति भी दी। कम उम्र में उन्होंने गणपत राव भोसले से विवाह किया, जो परिवार की इच्छा के विरुद्ध था।

यह संबंध अधिक समय तक टिक नहीं सका और वैवाहिक जीवन में आए तनावों ने अंततः अलगाव का रूप ले लिया। इस टूटन ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, लेकिन यहीं से उनके जीवन का वह अध्याय शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने अस्तित्व को पूरी तरह संगीत के हवाले कर दिया। वे अपने बच्चों के साथ एक नई शुरुआत के लिए खड़ी हुईं और संघर्ष के उस कठिन दौर में भी अपनी आवाज़ को कभी थकने नहीं दिया। फिल्मी दुनिया में शुरुआती दौर आसान नहीं था। जहां एक ओर उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर स्वर कोकिला के रूप में फिल्म जगत में छाई हुई थीं, वहीं उन्हें लंबे समय तक छोटे बजट की फिल्मों और तथाकथित 'दूसरे दर्जे' के गीतों तक सीमित रखा गया। उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचानने वालों में सबसे प्रमुख रहे संगीतकार ओ. पी. नैय्यर, जिन्होंने आशा की आवाज़ में वह चंचलता और ऊर्जा देखी, जो मुख्यधारा के संगीत में एक नई ताजगी ला सकती थी। "आईये मेहरबान" और "जरा हौले-हौले चलो" जैसे गीतों ने उन्हें नई पहचान दी।

इसके बाद आर. डी. बर्मन के साथ उनका रचनात्मक और व्यक्तिगत संबंध भारतीय संगीत इतिहास की सबसे सफल साझेदारियों में गिना जाने लगा। "पिया तू अब तो आजा", "दम मारो दम" और "चुरा लिया है तुमने" जैसे गीतों ने न केवल उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचाया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि वे हर शैली, चाहे वह कैबरे हो, ग़ज़ल हो या पॉप सबमें समान अधिकार से गा सकती हैं। फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के साथ भी उनके संबंध बेहद पेशेवर और सृजनात्मक रहे। गुरुदत्त की फिल्मों में उनकी आवाज ने संवेदनशीलता को नया आयाम दिया, तो विजय आनंद की फिल्मों में उनकी गायकी ने आधुनिकता और रोमांच का नया रंग भरा। संगीतकारों में खय्याम के साथ फिल्म उमराव जान के गीत "इन आंखों की मस्ती" ने उनकी गायकी के शास्त्रीय पक्ष को अमर कर दिया। इसी तरह इलैया राजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ भी उन्होंने समय के साथ खुद को ढालते हुए नई पीढ़ी में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। उनके जीवन का हर मोड़ मानो उनके गीतों में ढलता चला गया। "पिया तू अब तो आजा" में उनकी आवाज़ की बेचैनी, "दम मारो दम" में विद्रोह की धुन, "इन आंखों की मस्ती" में ठहराव और गहराई, सब उनके अपने जीवन के अलग-अलग रंगों का ही प्रतिबिंब प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि उनका संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन जाता है। व्यक्तिगत जीवन में आर. डी. बर्मन के साथ उनका विवाह उनके जीवन का स्थिर और सृजनात्मक दौर साबित हुआ, जहां दोनों ने एक-दूसरे की कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके बच्चों, हेमंत भोसले और वर्षा भोसले के साथ उनका संबंध स्नेह और आत्मीयता से भरा रहा, हालांकि जीवन ने उन्हें कई व्यक्तिगत दुःख भी दिए। फिल्म जगत में जहां व्यक्तिगत संबंध एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि लाभ का सौदा रहती है और फिल्म जगत से जुड़े हुए लोगों को आसानी से प्रमोशन और किकबैक मिल जाते हैं, लेकिन आशा भोसले को लता मंगेशकर की छोटी बहन होने का लाभ कम और नुक़सान ज़्यादा हुआ। एक ऐसा लंबा दौर उनके जीवन में आया, जब सुरीली आवाज, गायन की गहरी समझ और पूरे समर्पण के साथ हर शैली में गाने की महारत के बावजूद उनकी प्रतिभा का इस्तेमाल उतना नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था। कई बार तो कुछ बातों को लेकर उनके लता मंगेशकर के साथ गहरे मतभेद भी चर्चा में रहे, लेकिन उनके समर्पण और श्रेष्ठ गायन के चलते समय के साथ उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा गया, लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है जो उन्हें करोड़ों श्रोताओं से मिला। उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बावजूद उनका संगीत के प्रति समर्पण कभी कम नहीं हुआ। उनकी विरासत केवल परिवार तक सीमित नहीं रही, बल्कि संपूर्ण भारतीय संगीत जगत में व्यापक रूप से फैली हुई है। आज जब उनकी धुनें स्मृतियों में गूंजती हैं, तो नई पीढ़ी उन्हें एक प्रेरणास्त्रोत के रूप में देखती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कला समय की सीमाओं से परे होती है और स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे केवल रूप बदलकर सदा जीवित रहते हैं। वह आख़िरी समय तक सुरों की साधना में लीन रहीं। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं, बल्कि एक पूरे युग की प्रतिनिधि गायिका रही हैं, एक ऐसा युग, जिसकी हर धुन, हर गीत और हर स्वर भारतीय संगीत की आत्मा में हमेशा गूंजता रहेगा, जैसे कोई मधुर पुकार-"पिया तू...अब तो आजा..."।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नमन

कृति जैन

आशा भोसले : सुरों की वह शक्ति, जो इतिहास बन गई

आज का संगीत संसार एक ऐसी रिक्तता के सामने खड़ा है, जिसे शब्दों में समेटना कठिन है। आशा भोसले के निधन ने भारतीय संगीत की उस धड़कन को मौन कर दिया है, जो कई पीढ़ियों की भावनाओं में जीवित रही। 12 अप्रैल 2026 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में उनका निधन केवल एक कलाकार का अंत नहीं, बल्कि एक युग का शांत हो जाना है। फेफड़ों के संक्रमण, थकान और बढ़ती उम्र ने शरीर को दुर्बल किया, पर उनकी स्वर-छवि स्मृतियों में अमर है। ओ. पी. नैय्यर से लेकर आर. डी. बर्मन तक, उनकी गायकी ने हर दौर को नई पहचान और रंग दिया। इस शोक में भी ऐसा लगता है मानों उनकी धुनें अब भी हवा में तैर रही हों- जैसे संगीत उन्हें पूरी तरह विदा करने को तैयार न हो। बचपन की कठिनाइयों से उभरकर आशा ने संगीत को ही अपना सहारा बना लिया। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में मंगेशकर परिवार में जन्मी आशा केवल नौ वर्ष की थीं, जब उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। इसके बाद परिवार मुंबई आ गया, जहां अभाव और संघर्ष के बीच उन्होंने बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ संगीत की शिक्षा ली। सोलह वर्ष की आयु में 1949 में उन्होंने गणपतराव भोसले से विवाह किया, जिसे परिवार की स्वीकृति नहीं मिली, फिर भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपने संकल्प को बनाए रखा। 1948 में फिल्म 'चुनरिया' के गीत 'सावन आया' से उन्होंने पार्श्वगायन की शुरुआत की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक संगीत यात्रा बनी। यह शुरुआत एक ऐसी सशक्त आवाज़ का उदय थी, जिसने भारतीय सिनेमा संगीत को नई दिशा और पहचान दी। उनके करियर में सफलता और ऊंचाइयों की श्रृंखला मिलती है। ओ. पी. नैय्यर के साथ गीतों में चंचलता उभरी, जबकि आर. डी. बर्मन के साथ उन्होंने प्रयोगधर्मिता का नया दौर शुरू किया। 'तीसरी मंजिल' का 'आजा आजा', 'हरे राम हरे कृष्णा' का 'दम मारो दम' और 'उमराव जान' का 'दिल चीज क्या है' भारतीय संगीत की पहचान बन गए। उन्होंने 12,000 से अधिक गीत हिंदी, मराठी, बंगाली, तमिल और गुजराती सहित कई भाषाओं में गाए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उन्हें सबसे अधिक गीत रिकॉर्ड करने वाली गायिका का दर्जा मिला। शंकर-जयकिशन, खय्याम, इलैयाराजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ उनकी आवाज़ ने नया जादू रचा। वे केवल पार्श्वगायिका नहीं, बल्कि एक स्वर-शक्ति थीं, जिसने हर शैली को नया रूप दिया। 1980 के आसपास आर. डी. बर्मन के साथ उनके संबंधों ने उनके जीवन में भावनात्मक मोड़ जोड़ा, जिसकी चर्चा हुई। उन्होंने 'आशा' नाम से रेस्तरां श्रृंखला शुरू की, जिसने दुबई से दोहा तक पहचान बनाई। 2013 में फिल्म 'माई' से उन्होंने अभिनय में भी कदम रखा। उनका यह बहुआयामी व्यक्तित्व उन्हें एक सशक्त और प्रेरक हस्ती बनाता है। आशा भोसले को उनके योगदान के लिए पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, सात फिल्मफेयर और दो राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले। उन्होंने भजन, ग़ज़ल, पॉप और वेस्टर्न संगीत में भी अपनी सशक्त आवाज़ दी, जिससे उनका प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर तक पहुंचा। 'ये मेरा दिल' जैसे गीतों में हेलेन के लिए उनकी गायकी ने अलग पहचान बनाई, वहीं 'लगान' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी उपस्थिति ने नई ऊर्जा दी। कॉर्नरशॉप के 'ब्रिमफुल ऑफ आशा' और क्रोनोस क्वार्टेट के साथ सहयोग ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट स्थान दिलाया। उनकी सॉप्रानो आवाज़ ने भारतीय संगीत की सीमाएं लांघकर विश्व संगीत में भी अमिट छाप छोड़ी। वे हर शैली में सहज रहीं और हर प्रयोग को सफलता में बदलती रहीं।

जीवन के अंतिम वर्षों में भी आशा भोसले पूरी तरह सक्रिय रहीं। उन्होंने डिजिटल मंचों पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। 2026 में गोरिलाज जैसे अंतरराष्ट्रीय समूह के साथ उनका अंतिम सहयोग उनकी प्रयोगधर्मिता और नवाचार के प्रति समर्पण का सशक्त प्रमाण बना। उनकी पोती जनाई भोसले भी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं, जिससे यह धरोहर पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित है। आशा भोसले का जाना केवल एक कलाकार की विदाई नहीं, बल्कि भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अवसान है। फिर भी यह अंत पूर्ण नहीं, क्योंकि उनके गीत समय के साथ अमर रहेंगे। आज देश और दुनिया भर में उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया जा रहा है। उनका नाम आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। आशा भोसले-एक स्वर-आत्मा, जो समय से परे जाकर भी अमर है और सुरों की दुनिया में सदा प्रकाश बनकर चमकती रहेगी।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मेहनत के बाद भी क्यों नहीं मिल रही सफलता

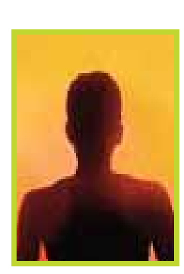

संकलित
दर्शन

संसार में किसी भौतिक वस्तु या सुख प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। पुरुषार्थ प्राथमिक आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त वांछित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ऊर्जा, कौशल, दैव (प्रारब्ध या सौभाग्य) और तत्परता (इच्छाशक्ति) भी आवश्यक है। ये पांच तत्व अत्यंत अनिवार्य हैं। अतः पुरुषार्थ करें। यह विश्वास रखें कि सौभाग्य आपके साथ है और फिर कौशल अर्जित करें।

अपनी ऊर्जा और कौशल को कैसे बढ़ाया जाए? जब आप ध्यान और मंत्रोच्चार के द्वारा अपने भीतर की सकारात्मकता को जाग्रत करते हैं, तो यह आपके कौशल, ऊर्जा और सौभाग्य में वृद्धि करता है। इन तीनों के होने के पश्चात भी, आपको पुरुषार्थ करना होगा और फिर यह फलीभूत होने में अपना नियत समय भी लेगा। हमें अपना ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखते हुए निरंतर कर्म करते रहना होगा; प्रारंभिक समय में बार-बार मिलने वाली असफलता की परवाह किए बिना हमें सतत प्रयास करते रहना चाहिए। प्राचीन वेदों एवं शास्त्रों, वैदिक अनुष्ठानों में, आरंभ में संकल्प का विधान है। संकल्प लें-एक दृष्टि और एक लक्ष्य चुनें और फिर उसे समर्पित कर दें। समर्पण अर्थात उसे ईश्वर को अर्पित करना। यह कहना-"यह मेरी इच्छा है, किन्तु आप जो मेरे लिए श्रेष्ठ समझें। यदि यह या इससे भी उत्तम कुछ हो, तो मैं उसे स्वीकार करने को तत्पर हूं।"

मृत्यु अटल है, जो ये बात समझते हैं, वे प्रसन्न रहेंगे

संकलित
प्रेरणा

एक प्रवचन के बाद एक व्यक्ति तुकाराम के पास आया और बोला कि आप इतने आनंद में और शांत कैसे रहते हैं? तुकाराम जी ने उस व्यक्ति की बातें ध्यान से सुनीं और अचानक बोले कि भाई सात दिनों के बाद तुम्हारी मृत्यु होने वाली है। ये बात सुनते ही तुरंत ही उस व्यक्ति की हालत खराब हो गई। क्योंकि वह मानता था कि तुकाराम जी बहुत सिद्ध संत हैं, इनकी बात गलत नहीं हो सकती है। उसने तय किया कि जीवन के सात दिन बचे हैं तो अब आनंद के साथ ही जीना चाहिए। उस व्यक्ति ने अपनी जीवन शैली ही बदल दी। सभी के साथ प्रेम से रहने लगा। उसने जो गलतियां की थीं, उनमें सुधार किया। जिन लोगों को उसकी वजह से नुकसान हुआ था, उनसे क्षमा मांगी। हर पर प्रसन्न रहने लगा। इसी तरह सातवां दिन आ गया। उनसे सोचा कि अंतिम दिन अपने गुरु से भी मिल लेना चाहिए। वह तुरंत ही तुकाराम जी के पास पहुंच गया। उसने कहा कि जैसा आपने कहा था कि मेरी सात दिन बात मृत्यु होगी। आज सातवां दिन है। अंतिम दिन मैं आपसे मिलने आया हूं। तुकाराम जी ने उसकी बात सुनी और कहा कि जुग-जुग जियो। ये बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा कि गुरु जी मैं अगले दिन तो मैं मर जाऊंगा तो आप ऐसा आशीर्वाद क्यों दे रहे हैं? तुकाराम जी ने कहा कि मैंने तो तुम्हें तुम्हारे ही सवाल का जवाब दिया था, तुमने मेरे प्रसन्न रहने का रहस्य पूछा था।

अंतर्मन

आज की पाती

सांझा चूल्हा से होगी ऊर्जा की बचत

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है- समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है- 'सांझा चूल्हा'। - **संजय खोखर, रोहतक**

ट्रेंड

कस्टम रेंटल सेंटर

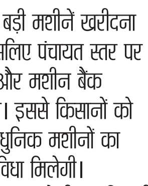

हर किसान के लिए बड़ी मशीनें खरीदना संभव नहीं होता, इसलिए पंचायत स्तर पर कस्टम रेंटल सेंटर और मशीन बैंक विकसित किए जाएंगे। इससे किसानों को उचित किराए पर आधुनिक मशीनों का उपयोग करने में सुविधा मिलेगी।
- **शिवराज सिंह चौहान,** केंद्रीय कृषि मंत्री

महिला नेतृत्व में विकास

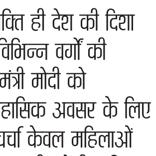

अब महिलाओं की शक्ति ही देश की दिशा तय करेगी। देश के विभिन्न वर्गों की महिलाएं आज प्रधानमंत्री मोदी को सशक्तिकरण के ऐतिहासिक अवसर के लिए धन्यवाद दे रही हैं। चर्चा केवल महिलाओं के विकास तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि महिला नेतृत्व में विकास की होगी।
-**अन्नपूर्णा देवी,** केंद्रीय महिला विकास मंत्री

सदा अमर रहेंगी आशा

पद्म विभूषण आशा भोसले के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। आज संगीत जगत ने एक महान व्यक्तित्व को खो दिया है। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे अपने अनगिनत मधुर गीतों के माध्यम से सदा अमर रहेंगी।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

महिला विधायक

राज्य में चल रहे चुनावों के बीच विशेष सत्र बुलाना इस बात की और पुष्टि करता है कि मोदी सरकार महिलाओं को वास्तव में सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस विधेयक को जल्दबाजी में लागू कर रही है।
- **मल्लिकार्जुन खड़गे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा

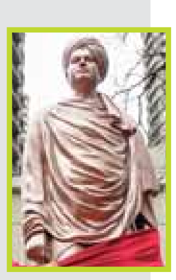

अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का सिएटल में अनावरण किया गया। यह प्रतिमा प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद के सम्मान में स्थापित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है। भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है।'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है।

ऑफ बीट

सौ वर्षों से हम तारों की दुनिया से हो रहे रूबरू

तारीख थी सात मई 1925। प्राचीन काल से ही लोग तारों और ग्रहों को अपने-अपने तरीके से समझने का प्रयास करते आएं हैं। 1700 के दशक में, सौरमंडल का एक घड़ीनुमा मॉडल, ऑरेरी, विकसित किया गया। "प्लैनेटोरियम" यानी तारामंडल शब्द का आविष्कार ग्रहों को दर्शाने वाले 'ऑरेरी' का वर्णन करने के लिए किया गया था। खगोलशास्त्री ईसे ईसिंगा ने एक कमरे के आकार का ऑरेरी मॉडल तैयार किया था। यह आज भी नीदरलैंड के फ्रैनेकर में काम कर रहा है। इस दृश्य को देखने के लिए कोई भी मनुष्य सौरमंडल के आसपास नहीं गया है। ऑरेरी और ब्रह्मांड के अन्य यांत्रिक मॉडल जैसे आकाशीय ग्लोब ही बाहरी परिप्रेक्ष्य से दृश्य प्रस्तुत करते हैं। तारों और ग्रहों को वास्तविक रूप से देखने की इच्छा 20वीं सदी की शुरुआत में तेजी से बढ़ी, क्योंकि बढ़ते शहरीकरण से होने वाले प्रदूषण ने रातों में दिखने वाले आकाश को धुंधला कर दिया था। जर्मनी के म्यूनिख में स्थित डॉयचे संग्रहालय के प्रथम निदेशक ओस्कर वॉन मिलर जैसे लोग तारों और ग्रहों से सभी को रूबरू कराना चाहते थे। दिलचस्प बात यह है कि वॉन मिलर के करियर की शुरुआत एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में हुई थी।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

कुणाल ने सिर्फ 20 मिनट में रिकॉर्ड कर दिया था सलमान का ये गाना

नई दिल्ली। सिंगर कुणाल गांजावाला ने सलमान खान और करीना कपूर की फिल्म 'क्यों की' के चर्चित गाने 'दिल कह रहा है' से जुड़ा दिलचस्प किस्सा साझा किया है। कुणाल के मुताबिक, कंपोजर हिमेश रेशमिया और उन्होंने मिलकर यह पूरा गाना सिर्फ 20 मिनट में रिकॉर्ड कर लिया था। ऐसा कैसे हुआ? इसे लेकर सिंगर ने मजेदार किस्सा साझा किया है। जब मैंने गाना गाया, तो मुझे एसएमएस से लिरिक्स मिले। हम स्टूडियो में थे और मुझे हिमेश भाई (हिमेश रेशमिया) का फोन आया। उनके पापा उस समय सब कुछ देख रहे थे, क्योंकि हिमेश खुद दूसरी सिटिंग में बिजी थे'। कुणाल गांजावाला ने आगे कहा कि हिमेश ने उन्हें कॉल पर बताया था कि 'हमें 'हम दम सुनियो रे' जैसी ही रोमांटिक और यूथफुल वाइब चाहिए, क्योंकि यह गाना सलमान भाई के लिए है'।

लाइफ Style

जनाई
बिखेर रहीं सुरीली आवाज का जादू

प्रख्यात गायिका आशा भोसले नहीं रहीं। गायिका की पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की थी कि उनकी दादी को थकान और सीने में संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया। जनाई के इस पोस्ट के बाद एक बार फिर लोगों के बीच यह चर्चा है कि आशा भोसले की पोती जनाई आखिर कौन हैं?

एजेंसी ▶▶| मुंबई

जनाई भोसले, आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले की बेटी हैं। जनाई का जन्म ऐसे परिवार में हुआ, जहां गीत-संगीत रगों में दौड़ता है, लिहाजा जनाई के पास भी यह हुनर है। दादी के नक्शे कदम पर चलते हुए उन्होंने भी संगीत की दुनिया में आगे बढ़ने का फैसला लिया है। बीते साल उनका गाना 'केहंदी है' काफी हिट रहा था। खुद दादी आशा भोसले ने पोती की तारीफ कर हौसला बढ़ाया था। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान ने भी जनाई की तारीफ की थी। जनाई ने अपनी सिंगिंग कॅरियर की शुरुआत तो कर ही दी है। अब वे एक्टिंग की दुनिया में भी कदम रखने वाली हैं। वे 'द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज' से फिल्म डेब्यू करेंगी। इस फिल्म के निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं। जनाई की सोशल मीडिया पर भी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्हें इंस्टाग्राम पर साढ़े तीन लाख से अधिक लोग फॉलो करते हैं। बीते साल दादी आशा भोसले के जन्मदिन पर जनाई ने स्पेशल पोस्ट साझा कर शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने अपनी दादी के साथ तस्वीरें शेयर कर लिखा था, 'मेरी छोटी सी आशा को जन्मदिन मुबारक'। उनके इस मैसेस से साफ है कि जनाई के लिए दादी उम्मीद और आशा की किरण थीं।

हॉलीवुड मसाला

डंकर्क में बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते थे

लॉस एंजिल्स। जॉन नोलन का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह 'बैटमैन बिगिंस' और 'डंकर्क' में बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते थे। वे फिल्ममेकर क्रिस्टोफर नोलन और जोनाथन नोलन के चाचा भी थे। उन्होंने कहानी कहने और अभिनय की उनकी शुरुआती समझ को आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। जॉन नोलन अक्सर अपने भतीजों के प्रोजेक्ट्स में नजर आते थे। इस तरह वे उनकी फिल्मी दुनिया का हिस्सा बन गए थे। उन्हें फिल्मों 'बैटमैन बिगिन्स' और 'द डार्क नाइट राइजेज' में डगलस फ्रेडरिक्स के किरदार में देखा गया था। इसके अलावा वे 'फॉलोइंग' और 'डनकर्क' में भी नजर आए थे। टेलीविजन पर, 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' में जॉन ग्रीर के उनके रोल ने एक गहरी छाप छोड़ी। उनका कैरेक्टर शो की कहानी का एक अहम हिस्सा बन गया।

हॉलीवुड में भारतीय मूल की एक्ट्रेस पर कसा तंज

लॉस एंजिल्स। एक तरफ भारतीय दर्शक मैत्रेयी रामकृष्णन को हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में देखकर खुश होते हैं, उनकी उपलब्धियों को सराहते हैं, वहीं कुछ लोग ट्रोल करने से बाज नहीं आते हैं। हाल ही में एक ट्रोल ने एक्ट्रेस मैत्रेयी रामकृष्णनन और कई दूसरी भारतीय मूल की हॉलीवुड एक्ट्रेसेस पर तंज कसा। इन एक्ट्रेसेस के चेहरों की तुलना कामवाली बाई से कर दी। कई लोगों ने ट्रोल करने वाले को खरी-खोटी सुनाई तो एक्ट्रेस मैत्रेयी रामकृष्णन ने भी करारा जवाब दिया है। मैत्रेयी रामकृष्णन ने लिखा, 'और जोर से रो लो। लगातार चार-चार खूबसूरत लड़कियों को देखना वाकई मुश्किल होगा।'मैत्रेयी के इस जवाब को कई सोशल मीडिया यूजर्स ने भी सपोर्ट किया। उनकी बेबाकी को सराहा है। मैत्रेयी रामकृष्णन को दर्शकों ने एक सीरीज नेवर हेव आई एवर में देखा था। इस सीरीज में उनका लीड रोल था, उनके किरदार का नाम देवी था। इस किरदार को निभाकर मैत्रेयी को काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। आगे भी उनके पास कई प्रोजेक्ट्स मौजूद हैं। मैत्रेयी रामकृष्णन और सुप्रिया गणेश के अलावा कई भारतीय मूल की हॉलीवुड एक्ट्रेस को लेकर एक ट्रोल करने वाले व्यक्ति ने ट्विटर पर कमेंट किया और उनकी तस्वीरों पर लिखा, 'कामवाली बाई (नौकरानी) जैसी दिखने वाली।'

'है जवानी तो इश्क होना है' की नई रिलीज डेट का ऐलान

मुंबई। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अभिनीत फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' अपनी निर्धारित रिलीज डेट से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यूं तो इसकी रिलीज डेट में बदलाव की चर्चा पिछले काफी दिनों से चल रही थी। अब मेकर्स ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। दर्शकों को फिल्म के लिए इंतजार नहीं करना होगा। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' पहले जून में रिलीज होने वाली थी। 12 जून इसकी रिलीज डेट थी। मगर, अब यह अगले महीने यानी मई में रिलीज होगी। मेकर्स की तरफ से आज रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया गया है। इसके साथ लिखा है, 'प्यार, उलझन, दीवानगी। अब शुरू होता है हंगामा। है जवानी, तो?' यह फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म की नई रिलीज डेट के साथ ही इसके फर्स्ट लुक को लेकर भी जानकारी दी गई है।

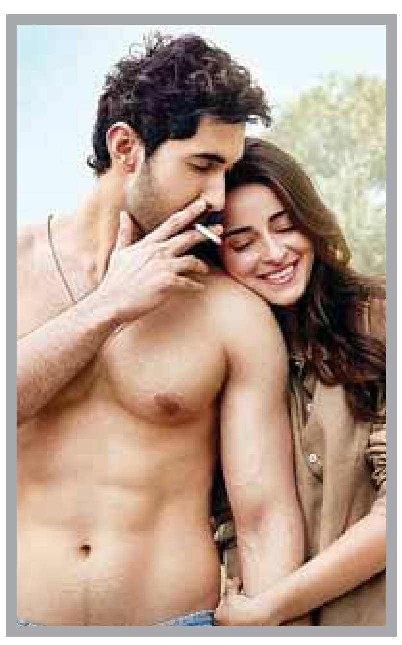

करण ने पोस्टपोन किया चांद मेरा दिल सॉन्ग का रिलीज

मुंबई। करण जौहर की आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' का नया गाना 13 अप्रैल को रिलीज होने वाला था। आशा भोसले के सम्मान में करण जौहर ने इस फिल्म के गाने को आगे रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस टाइटल ट्रैक को 13 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसे एक दिन टाल दिया गया है। नई रिलीज डेट अब 14 अप्रैल है। रविवार को प्रोडक्शन हाउस ने आधिकारिक बयान जारी करके यह फैसला बताया। इस फिल्म में लक्ष्य और अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रोमांटिक फिल्म 'चांद मेरा दिल' 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। करण जौहर ने सुबह इंस्टाग्राम पर आशा भोसले के लिए भावुक संदेश लिखा। उन्होंने लिखा, 'आज हमने एक महान हस्ती को खो दिया।

टीवी मसाला

नलिन ने कुंभकर्ण के किरदार में दर्शकों को रुला दिया था

नई दिल्ली। रामानंद सागर के टीवी सीरियल 'रामायण' में कई ऐसे कलाकार रहे, जिन्होंने दिए किरदारों में जान फूंक दी और खुद भी उन्हीं नामों से पहचाने जाने लगे। पर अफसोस इस बात का है कि उन कलाकारों में से कुछ ही आगे चलकर काम पा सके और बहुत से टाइपकास्ट हो गए। वहीं, कुछ ऐसे कलाकार भी रहे, जो सफलता मिलते ही इस दुनिया से चल बसे। ऐसे ही एक कलाकार रहे नलिन दवे, जिन्होंने रामानंद सागर की 'रामायण' में कुंभकर्ण का किरदार निभाया था। उन्होंने इस किरदार को इतनी शिद्दत से निभाया कि जब लॉकडाउन में 'रामायण' को री-टेलिकास्ट किया गया था, तो कुंभकर्ण का वध देख दर्शक रो पड़े थे। उसकी कही कई बातें लोगों को दिलों को छू गई थीं। यह नलिन दवे की एक्टिंग और रामानंद सागर की परख का ही नतीजा था कि वैसा कुंभकर्ण फिर कोई और नहीं बन सका। नलिन दवे आज इस दुनिया में नहीं। उनकी 50 साल की उम्र में मौत हो गई थी। यहां आपको नलिन दवे के बारे में बता रहे हैं। साथ ही जानिए कि रामानंद सागर ने उनके किरदार कुंभकर्ण का वध वाला सीन किस जुगाड़ से शूट किया था। 'रामायण' में कुंभकर्ण का किरदार नलिन दवे ने निभाया था, जो गुजराती सिनेमा के एक्टर थे। थिएटर की दुनिया में भी उनका काफी दबदबा था। उन्होंने **Bhadar Tara Vehata Paani**, 'सती नाग कन्या' और 'हमारी जंग' जैसी कई फिल्मों में काम किया।

रणवीर ने समय पर कसा तंज, दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। समय रैना हाल ही अपना कॉमेडी स्पेशल 'स्टिल अलाइव' लेकर आए, जिसमें उन्होंने अपने शो इंडियाज गॉट लेटेंट के विवाद, अश्लील जोक्स और एफआईआर पर बात की थी। उन्होंने यूट्यूबर रणवीर

अल्लाहबादिया द्वारा उनके शो में पैरेंट्स पर किए गए आपत्तिजनक जोक पर भी रिएक्ट किया था, और एक तरह से सारा ठीकरा उन्हीं के सिर मढ़ दिया। समय रैना ने यहां तक कहा कि रणवीर अल्लाहबादिया ने वो सवाल 80 बार उनके शो में पूछा था। उन्होंने सारा एडिट कर दिया था, बस एक ही सवाल रखा था शो में और उसी पर बवाल मच गया। समय रैना ने रणवीर अल्लाहबादिया पर 'स्टिल अलाइव' में खूब तंज कसा था। अब रणवीर ने उन्हें जवाब दिया है। एक वीडियो में रणवीर अल्लाहबादिया ने समय रैना का नाम लिए बिना रिएक्ट किया। उन्होंने 'स्टिल अलाइव' में समय रैना के किए कमेंट्स पर कहा, 'तारीफें तो सुनाई दे रही हैं। तारीफ हम तक पहुंच जाती हैं। जितनी ज्यादा पॉजिटिविटी आप अंदर रखोगे, उतने ज्यादा आप अट्रैक्ट करते हो। मैं बहुत मजाकिया भी हूं। अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर। स्माइल करते रहना चाहिए।' तारीफें तो सुनाई दे रही हैं।

थलपति की जन नायकन लीक होने पर भड़के कमल

मुंबई। थलपति विजय काफी समय से अपनी फिल्म 'जन नायकन' को रिलीज करवाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं, पर यह तीन महीनों से सेंसर विवाद में अटकी है। इस बीच एक्टर की यह फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई, जिससे मेकर्स को तगड़ा झटका लगा है। 'जन नायकन' के प्रोडक्शन हाउस केवीएन ने हाल ही एक पोस्ट में फिल्म के लीक होने की पुष्टि की थी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने गैरकानूनी तरीके से 'जन नायकन' के वीडियो क्लिप्स से लेकर सीन तक कॉपी कर लिए और इंटरनेट पर लीक कर दिए। कुछ मामलों में तो पूरी की पूरी फिल्म कॉपी करके इंटरनेट पर फैला दी गई है। यह देख अब साउथ सिनेमा के कई स्टार्स ने पाइरेसी के खिलाफ आवाज उठाई है और कड़े शब्दों में निंदा की है।

लीक होना कोई संयोग नहीं

कमल हासन और रजनीकांत से लेकर सूर्या, ऋषभ शेट्टी, विजय देवरकोंडा, पूजा हेगड़े और यहां तक कि सोनू सूद ने भी इस पर रिएक्ट किया और थलपति विजय की 'जन नायकन' के ऑनलाइन लीक होने पर चिंता जताई। कमल हासन ने लिखा, जन नायकन' का लीक होना कोई संयोग नहीं है। यह व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। यदि उचित प्रक्रिया समय पर पूरी हो जाती, तो हम इस स्थिति में नहीं होते। सर्टिफिकेशन में हद से ज्यादा देरी ने पाइरेसी के लिए जमीन तैयार कर दी। जब कानूनी पहुंच बाधित होती है, तो गैरकानूनी माध्यम हावी हो जाते हैं। पाइरेसी राजनीति से परे है। यह कला और कलाकार पर ही हमला है। यह सैकड़ों कलाकारों और तकनीशियनों के काम को खतरे में डालता है।

नोरा का मां-बाप के तलाक पर छलका दर्द कहा- पिता को छोड़ने में 14 साल लग गए

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही ने हाल ही में एक बातचीत में अपने निजी जीवन के बारे में खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने सिंगल मां के साथ बड़े होने, अपने पिता से जुड़ी समस्याओं से निपटने और इसका उनके रिश्तों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या सिंगल मदर के पाले जाने का असर पुरुषों के साथ उनके संबंधों पर पड़ा है, तो नोरा ने बेझिझक जवाब दिया। उन्होंने लिली सिंह से कहा, 'कई परिवारों की तरह, उन्हें हमें समझाना मुश्किल होता है... हम एक अलग पीढ़ी हैं। हमारे लक्ष्य अलग हैं, हम चीजों को अलग तरीके से करना चाहते हैं, हमारी मानसिकता अलग है।' अपने माता-पिता के अलगाव के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'उनका तलाक हो गया और वो काफी लंबे समय तक गायब ही रहे। जब आप ऐसा देखते हैं और बड़े होते जाते हैं, तो आप पुरुषों और उनके महिलाओं के प्रति व्यवहार से नाराज होने लगते हैं।' हालांकि उन्होंने कई अच्छे मर्दों से मिलने की बात भी कही, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका गहरा प्रभाव बना रहा। उन्होंने कहा, 'जब आपको पिता से जुड़ी समस्याएं होती हैं, तो वे परित्याग की भावना में बदल जाती हैं। अगर कोई आपके साथ रहना नहीं चाहता... तो यह आपके लिए बहुत मुश्किल होता है। आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या तलाक को लेकर कोई शर्मिंदगी है, तो नोरा ने कहा, 'हां... असल में, अब ऐसा नहीं है। अब तो हर कोई तलाक ले रहा है। मेरी मां को मेरे पिता को छोड़ने में 14 साल लग गए। चौदह साल। चार नहीं, पांच नहीं—चौदह। मेरी दादी, मेरी मौसियां—सब उनसे कहती रहती थीं, 'बस सब्र रखो।'आप जानते हैं वो मानसिकता-'लोग क्या कहेंगे?'

कभी क्लर्क की भी करनी पड़ी थी नौकरी, कई गीतों को बनाया अमर

गीतकार जो बन गया था एक्टर, मनोज संग हिट फिल्म में किया काम

गुलशन बावरा की जिंदगी जितनी कामयाब रही, उतनी ही संघर्षों से भरी भी थी। बेहद कम लोग जानते हैं कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में पहला मौका एक खास शर्त पर मिला था, जिसमें साफ कहा गया था कि वो कभी एक्टिंग नहीं करेंगे। चांदी की दीवार न तोड़ी और यारी है ईमान मेरा जैसे सुपरहिट गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इन गानों को लिखने वाले मशहूर गीतकार गुलशन बावरा की जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बहुत कम लोग जानते हैं कि इंडस्ट्री में उनका पहला ब्रेक एक शर्त के साथ मिला था, और वो शर्त थी कि वो कभी एक्टिंग नहीं करेंगे। गुलशन बावरा का असली नाम गुलशन मेहता था। उनका जन्म पाकिस्तान के शेखुपुरा में हुआ था। बंटवारे के दौरान उन्होंने अपने माता-पिता को अपनी आंखों के सामने खो दिया। इसके बाद वो दिल्ली आ गए और वहीं से नई जिंदगी शुरू की।

गीतकार के तौर पर मिला काम

दिल्ली में उन्होंने रेलवे में क्लर्क की नौकरी की, लेकिन उनका मन वहां नहीं लगा। बचपन से ही उन्हें कविता और गीत लिखने का शौक था। यही वजह रही कि उन्होंने नौकरी छोड़कर मुंबई का रुख किया। जब वो फिल्म इंडस्ट्री में नए-नए आए थे, तब उनकी मुलाकात निर्माता-निर्देशक रविंद्र दुबे से हुई। उन्होंने गुलशन को फिल्मों में गाने लिखने का मौका दिया, लेकिन साथ में साफ कह दिया कि वो उनकी फिल्मों में एक्टिंग नहीं करेंगे।

डिस्ट्रीब्यूटर ने दिया था नाम

गुलशन बावरा ने इस शर्त को तुरंत मान लिया, क्योंकि उनका सपना एक्टर बनना नहीं बल्कि गीतकार बनना था। उन्हें फिल्मों चंद्रसेना और सट्टा बाजार के लिए गाने लिखने का मौका मिला और यहीं से उनके कॅरियर की शुरुआत हुई. फिल्म सट्टा बाजार के दौरान उनके अलग अंदाज और रंग-बिरंगे कपड़ों को देखकर एक डिस्ट्रीब्यूटर ने उन्हें बावरा नाम दे दिया। इसके बाद वो इसी नाम से मशहूर हो गए। बता दें कि गुलशन बावरा ने शुरुआत में एक्टिंग न करने की शर्त मानी थी, लेकिन बाद में उन्होंने कई फिल्मों में छोटे-छोटे रोल भी किए। इनमें उपकार, जाने-अनजाने, बेईमान, बीवी हो तो ऐसी, आप के दीवाने और अगर तुम न होते जैसी फिल्में शामिल है।

अंतः करण के तम को शांत करता है रामनाम

मानसजी गोस्वामी जी का रिसर्च वर्क नहीं अपितु सर्च वर्क ■ रामकथा के अष्टम दिवस युद्धलीला के वर्णन में रामभद्राचार्यजी ने खोले कई राज ■ कथा के कल अंतिम दिवस पर ख्याति प्राप्त गायिका सुश्री इशिता विश्वकर्मा देंगी प्रस्तुति

जबलपुर। तुलसी पीठाधीश्वर, पद्म विभूषण, जगद्गुरू, रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी ने आयुर्वेद कॉलेज मैदान स्थित अवधपुरी पंडाल में चल रही श्रीरामकथा के अष्टम दिवस श्रीरामचरित मानस की अति गूढ़ व्याख्या की। युद्धलीला के वर्णन में उन्होंने मातृशक्ति की महानता, हिंदू संस्कृति की उच्चता, भारत की उत्तुंगता को भी कथा के माध्यम से रेखांकित किया। समरसता सेवा संगठन के तत्वावधान में हो रही 'राम जनम जग मंगल हेतू' विषयक रामकथा में महाराजश्री ने जोर देकर कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी किसी ग्रंथ के अनुवादक नहीं हैं, रामचरित मानस उनका रिसर्च वर्क नहीं अपितु सर्च वर्क है। मानस की गहराई को समझाते हुए उन्होंने कहा कि गोस्वामी जी को गुरु परंपरा से रामकथा प्राप्त हुई। मानसजी किसी का अनुकरण नहीं है, इसलिए ये जरूरी नहीं कि जो बाल्कीक जी कहें, वही गोस्वामी जी कहें। उन्होंने कहा कि शिवजी ने सीताजी के अनुग्रह से जो मानस प्रसाद पाप्त किया, उसी मानस प्रसाद को रामजी के नाम में निरत मानकर अपने अंतःकरण की पीड़ा को शांत करने के लिए तुलसी दास जी ने भाषावद्ध किया।

छह कारणों से रामजी सबके प्रिय

महाराजश्री ने कहा कि ज्ञान शक्ति ऐश्वर्य तेज बल और वीर्य मतलब प्रभाव के कारण भगवान श्रीराम सबके प्रिय हैं, और सबको मंगल देते हैं। मंदाकिनी मैया की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि मानसजी में कहा गया है कि एक ऐसी नदी है हमारे भारत में, जिनका बखान बड़ी-बड़ी नदियां करती हैं। और, ये वाक्य मेरा नहीं तुलसीदास जी का है। सुरसरी सरसई विनकर कन्या-मेकल सुता गोदावरी धन्या..और सबसर सिंधु नदी नद नाना-मंदाकिनी कर करहिं बखाना चौपाई सुनाते हुए उन्होंने कहा कि गंगाजी-सरस्वती जी, यमुनाजी, नर्मदा जी और धन्य गोदावरी जी सहित अन्य सभी तालाब सागर सब, सभी नदियां अनेक नद मंदाकिनी जी की महिमा का बखान करते हैं। इतना सौभाग्य है मंदाकिनी जी का। वहां निरंतर श्री सीतारामजी स्नान करते हैं।

भारतीय और पाश्चयत्य दर्शन में अंतर समझें

महाराजश्री ने जयंत कथा का वर्णन करते हुए कहा कि भारतीय दर्शन और पाश्चयत्य दर्शन का एक अंतर समझ लेना चाहिए। शरीर तो सबका होता है पर पाश्चयात्य दर्शन में नारी को कामतृप्ति का साधन माना जाता है। वहीं भारतीय दर्शन में पत्नी को कामतृप्ति का साधन कभी नहीं माना जाता। महर्षि पाणिनी कहते हैं पत्नी काम तृप्ति का साधन नहीं वो राम तृप्ति का साधन है। वाइफ का अर्थ पश्चिम ने लगाया कि वंडरफुल स्टूमेंट फार एंजाय। जो वासनातृप्ति के लिए उपकरण है, उसको वाइफ कहते हैं। और, हमारी उच्च भारतीय मनीषा में कहा है कि जो अपने पति को पतन से बचा लेती है, उसे पत्नी कहते हैं। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि मनु जी ने नारियों की निंदा की। परंतु मैं कहता हूं मनु जी ने जितना सम्मान किया नारी का, उतना कोई कर ही नहीं सकेगा। मनुजी ने नारी को पूज्यनीय कहा। मानस में भगवान श्रीराम आदरपूर्वक सीताजी को वस्त्र धारण करवा रहे हैं। मानो शक्ति पूजा कर वे रावध वध के लिए शक्ति मांग रहे हों।

नहीं हुआ श्री सीता जी का वनवास

श्रोताओं की कई शंकाओं का समाधान महाराजश्री ने मंच से किया। ये पूछने पर कि क्या माता सीताजी का निर्वासन हुआ था? महाराजश्री ने कहा कि नहीं। उन्होंने कहा कि धोबी ने सीताजी की निंदा की ही नहीं। सीताजी निरंतर अनिंदित हैं। उन्होंने कहा लवकुश का जन्म राजभवन में हुआ था। बाल्मीकजी के यहां वो पढ़ने गए थे। इसी तरह श्रीराम ने शंबूक को भी नहीं मारा। केवल सनातन धर्म के प्राण श्रीराम को अपमानित करने के लिए ये षडयंत्र किया गया है। सीता हरण से जुड़े एक प्रश्न पर महारज श्री ने कहा कि वास्तविक स्वरूप अग्नि में चला गया था, वह माया की सीता थी। रावण के वध के लिए वहां मां वेदवती का आविर्भाव हुआ था। चरैवेति का आशय क्या है ? पूछने पर महाराजश्री ने कहा कि कर्तव्य पथ पर सदा चलते रहने का नाम चरैवेति है। यह वेद का सिद्धंत है। प्रातः काल जो हनुमानजी का नाम लेने से से क्या भोजन नहीं मिलता ? पूछने पर महाराजश्री ने कहा कि हां, उसको इंद्रियों का भोग नहीं मिलता। भगवान का भजन ही मिलता है।

अंतिम लक्ष्य नहीं है सिंहासन चढ़ते जाना

कथा पूर्व प्रस्तावना रखते हुए तुलसी पीठ के युवराज आचार्य रामचंद्रदास जी ने कहा कि इस मंच से संदेश है चाहे पंथ अनेक हों पर हम सब हिंदू एक हो। उन्होंने कहा कि जीवन जीने का लक्ष्य ही वह है जो दूसरे के काम आए। उन्होंने पंक्ति पढ़ी कि पथ का अंतिम लक्ष्य नहीं है सिंघासन चढ़ते जाना, सब समाज को लिए साथ में आगे है बढ़ते जाना। एक ओर मां नर्मदा गंतव्य की ओर आगे बढ़ रहीं हैं वहीं दूसरी और श्रीरामकथा गंगा भी पूरे वेग के साथ चलते हुए आज अष्टम दिवस तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि समरसता सेवा संगठन का यह अभिनव और अनूठा प्रयाय किया गया है। कथाओं में अमूमन आयोजक परिवार ही मुख्य यजमान होता है। लेकिन, समरसता सेवा संगठन से सभी समाजों का प्रतिनिधित्व करते हुए 42 यजमान बनाए गए हैं। भगवान की कथा और भगवान दोनों अनंत हैं। आज इस मंच के माध्यम से जहां समाज में बांटने की रणनीति चल रही है, वहीं पर संस्कारधानी से संदेश दे रहे हैं, चाहे पंथ अनेक हों पर हम सब हिंदू एक हों। महाराजश्री विश्व की श्रेष्ठतम विभूति हैं।

इन्होंने किया पादुका पूजन

कथा पूर्व रामानंदाचार्य पीठ की प्राचीनतम पादुकाओं का पूजन हितानंद जी शर्मा, श्री रत्नेश सोनकर ,श्री नीरज सिंह ,श्री एस पी गौतम , अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रुपराह, उप महाधिवक्ता विवेक शर्मा ,वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, पं. आशीष शुक्ला ,श्रीमती ऋचा धीरावानी, डॉ. जतिन धीरवानी , श्रीमती कल्पना पचौरी, राजेश गुप्ता , प्रमोद पंडा , अंजली मनीष खरे, सुरेन्द्र राजपूत , राज वर्मा , आशीष राय डॉ. जितेन्द्र जामदार, संदीप जैन, अखिल मिश्रा आदि ने किया। सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य की उपस्थिति में तुलसी पीठ के युवराज आचार्य रामचंद्र दासजी ने पादुका पूजन का मंगल विधान संपन्न कराया। पादुका पूजन करते हुए सभी यजमान और आगंतुक भाव विभोर रहे। मंच पर उपस्थित स्वामी गिरीषानंद जी,स्वामी राजानामानुजाचार्य , स्वामी अशोकानंद जी सहित अन्य संतवृंदों का पुष्पमाला से स्वागत समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने किया।

व्यासपीठ से महाराजश्री उवाच-

- ■ जो अपने पति को पतन से बचाए, उसे पत्नी कहते हैं।
- ■ यह शताब्दी हिंदुओं की है, अब हम परतंत्र नहीं हैं।
- ■ अंग्रेजी-उर्दू आए न आए पर संस्कृत सबको आनी ही चाहिए।
- ■ वक्ताओं के प्रवचन होते हैं पर आचार्य के आशीर्वचन होते हैं।
- ■ सीतारामजय सीताराम संकीर्तन का वैज्ञानिक प्रभाव है।
- ■ हम हिन्दुत्व की सेना इकट्ठी कर हिन्दू विरोधियों को दंड देंगे।
- ■ चाहे पंथ अनेक हों पर हम सब हिंदू एक हों।
- ■ नर्मदा जी चित्रकूट की अनुसुइया जी की शिष्या हैं।
- ■ जहां कामदेव के बाणों का भंग जो जाए, उसे शरभंग कहते हैं
- ■ दुष्ट है वह पुरुष जो पहले महिला का दुरुपयोग करता है, फिर उसकी निंदा करता है।

पत्रक पूजन संपन्न, अक्षय तृतीया भगवान परशुराम जयंती पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब निकलेगा

जबलपुर। गोसलपुर सर्व ब्राह्मण सभा द्वारा भगवान परशुराम जयंती पर भव्य शोभायात्रा का ऐतिहासिक आयोजन किया गया है, समिति के अध्यक्ष महेश तिवारी ने बताया कि आज राधा कृष्ण कुटी रामसागर में नगर के वरिष्ठ पुरोहित शंकरलाल तिवारी ने वैदिक मंत्रों के साथ विधि-विधान से हवन, आरती के साथ भगवान विष्णु के छठे अवतार ऋषि जमदग्नि के पुत्र परशराम जयंती शोभायात्रा के पत्रक का पूजन किया। ग्राम गोसलपुर में परशुराम जयंती के अवसर पर विगत अनेक वर्षो से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 19 अप्रैल 2026 दिन रविवार, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया तिथि को रामसागर तालाब के पास राधा कृष्णन कुटी से समस्त ब्राह्मण बंधु एकत्रित होकर हाथ में फरसा, भगवान ध्वज और भगवान परसराम के जयकारों के साथ नगर भ्रमण के लिए रवाना होंगे। कार्यक्रम के दौरान नगर के गणमान्यजन भी भगवान परशुराम के चल समारोह में सम्मिलित होंगे। शोभायात्रा के पश्चात समस्त क्षेत्रवासियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष महेश तिवारी, एनके शुक्ला, राम निरंजन दुबे, लक्ष्मण पालीवाल, मोहित तिवारी, रमेश चंद्र शुक्ला, रमन मिश्रा, भुवनेश तिवारी, इंद्र कुमार उपाध्याय, अर्पित चौबे, प्रीति पालीवाल, जितेंद्र पांडे, एसके तिवारी, मोंटी दुबे, रवि तिवारी, स्वतांक पालीवाल, कुलदीप अवस्थी, अतुल अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस ने महात्मा ज्योतिराव फुले जयंती मनाई

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सामाजिक क्रांति के अग्रदूत शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिराव फुले की 199वीं जयंती तीन मूर्ति आम्बेडकर पार्क सदर केंट में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर डॉ. राजेन्द्र पिल्ले, हनुमत राव, धर्मेन्द्र कुशवाहा, एड. अनिल बावरिया, अमरचंद बावरिया, एड. रूपलाल पासी, डॉ. मनोज चौधरी, रवि बावरिया, सुरेश पासी, भगवती ठाकुर, प्लाश मजूमदार, पुरुषोत्तम नामदेव, राजेन्द्र सिंह निझावन, जब्बार अंसारी, अनवर बाबा सहित अनेक क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर व महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर नाट्य प्रस्तुति आज

जबलपुर। बोधिसत्व डॉ. भीमराव आम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव समिति द्वारा डॉ. आम्बेडकर हाईकोर्ट चौक पर 13 अप्रेल को डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 135वीं जयंती पर रात 10 बजे से महात्मा ज्योतिबा फुले पर एक नाटक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उपासक एवं उपासिकाएं नीले रंग के परिधान में भारतीय संविधान ग्रंथ के साथ उपस्थित हों। डॉ. आम्बेडकर जयंती पर रात 12 बजे केट काटकर सभी बौद्ध विहार के उपासक, उपासिकाओं को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष यादवराव मेश्राम, संयोजक जेपी नन्हेट, दीपक मेश्राम, धर्मशील चाटे, दीपक वानखेड़े, सिद्धार्थ उरकुडे, वीरेन्द्र बौद्ध, विजय धावर्डे, चन्द्रकला ढोके, रेखा वालके, सुनीता शेन्डे, मीना खापर्डे, अनिता जनबन्धु आदि ने उपस्थिति का अनुरोध किया है।

ब्राह्मण एकता मंच की एक और बैठक सम्पन्न

जबलपुर। भगवान श्री परशुराम जी की 18 अप्रेल को निकाली जाने वाली शोभायात्रा के संबंध में शहर के विभिन्न भागों में विप्र समाज के पदाधिकारियों द्वारा पंडित राम दुबे के मार्गदर्शन में लगातार बैठकें की जा रही हैं, इसी श्रृंखला में पूर्व सूचना अनुसार एक महत्वपूर्ण बैठक जबलपुर शहर के उपनगरीय क्षेत्र अधारताल, सुहागी, महाराजपुर में सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों के संयोजन में आयोजित की गई। इस बैठक में 18/04/26 को आयोजित होने वाली गौरवशाली भगवान श्री परशुराम जी की मुख्य शोभायात्रा के संबंध में बैठक का आयोजन सामाजिक कार्यों में अग्रणी पंडित प्रहलाद गर्ग-अलका गर्ग के निवास पर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विप्र समाज के पदाधिकारियों ने भगवान श्री परशुराम जी के तैलचित्र पर पुष्प माला अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया। शोभायात्रा के संबंध में व्यापक जानकारी जैसे कार्यक्रम में रैली के शुभारंभ स्थान से समापन, पार्किंग, विभिन्न सामाजिक संगठनों की उपस्थिति आदि के संबंध में पंडित कपिल दुबे, डॉ. विजयकांत तिवारी, अतुल दुबे, राहुल दुबे द्वारा दी गई। इस अवसर पर आज के परिदृश्य में समाज को एकजुट रखने क्या-क्या सामाजिक कदम उठाए जा सकते हैं, इस पर वरिष्ठ समाजसेवियों ने उपस्थितजनों का मार्गदर्शन किया। शोभायात्रा में भगवा एवं पीले वस्त्रों में सपरिवार बड़ी संख्या में सायं 4.30 बजे मालवीय चौक पर उपस्थिति पर सहमति जताई गई। सभी ने शोभायात्रा को दिव्य भव्य बनाने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में पंडित प्रहलाद गर्ग, परशुराम दुबे, पंडित अशोक उपाध्याय, शिवाकांत त्रिपाठी, महेन्द्र दीक्षित, श्रीमती प्रवीना पाठक, शैलेन्द्र जोशी, मंगल पांडे सहित क्षेत्र के अनेक समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वेलनेस सेंटर-4 में सलाहकार समिति की मासिक बैठक सम्पन्न

जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) डिस्पेंसरी 4 के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरपी रावत की अध्यक्षता में नगर के सीनियर्स सिटीजनों के विभिन्न संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधि अनिल शुक्ला, गुरमुख दास, मृगेन्द्र नारायण सिंह के साथ मासिक बैठक आयोजित की गई। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरपी रावत ने पिछली बैठक के बिंदुओं की समीक्षा कर की गई कार्यवाही से अवगत कराया, जिसे सभी ने सराहा। वहीं सलाहकार प्रतिनिधि एमएन सिंह, गुरमुख दास, अनिल शुक्ला ने डिस्प्ले बोर्ड के सुचारू संचालन न होने की बात कही, वहीं गर्मी को देखते हुए वाटर कूलर, एयर कूलर, पंखों की बेहतर साफ-सफाई का सुझाव दिया, इस पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरपी रावत ने बताया कि इन उपकरणों की साफ-सफाई करा दी है जो सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। डॉ. रावत ने ये भी कहा कि भीषण गर्मी का सीजन है इससे बुजुर्गों को विशेष रूप से अपना बचाव करना होगा।अनिल शुक्ला ने बताया कि इस बैठक में डॉ. आरपी रावत, डॉ. एलिस सराफ, डॉ. राजीव यादव, डॉ. एसके राय, मनोज कुमार, लव डांगी, जितेंद्र कुमार, प्रदीप सिंह, आनन्द कुमार, रवि कुमार, हेमराज आर्मो, रंजना का सराहनीय योगदान रहा। डिस्पेंसरी के सीनियर स्टाफ मनोज कुमार ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नेमा समाज का गौरव अलंकरण समारोह सोल्लास सम्पन्न, शिक्षा मंत्री हुए भावविभोर

जबलपुर। शहीद स्मारक सभागार में नेमा युवक संघ जबलपुर के संयोजन में अखिल भारतीय श्री दशा नेमा वणिक समाज की 15वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सामान्य सभा एवं गौरव अलंकरण समारोह भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह चौहान उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. पुरुषोत्तम नेमा ने की। मंच पर डॉ. अखिलेश गुमास्ता, राष्ट्रीय महासचिव युवामणि राकेश नेमा, आनंद नेमा एवं सुनील नेमा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। समारोह में 101 प्रतिभाओं को मोती माला, पट्टिका एवं समाज गौरव अलंकरण से सम्मानित किया गया।

नेमा शिक्षक परिवार द्वारा डॉ. संदीप नेमा, विजय नेमा, शालिनी हर्षित नेमा, पवित्रा नेमा, कामिनी नेमा, नीलम नेमा सहित अन्य शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री का शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर आत्मीय सम्मान किया। इस सम्मान से अभिभूत होकर शिक्षा मंत्री भावविभोर हो उठे। उन्होंने कहा कि "नेमा" समाज सद्‌चरित्र, आचरण और शुचिता का प्रतीक है तथा शिक्षा व संस्कारों से युक्त एक आदर्श समाज है, जिसके योगदान प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में अजय कमल, विमल प्रकाश, शैलेन्द्र नेमा, मनीष गुप्ता, सत्यनारायण, आशीष नेमा, रेखा नेमा, सीमा नेमा, विनीता, मंजुला नेमा, निधि नेमा, श्वेता नेमा एवं कीर्ति गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण नेमा ने किया।

सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ का अधिवेशन व निर्वाचन सम्पन्न

जबलपुर। सिंह मैरिज गार्डन, बेदी नगर में 12 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ म.प्र. जिला समिति जबलपुर एवं महाकोशल क्षेत्रीय समिति का अधिवेशन एवं निर्वाचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम मुख्य अतिथि इंजीनियर उमेश दुबे (प्रांताध्यक्ष) के आतिथ्य में आयोजित हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजीनियर विजय प्रताप सिंह परिहार, इंजीनियर विद्याधर पाण्डे, इंजीनियर पी.एस. परिहार, इंजीनियर सी.एस. दवे, इंजीनियर एस.आर. बिलथरिया, इंजीनियर अशोक दुबे एवं इंजीनियर यू.के. गौतम उपस्थित रहे। अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजीनियर आर.पी. चौबे ने की। निर्वाचन प्रक्रिया इंजीनियर विजय प्रताप सिंह परिहार (निर्वाचन अधिकारी) एवं इंजीनियर विद्याधर पाण्डे (सहायक निर्वाचन अधिकारी) द्वारा सम्पन्न कराई गई। महाकोशल क्षेत्रीय समिति में इंजीनियर आर.पी. चौबे अध्यक्ष, इंजीनियर प्रवीण दीक्षित सचिव एवं इंजीनियर डी.के. साहू कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। वहीं जिला समिति जबलपुर में इंजीनियर एस.के. खरे अध्यक्ष, इंजीनियर सतीश राय सचिव एवं इंजीनियर देवेन्द्र कुमार गोंटिया कोषाध्यक्ष चुने गए।

अधिवेशन में नरसिंहपुर, मंडला, डिंडौरी एवं कटनी जिलों के पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों—लोक निर्माण, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी एवं अन्य तकनीकी विभागों के सेवानिवृत्त इंजीनियर्स बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

भारतीय समाज में शिक्षा की ज्योति जगाने वाले क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योति बा फुले की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। आज भारत के महान समाज सुधारक, विचारक, समाजसेवी और क्रान्तिकारी कार्यकर्ता महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती के अवसर पर शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शांतम प्रज्ञा आश्रम के संचालक क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट मुकेश कुमार सेन ने आश्रम में उपचार ले रहे नशा पीड़ितों को महात्मा ज्योतिराव फुले के जीवन के विषय में बताते हुआ कहा कि महात्मा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। ज्योतिबा फुले जीवन भर भारतीय समाज की सेवा में जुटे रहे। उन्होंने वंचितों, शोषितों व महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अपना पूरा जीवन अर्पण कर दिया।

महात्मा फुले कहा करते थे- "विद्या बिना मति गयी, मति बिना नीति गयी, नीति बिना गति गयी, गति बिना वित्त गया, वित्त बिना शूद गये, इतने अनर्थ, एक अविद्या ने किये।"

उन्होंने महाराष्ट्र में सर्वप्रथम महिला शिक्षा तथा अछूतोद्धार का काम आरंभ किया था। उन्होंने पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला विद्यालय खोला। ज्योतिराव फुले को महात्मा की उपाधि समाज सुधारक विट्ठलराव कृष्णाजी वंदेकर ने दी थी। यह 63 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु से कुछ साल पहले उस समय भारतीय समाज में व्याप्त बुराइयों से लड़ने के उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए दिया गया था। उन्होंने अपने कुएं का पानी उपयोग करने की अनुमति देकर, निचली जातियों को घेरने वाली सामाजिक अस्पृश्यता के कलंक को दूर करने का प्रयास किया। महात्मा ज्योतिबा फुले के सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों में कई उदारवादी ब्राह्मणों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया था। उनके प्रमुख ब्राह्मण सहयोगियों में विनायक बापूजी भंडारकर, विनायक बापूजी डेंगल और सीताराम सखाराम दातार ने फुले जी के सामाजिक आंदोलन में बढ़ चढ़कर सहयोग किया।

ज्योतिबा फुले ने कभी भगवान और सनातन धर्म का विरोध नहीं किया, बल्कि उनका मानना था कि ईश्वर सबके हैं कण-कण में व्याप्त हैं चाहे वह सजीव हो या निर्जीव। उन्होंने धर्म के नाम पर भ्रष्टाचार और छुआछूत के विरुद्ध जागरूकता फैलाई और शिक्षा की अलख जगाई।

सर्वमंगला समिति की सदस्यों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

जबलपुर। महिलाओं की समिति सर्वमंगला का दो दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन कचनार क्लब में आयोजित किया गया। आयोजन में कई प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें मेंहदी, रंगोली, रील बनाना इत्यादि थीं। इसके बाद प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया, अतिथियों में श्रीमती रोहणी गायकवाड, शवेतासिंह, आशा पांडे दीक्षित एवं शवेता मसराम थीं। आयोजन को सफल बनाने में स्वाति गोडवोले, रंजनावर्तक, जया पागे, राधिका बेहरे, लीना वाते, प्रीती गोरे, अर्चना वैध शमा, अशु कांचन सप्रे का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन निलिमा देशपांडे एवं सोनल उज्जैनकर ने किया। आभार प्रदर्शन प्रीती जोशी ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शहर को स्वच्छ बनाने पार्षद और जनता ने थामी झाड़ू

जबलपुर। शहर को स्वच्छता के शिखर पर पहुँचाने के लिए नगर निगम का अभियान अब एक जन-आंदोलन बनता जा रहा है। स्वच्छता के प्रति इसी समर्पण की एक प्रेरक तस्वीर चेरीताल वार्ड में देखने को मिली। यहाँ स्थानीय पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर ने स्वयं जमीन पर उतरकर कमान संभाली। वार्ड की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर झाड़ू थामी और सड़कों की सफाई की। इस अभियान की खास बात यह रही कि यहाँ केवल कचरा ही नहीं हटाया गया, बल्कि वार्ड को 'विजुअल ट्रीट' देने का प्रयास भी हुआ। पार्षद और उनके साथियों ने मिलकर वार्ड की दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग बनाई।

एमसीयू में आयोजित हुआ जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत आवश्यक, भाषा की विशिष्टता पर ध्यान रखना बेहद जरूरी: आयुक्त मनीष सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत अहम होता है। कंटेट की हर क्षेत्र में मांग है। चाहे समाचार हों या फीचर, आलेख हों या एडवटोरियल, हर किसी के लिए अलग तरह के कंटेट की आवश्यकता होती है। भाषा की विशिष्टता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। प्रेस विज्ञप्तियों की भाषा किसी समाचार से अलग होती है। इसलिए जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को भाषा पर भी विशेष कार्य करना चाहिए। यह बात जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही।

राजधानी के एमसीयू में आयोजित जनसंपर्क अधिकारियो का दो दिवसीय प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन सत्र में जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के सभी जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर पर कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय प्रबंधन बेहतर ढंग से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को किस तरह बेहतर ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकता है इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते आयुक्त मनीष सिंह।

इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की विविध शाखाओं में एमसीयू के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन जनसंपर्क विभाग के अनिल वशिष्ठ ने किया। कार्यक्रम में विभागीय बजट, भंडार नियमों की जानकारियों पर सत्र भी आयोजित हुए। इसके अलावा पत्रकारों के लिए संचालित विविध योजनाओं की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के पोर्टल प्रबंधन पर प्रतिभागी अधिकारियों को जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुलगुरु तिवारी समेत जिला जनसंपर्क कार्यालयों तथा निदेशालय के जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

लेखन में रुचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए: तिवारी

इस अवसर पर सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को लेखन में रूचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए। एक छोटे से विषय पर भी बेहतर ढंग से लिखे हुए समाचार को प्रकाशनों में अच्छा कवरेज मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जनसंपर्क अधिकारी किसी भी सकारात्मक आइडिया को लेकर सक्सेस स्टोरीज लिख सकते हैं। इस तरह की स्टोरीज को शेयर करने से उनके विभागों के बेहतर कार्यों को मीडिया में अच्छी जगह मिलती है।

जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ आयोजन

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों से तथा निदेशालय से जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण का आयोजन जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ। इस आयोजन का समन्वय डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने किया। इस आयोजन में दोनों दिन संगठन प्रबंधन, डिजिटल नवाचार, ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस, एआई, कंटेंट मैंनेजमेंट, आरटीआई, प्रेस के नियम, जनसंपर्क की नीतियों और उनके क्रियान्वयन के व्यवहारिक पहलुओं सहित वित्तीय प्रबंधन आदि विषयों पर विविध सत्र आयोजित हुए।

प्रदेशभर में अपना दल (एस) ने मनाई महात्मा फुले की जयंती

भोपाल। अपना दल (एस) ने प्रदेशभर के विभिन्न जिलों में महान भारतीय विचारक, लेखक और सामाजिक क्रांति के जनक महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती धूमधाम से मनाई। इन कार्यक्रमों में वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों सहित सक्रिय सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और महात्मा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके क्रांतिकारी विचारों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव सह मप्र प्रभारी आरबी सिंह पटेल ने कहा कि फुले का जीवन संघर्ष और महिला शिक्षा के प्रति उनका समर्पण हमारे लिए सर्वोच्च प्रेरणा है। कार्यक्रम में इंदौर के पूर्व जिला अध्यक्ष टीकम चंद शर्मा भी उपस्थित रहे। सतना में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष युवा मंच मान सिंह बिसेन, डीपी पटेल व मनोज पटेल के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए। मऊगंज में अमृतलाल पटेल की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ जहां राष्ट्रीय सचिव सूर्यभान सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भोपाल में पूर्व प्रदेश पदाधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह के संरक्षण में जयंती समारोह का सफल आयोजन हुआ, वहीं सागर जिले में मनीष सरवैया के नेतृत्व में पार्टी सदस्यों ने एकजुट होकर फुले के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया, जबकि सिंगरौली में त्रिलोकी सिंह व राजेश पाल द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं इटारसी में पप्पू चौरे, देवास में लालजी पटेल, ग्वालियर में राहुल सिंह भदौरिया, छतरपुर में राजेंद्र व कुबेर पटेल की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न किए गए, वहीं कटनी में बीके पटेल की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ, जहां चैतुराम पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ों का बजट, लेकिन न सुरक्षा - न सुविधाएं

पार्क में खुलेआम चल रहा जुआ, सब तरफ गंदगी का आलम सूख रहे पेड़-पौधे, फुहारे खराब, मंजनूओं ने बनाया ठिया

पार्क में गांजा पीते व जुआ खेलते मवाली।

फाउंटेन बंद, डस्टबिन टूटे, रैलिंग उखड़ी

निगम के जिम्मे है शहर के 183 पार्कों का मेंटेनेंस, वीआईपी इलाकों में ही देखरेख और मेंटेनेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में पार्कों के सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट के बावजूद शहर के अधिकांश पार्क बदहाली का शिकार हैं। यहां न सुरक्षा के इंतजाम हैं, न बुनियादी सुविधाएं। हालात यह हैं कि कई पार्क अब मंजनूओं व असामाजिक गतिविधियों के अड्डे बनते जा रहे हैं। हरिभूमि की टीम ने जब शहर के पुराने पार्कों में शुमार नीलम पार्क और यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में स्थिति देखी तो नीलम पार्क में खुलेआम जुआ खेला जा रहा था, जबकि पार्क में मवेशी घूम रहे थे। नीलम पार्क में फाउंटेन महीनों से बंद पड़े हैं, डस्टबिन टूट चुके हैं और रेलिंग उखड़ी हुई है। साफ-सफाई की स्थिति भी बेहद खराब है। पार्क में आने वाले असामाजिक तत्व शराब की बोतल और गंदगी फेंककर छोटे तालाब को दूषित भी कर रहे हैं। पार्क की वॉकिंग स्ट्रीट में बड़ी दरारे आ गई है। लोगो के बैठने की सुविधा नहीं है। बैठने के लिए लगीं कुर्सियां भी जमीन में धंस चुकी है। न तो झूले है न ही लाइट की व्यवस्था। स्ट्रीट लाईटें खराब है, जिससे अंधेरा होने के बाद टहलना मुश्किल हो जाता है। महापौर मालती राय का कहना है कि पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। पार्कों का सौंदर्यीकरण लगातार करवाया जा रहा है। पार्क की कमियों को दूर करवाया जाएगा। सुरक्षा के इंतजाम भी करवाए जाएंगे।

4 साल पहले 1 करोड़ 13 लाख सौंदर्यीकरण पर हुए थे खर्च

जिस यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में मवेशी घूम रहे हैं और फाउंटेन बदहाली से घिरा है उसके सौंदर्यीकरण पर चार साल पहले एक करोड से ज्यादा खर्च किए गए। यहां भी पार्क परिसर में खुलेआम जुआं हो रहा है। पार्क शराबी और नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। असामाजिक तत्वों की मौजूदगी के कारण महिलाएं-बच्चे आने से कतराते है। बुजुर्गों की संख्या भी न के बराबर है। कभी कभी नशेड़ी लोगे से विवाद करते है।

डिजाइनर फाउंटेन में भरा है गंदा पानी

पार्क के बीचों बीच बने डिजाइनर फाउंटेन में महीनों से गंदा पानी जमा है, लेकिन निगम ने सफाई करने की जरूरत तक नहीं समझी। सुबह होते ही पार्क परिसर मवेशियों का चारागाह बन जाता है।

अब लिक्विड बायोप्सी से पकड़ में आएगा कैंसर

देर से शादी भी बन रही कैंसर की एक मुख्य वजह: डॉ. शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अब कैंसर की पहचान के लिए लक्षणों का इंतजार करने की जरूरी नहीं है। बल्कि आधुनिक तकनीकों की मदद से छिपी हुई बीमारी को शुरूआती चरण में ही पकड़ा जा सकता है। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में शनिवार को 'जीएमसी बायोकॉन 2.0' सीएमई में देशभर के विशेषज्ञों ने कैंसर की बढ़ती चुनौतियों, उसके कारणों, समय पर जांच और लिक्विड बायोप्सी जैसी नई तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। जीएमसी के मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना शर्मा ने बताया कि कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके पीछे शहरीकरण, बदलती जीवनशैली, देर से शादी, हार्मोनल बदलाव और संक्रमण जैसे कई कारण जिम्मेदार है।

खानपान में मिलावट और प्रदूषण बड़ा खतरा

जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने सीएमई का शुभारंभ करते हुए कहा कि आजकल के खान-पान में मिलावट, पेस्टिसाइड्स और केमिकल्स का इस्तेमाल भी कैंसर के खतरे को बढ़ा रहा है। सीएमई की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी और बायोकेमिस्ट्री विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुराधा राठौर जैन ने कहा कि कैंसर के शुरूआती लक्षण अक्सर स्पष्ट नहीं होते। इसलिए 35-40 साल की उम्र के बाद नियमित जांच बेहद जरूरी है। समय पर सोना, संतुलित आहार लेना, एक्सरसाइज करना जरूरी है।

विद्यार्थियों ने सीखा मशरूम कल्टीवेशन, मिले प्रमाणपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को दानिश कुंज कोलार में प्रोफेसर पद्मा श्रीवास्तव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट द्वारा शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं कला महाविद्यालय के 60 से अधिक विद्यार्थियों ने मशरूम कल्टीवेशन की 6 दिवसीय ट्रेनिंग ली। प्रशिक्षित विद्यार्थियों को एसपीएम कॉलेज की वनस्पति शास्त्र विभाग की एचओडी डॉ कीर्ति जैन और सुनील श्रीवास्तव ने प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर चंद्र खरे, सुनीता सोनी, सरोज दुबे, भारती खरे, सुधा श्रीवास्तव, प्रदीप खरे, अजीत सक्सेना, तेज सिंह ठाकुर, शारदा जौहरी एवं

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में

308 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण और भूमिपूजन

आज सुकमा जिले के दौरे पर रहेंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विकास कार्यों की देंगे सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 13 अप्रैल को सुकमा जिले के दौरे पर पहुंचेंगे। यह दौरा कई मायनों में खास माना जा रहा है, क्योंकि बस्तर संभाग में नक्सल उन्मूलन को लेकर तय समयसीमा के बाद मुख्यमंत्री का यह पहला दौरा है। ऐसे में प्रशासनिक सक्रियता के साथ-साथ विकास कार्यों को गति देने का संकेत भी इससे मिल रहा है। मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान जिले को बड़ी सौगात देने वाले हैं। लगभग 308 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और नई योजनाओं का भूमिपूजन किया जाएगा।

अटल आरोग्य लैब का करेंगे उद्घाटन

स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री अटल आरोग्य लैब का उद्घाटन भी करेंगे। इस लैब के शुरू होने से जिले में आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी, जिससे मरीजों को बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और इलाज की प्रक्रिया तेज होगी। सुकमा लंबे समय से नक्सल गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्र रहा है, इसलिए इस दौरे को विकास के साथ-साथ विश्वास बहाली के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

दोनों वाहन क्षतिग्रस्त, केबिन में फंसा चालक

डीजल टैंकर और ट्राले के बीच जबरदस्त भिड़ंत, लगा जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

शनिवार की देर रात कटघोरा थाना क्षेत्र के एनएच 130 पर बरपाली के पास लालघाट के नजदीक देर रात जबरदस्त सड़क हादसा हो गया। डीजल टैंकर और ट्रेलर वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और चालक केबिन में फंस गया। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, टैंकर अंबिकापुर की ओर से आ रहा था जबकि ट्रेलर कटघोरा की तरफ जा रहा था। लालघाट के पास अचानक दोनों वाहनों की भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। टैंकर चालक काफी देर तक केबिन में फंसा रहा।

शब्द पहेली - 6194

बाएँ से दाए
1. असहकार-5
4. शत्रुता, दुश्मनी-4
7. नाच, नृत्य (उर्दू-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. मादा का विलोम-2
10. ईश्वर, शिव-4
11. संज्ञा, संबोधन-2
13. वेग, गति-3
14. महसूल, राहदरी-2
15. अंधकार, अंधेरा-3
17. कुंजी, ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतरता, बेगानापन-5
25. समय, वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा, सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी, धूल-2
32. नट, बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स, हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. खदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे
1. तराजू डंडा, पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना, अड़ जाना-3
5. जंगल, कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी, धन-4
12. वोट, राय-2
16. राजा, महाराजा-3
17. चतुर्थ, चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन, देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर, लुटेरा-5
25. जैकी श्राफ, अनिल कपूर, किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना, बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-2
31. कमल, नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी, अवकाश-2
37. राख, मिट्टी-2

शब्द पहेली - 6193 का हल

सूडोकू नवताल - 6204

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6203 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

वैश्विक तेल व्यापार मार्ग सुरक्षित होगा

अमेरिका ने होर्मुज में बारूदी सुरंग हटाने का अभियान शुरू किया उन्नत युद्धपोत, रोबोटिक ड्रोन और हेलिकॉप्टर तैनात किए गए

अमेरिकी सेना के मुताबिक, यह अभियान खास तौर पर उन सुरंगों को हटाने के लिए है जिन्हें ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जोड़ा जा रहा है। ये सुरंगें बड़े जहाजों और तेल टैंकरों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं

दो गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत इस ऑपरेशन में शामिल

यूयूवी ड्रोन समुद्र में सोनार तकनीक से समुद्र की सतह का नक्शा बना रहे

हेलिकॉप्टर खास लेजर सिस्टम की मदद से मौजूद सुरंगों की पहचान कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सुरक्षा बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी सेना ने इस अहम समुद्री रास्ते में बिछी संभावित बारूदी सुरंगों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए उन्नत युद्धपोत, ड्रोन और हेलिकॉप्टर तैनात किए गए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) के तहत दो गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत इस ऑपरेशन में शामिल हैं। इनका मुख्य काम समुद्र में छिपी बारूदी सुरंगों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना है, ताकि जहाजों की आवाजाही सुरक्षित हो सके। अमेरिकी सेना के मुताबिक, यह अभियान खास तौर पर उन सुरंगों को हटाने के लिए है जिन्हें ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जोड़ा जा रहा है। ये सुरंगें बड़े जहाजों और तेल टैंकरों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं।

सुरक्षा के साथ-साथ रक्षा भी

ये युद्धपोत सिर्फ सुरंग हटाने में मदद नहीं कर रहे, बल्कि सुरक्षा भी दे रहे हैं। इनमें आधुनिक एजिस कॉम्बैट सिस्टम और इंटरसेप्टर मिसाइलें लगी हैं, जो हवाई या समुद्री हमलों को रोक सकती हैं। अमेरिकी एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि नया सुरक्षित समुद्री रास्ता तैयार किया जा रहा है, जिसे जल्द ही जहाजों के लिए खोला जाएगा ताकि व्यापार सामान्य हो सके।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बारूदी सुरंग हटाता अमेरिकी युद्धपोत

ड्रोन से होगी समुद्र की जांच

अमेरिका इस काम के लिए सीधे जहाजों को खतरे में नहीं डाल रहा है। इसके बजाए पानी के अंदर चलने वाले रोबोटिक ड्रोन यानी यूयूवी (अनमैन्ड अंडरवाटर व्हीकल) का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये ड्रोन टॉरपीडो के आकार के होते हैं और अपने आप समुद्र में घूमकर हाईटेक सोनार तकनीक से समुद्र की सतह का नक्शा बनाते हैं। इससे छिपी हुई बारूदी सुरंगों का पता लगाया जाता है।

हेलिकॉप्टर भी निभा रहे अहम भूमिका

इसके अलावा अमेरिका ने एमएच-60एस जैसे हेलिकॉप्टर भी तैनात किए हैं। ये हेलिकॉप्टर खास लेजर सिस्टम (एएलएमडीएस) की मदद से समुद्र की सतह या उसके ठीक नीचे मौजूद सुरंगों को पहचान सकते हैं। जब किसी सुरंग का पता चलता है, तो उसे नष्ट करने के लिए एक और रिमोट कंट्रोल सिस्टम (एएमएनएस) का इस्तेमाल किया जाता है। यह छोटा रोबोट सुरंग के पास जाकर उसे विस्फोट से खत्म कर देता है।

अमेरिकी पोतों का होर्मुज में दाखिल होने का दावा गलतः ईरान

ईरान की संयुक्त सैन्य कमान के एक प्रवक्ता ने अमेरिका के उस दावे का खंडन किया है जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी नौसेना के दो विध्वंसक पोत होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरे थे।प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी पोत के गुजरने पर निर्णय लेने का अधिकार ईरान के सशस्त्र बलों के पास है। इससे पहले, अमेरिकी सेना ने कहा था कि ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार उसकी नौसेना के दो विध्वंसक पोत होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरे। हालांकि, ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि ईरान ने जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहे अमेरिकी सैन्य पोत को वापस लौटने पर मजबूर कर दिया।

दक्षिण लेबनान में इजराइली हमला, 5 की मौत

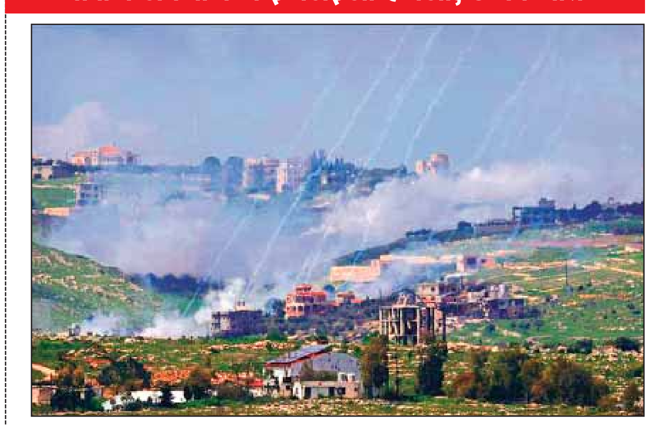

लेबनान के दक्षिणी शहर काना में इजराइली हमले में 5 लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, बचाव दल घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे हुए हैं। इसके अलावा टायर जिले के अन्य इलाकों में भी हमलों की खबरें सामने आई हैं, जहां कई लोग घायल हुए हैं। काना शहर पहले भी 1996 और 2006 में बड़े हमलों का गवाह रहा है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष की शुरुआत से अब तक हजारों लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हालिया हमलों में भी कई लोगों की मौत और घायल होने की पुष्टि की गई है।

दिल्ली में ईरानी दूतावास ने लगाई मार्मिक प्रदर्शनी
मिनाब स्कूल के मलबे से मिली ड्राइंग शामिल

नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में 'एंजल्स ऑफ मिनाब' नाम की एक प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में बच्चों की बनाई ड्रॉइंग दिखाई गई हैं। इसके अलावा, मिनाब में एलिमेंट्री स्कूल के मलबे से निकाली गई आर्टवर्क दिखाई गई। बता दें, 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजराइल के एयरस्ट्राइक के बाद यह स्कूल तबाह हो गया था जिसमें 165 से ज्यादा बच्चों और स्टाफ सदस्यों की मौत हो गई थी। प्रदर्शनी के जरिए, ईरानी दूतावास ने इस संघर्ष में इंसानी मूल्यों की ओर ध्यान खींचने की कोशिश की और बरामद ड्रॉइंग्स को एक ऐसी दुनिया की झलक के तौर पर पेश किया।

तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोगन की चेतावनी
इजराइल पर हमला करना हमारा कर्तव्य

तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इजराइल को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम नहीं हुआ तो तुर्किए कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। इस बयान में एर्दोगन ने इजराइल पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ाने और मानवीय मूल्यों की अनदेखी करते हुए हमले करने का आरोप लगाया। हालिया हिंसा का जिक्र करते हुए एर्दोगन ने इजराइल की तीखी आलोचना की। उन्होंने लेबनान में सीजफायर वाले दिन नागरिकों की हत्या की निंदा की। एर्दोगन ने इजराइल के इन कृत्यों को जनसंहार नेटवर्क का हिस्सा बताया और तुर्किए की तरफ से और आक्रामक रुख अपनाने का संकेत दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप यूएफसी इवेंट में हुए शामिल
लोगों ने की आलोचना, नजरिए पर उठाए सवाल

फ्लोरिडा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शनिवार को फ्लोरिडा में यूएफसी इवेंट में शामिल हुए। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। ट्रंप मियामी में यूएफसी 327 में पहुंचे, जहां फाइट देखने के लिए एरीना में जाने से पहले यूएफसी के अध्यक्ष डाना व्हाइट ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बेटी इवांका ट्रंप, पोती काई ट्रंप उनके परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल थे। आलोचकों का कहना है कि एक संवेदनशील भू-राजनीतिक समय के दौरान एक बड़े स्पोर्टिंग इवेंट में राष्ट्रपति की मौजूदगी से गलत मैसेज गया। कई लोगों ने बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव के बीच एक हाई-एनर्जी फाइट नाइट में शामिल होने के नजरिए पर सवाल उठाए।

अमेरिका ने तीन ईरानी ग्रीन कार्ड रद्द किए
सैयद हाशमी, पत्नी और बेटा हिरासत में

अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा और ऐतिहासिक शत्रुता के मद्देनजर 1979 के ईरान बंधक संकट की प्रवक्ता मासूमेह इब्तेकर के बेटे सैयद ईसा हाशमी पर कार्रवाई की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने सैयद ईसा हाशमी और उनके परिवार का कानूनी स्थायी निवासी दर्जा (ग्रीन कार्ड) रद्द कर दिया है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने तीन ईरानी नागरिकों सैयद ईसा हाशमी, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ यह कार्रवाई की है। ये सभी ईरानी मूल के हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका के वैध स्थायी निवासी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के तहत हाशमी, उनकी पत्नी और बेटे को हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें जल्द ही देश से निकाला जाएगा।

सऊदी अरब से दुबई जाने वाली उड़ान रद्द
जेद्दा जा रहे विमान से उतारे गए 54 यात्री

रविवार को लखनऊ एयरपोर्ट पर दुबई जा रहे 54 यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। ये यात्री सऊदी एयरलाइंस की उड़ान संख्या एसवी 893 में सवार थे, जो लखनऊ से जेद्दा के लिए उड़ान भरती। इन यात्रियों को दुबई जाना था, लेकिन सऊदी अरब से दुबई जाने वाली आगे की उड़ान रद्द हो गई थी। इस वजह से यात्रियों को लखनऊ में ही उतारना पड़ा।

काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

इससे पहले, लखनऊ एयरपोर्ट पर एक और अंतरराष्ट्रीय विमान की इमरजेंसी लैंडिंग भी करानी पड़ी। यह विमान दुबई की उड़ान संख्या एफजेड 1133 थी, जो दुबई से काठमांडू जा रही थी। विमान में ईंधन कम होने की वजह से पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग का फैसला लिया। शाम करीब 8:22 बजे इस विमान को सुरक्षित उतारा गया। इसमें कुल 154 यात्री सवार थे।

खबर संक्षेप

निजार अमेदी बने इराक के नए राष्ट्रपति

बगदाद। ईराक में हुए संसदीय चुनावों के बाद, देश की संसद ने कुर्द राजनेता निजार अमेदी को देश का नया राष्ट्रपति चुना। अमेदी देश के पूर्व पर्यावरण मंत्री थे। वे वर्ष 2024 से बगदाद में कुर्दिस्तान पैट्रियटिक यूनियन के राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख भी रहे हैं। इराक में अब पीएम का चुनाव होना है। ईराक में पीएम का शिया मुस्लिम, संसदीय अध्यक्ष का सुन्नी मुस्लिम और राष्ट्रपति का कुर्द होना अनिवार्य है।

न्यू जर्सी में गोलीबारी से 1 की मौत, कई घायल

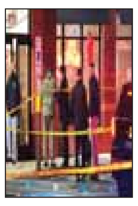

न्यू जर्सी। अमेरिका के न्यू जर्सी के यूनियन टाउनशिप के फास्ट-फूड रेस्टोरेंट 'चिक-फिल-ए' में शनिवार रात करीब 8:40 बजे अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। हमलावर रेस्तरां के अंदर घुसे और काउंटर के पीछे पहुंचकर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले में छह लोगों को गोली लगी है। इनमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने 21 अवैध बंकर नष्ट किए

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में सुरक्षा बलों ने 21 अवैध बंकर नष्ट कर दिए है। सुरक्षा बलों ने शनिवार को लिटान थाना क्षेत्र के सिकिबंग गांव में 14 और मोंगकोट चेपु गांव में 7 बंकर को नष्ट किया। पुलिस ने बताया कि ये बंकर सशस्त्र उपद्रवियों द्वारा अवैध रूप से बनाए गए थे। तेंगनौपाल जिले से 13 आईईडी भी बरामद किए।

भारत ने अरुणाचल पर चीन के दावों को किया खारिज, कहा
मनगढ़ंत कहानियों से नहीं बदलेगी हकीकत अरुणाचल प्रदेश भारत का अविभाज्य हिस्सा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की कुछ जगहों को फर्जी नाम देने की कोशिश को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया है। एमईए के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि ऐसी किसी भी शरारती कोशिश को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश की कई जगहों, पहाड़ों, दर्रों, नदियों और बस्तियों के लिए चीनी नाम जारी किए हैं। भारत इसे दक्षिण तिब्बत मानकर अपना दावा जताता रहा है, लेकिन भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने देखा है कि चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नामकरण के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों को जारी रखे हुए है। हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इन प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं।

ऐसी किसी शरारती कोशिश को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा

चीन की हरकतें द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंचाती हैं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

क्रिएटिव नामकरण से सच्चाई नहीं बदलेगी

रणधीर जायसवाल ने कहा कि क्रिएटिव नामकरण इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। चीन की ओर से झूठे दावे पेश करना और बेबुनियाद कथानक गढ़ना इस हकीकत को नहीं बदल सकता। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि चीन की ये हरकतें भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के प्रयासों को नुकसान पहुंचाती हैं।

भारत शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में

जायसवाल ने कहा कि चीन की ये कार्रवाइयां संबंधों में नकारात्मकता घोलती हैं और बेहतर समझ विकसित करने के प्रयासों को कमजोर करती हैं। चीन को ऐसी कार्रवाइयों से बचना चाहिए जो संबंधों में नकारात्मकता डालें। विदेश मंत्रालय ने जोर दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को ऐसी हरकतों से दूर रहना चाहिए जो द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करें। भारत हमेशा शांतिपूर्ण समाधान और सीमा क्षेत्र में शांति बनाए रखने के पक्ष में रहा है।

भारत का अडिग रुख

भारत ने पहले भी चीन की इसी तरह की कई कोशिशों को खारिज किया है। हर बार सरकार ने दोहराया है कि नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देश सीमा मुद्दों पर बातचीत जारी रखे हुए हैं, लेकिन चीन की ओर से बार-बार उठाए जा रहे ऐसे कदम संबंधों में तनाव बढ़ा सकते हैं।

क्षेत्रीय स्थिति में बदलावों पर हुई चर्चा
विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएई के डिप्टी पीएम नाहयान से की भेंट

एजेंसी ▶▶ अबू धाबी

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, दो दिन की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा पर हैं। इस दौरान डॉ. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से अबू धाबी में मुलाकात की, जिसमें क्षेत्रीय स्थिति में हो रहे बदलाव और उसके प्रभावों पर चर्चा केंद्रित रही। विदेश मंत्री ने भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में संयुक्त अरब अमीरात सरकार के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों पक्षों ने सहयोग की समीक्षा की और व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर विचार किया। बता दें विदेश मंत्री एस. जयशंकर 9 से 12 अप्रैल तक मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम चरण में अबू धाबी में हैं।

यूएई के प्रयासों की सराहना की

जयशंकर ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शनिवार शाम अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारी बातचीत क्षेत्रीय स्थिति में हो रहे बदलावों और उनके प्रभावों पर केंद्रित रही। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने खाड़ी देश में भारतीय समुदाय का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व द्वारा किए जा रहे प्रयासों को लेकर भारत की ओर से गहरी सराहना व्यक्त की। दोनों देशों ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी और आगे बढ़ती रहेगी। जयशंकर मॉरीशस की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे, जहां उन्होंने नौवें हिंद महासागर सम्मेलन में हिस्सा लिया था।

कोलंबिया विश्वविद्यालय में क्वात्रा बोले
भारत की आर्थिक विकास यात्रा साथी देशों के लिए बड़ा अवसर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमरीका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि भारत की आर्थिक विकास यात्रा साथी देशों के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत का भरोसेमंद साथी है और भारत की विकास यात्रा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में 'द क्वेस्ट फॉर ए डेवलप्ड इंडिया' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और बदलते वैश्विक परिदृश्य से निपटने में भारत-अमरीका साझेदारी प्रमुख है। क्वात्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भारत आर्थिक वृद्धि और खुशहाली को बढ़ावा देना जारी रखेगा। भारत-अमरीका साझेदारी में दोनों सरकारों, सरकार और व्यापार जगत, व्यवसाय जगत के पारस्परिक संबंध और दोनों देशों की जनता के बीच के संपर्क शामिल हैं। क्वात्रा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के संबंधों को गति देने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

समुद्री सुरक्षा और रणनीति पर होगा मंथन
भारतीय नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 14-16 अप्रैल को

चुनौतियों से निपटने की रणनीतियों की समीक्षा करेंगे

यह महत्वपूर्ण सम्मेलन नौसेना भवन में आयोजित होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के टॉप कमांडर की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। यहां नौसेना के कमांडर्स समुद्री सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए रणनीतिक दिशा तय करेंगे। इसमें नौसेना का शीर्ष नेतृत्व, ऑपरेशनल कमांडर और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। यह नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस हैं। दरअसल, भारतीय नौसेना 'कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2026' का पहला संस्करण आयोजित करने जा रही है। नौसेना के मुताबिक, यह 'कमांडर्स कॉन्फ्रेंस' नई दिल्ली में 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। नौसेना प्रमुख और अन्य वरिष्ठ कमांडर वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों का गहन विश्लेषण करेंगे। बहुआयामी चुनौतियों से निपटने की रणनीतियों की समीक्षा करेंगे। सम्मेलन में ब्लू-वॉटर क्षमताओं के विस्तार, आधुनिक प्रशिक्षण, मानव संसाधन प्रबंधन, प्लेटफॉर्म्स की युद्धक तैयारियों और टिकाऊ रखरखाव प्रणाली पर विस्तार से चर्चा होगी।

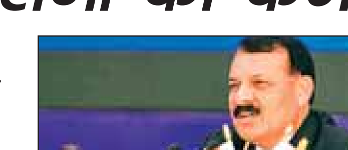

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी

समुद्री सुरक्षा और तैयारियों पर होगी चर्चा

यह सम्मेलन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद नौसेना की ऑपरेशनल सिद्धांतों की पुष्टि, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने व तकनीक आधारित प्रतिक्रिया तंत्र को और प्रभावी बनाने के दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व रखता है। यह तीन दिवसीय महत्वपूर्ण सम्मेलन नौसेना भवन में आयोजित होगा, जिसमें नौसेना के शीर्ष नेतृत्व, ऑपरेशनल कमांडर और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। दूसरी ओर यह सम्मेलन समुद्री सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए रणनीतिक दिशा तय करने का प्रमुख मंच माना जाता है।

त्वरित तैनाती और समुद्री निगरानी पर विशेष ध्यान

इस संदर्भ में सम्मेलन के दौरान त्वरित तैनाती, समुद्री निगरानी और संकट के समय समन्वित प्रतिक्रिया पर विशेष फोकस रह सकता है। इस महत्वपूर्ण नौसैनिक सम्मेलन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और गृह सचिव भी शामिल होंगे। वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण को सामने रखा जाएगा। इनके साथ विचार-विमर्श के माध्यम से तीनों सेनाओं के बीच तालमेल, संयुक्त संचालन और रणनीतिक समन्वय को मजबूत बनाने पर जोर दिया जाएगा। यह मंच राष्ट्रीय नेतृत्व और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच संवाद को भी सुदृढ़ करेगा।

एआई आधारित समाधानों पर फोकस

इस नौसैनिक सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधानों और डेटा-ड्रिवन तकनीकों की पर फोकस रहेगा। इन्हें नौसेना के संचालन में शामिल करने की दिशा में की गई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इससे निर्णय लेने की क्षमता, निगरानी प्रणाली और मिशन की सटीकता में सुधार होगा। सम्मेलन में स्वदेशीकरण, नवाचार और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के प्रयासों पर भी विचार किया जाएगा।

मैच प्रीव्यू...

विजय रथ पर सवार रॉयल्स, सनराइजर्स के सामने बड़ी चुनौती!

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

बेहतरीन फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी तो उसकी नजरें शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर टिकी होंगी।

रॉयल्स ने मौजूदा सत्र में लगभग हर विभाग में अपना दबदबा दिखाया है। चार मैच में चार जीत टीम के दबदबे को दिखाती है। टीम के पास खतरनाक शीर्षक्रम और बेहद संतुलित गेंदबाजी आक्रमण है। टीम की सफलता में यशस्वी जायसवाल और किशोर स्टार वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार सलामी जोड़ी की अहम भूमिका रही है, जिन्होंने पावरप्ले में लगातार विरोधी टीम के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त किया है। जायसवाल और सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी ने उन्हें मौजूदा सत्र की सबसे खतरनाक जोड़ियों में से एक बना दिया है। तीसरे नंबर पर ध्रुव जुरेल ने स्थिरता दी है और यह सुनिश्चित किया है कि टीम लय नहीं खोए।

रॉयल्स की गेंदबाजी में सुधार

रॉयल्स की गेंदबाजी में हालांकि मौजूदा सत्र में काफी सुधार दिख रहा है। पिछले सत्र में गेंदबाजों की नाकामी के कारण नौवें स्थान पर रहने के बाद वे कहीं अधिक अनुशासित और खतरनाक आक्रमण के रूप में लौटे हैं। जोफ्रा आर्चर ने तेजी और सटीकता के साथ गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर ने कोण और उछाल का इस्तेमाल करके विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। वह नौ विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाजों की सूची में सबसे ऊपर हैं जबकि रविंद्र जडेजा के टीम से जुड़ने से स्पिन विभाग को और मजबूती मिली है।

आज शाम 7.30 बजे से हैदराबाद में वैभव और ईशान की टीम के बीच रोमांचक मैच

हैदराबाद टीम का कमजोर पक्ष गेंदबाजी

गेंदबाजी हालांकि टीम का कमजोर पक्ष है और नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी ने टीम की परेशानियों को बढ़ा दिया है। गेंदबाजी आक्रमण विरोधी बल्लेबाजों को रोकने में जूझ रहा है विशेषकर बल्लेबाजी के अनुकूल हालात में जिससे बल्लेबाजों पर और दबाव पड़ रहा है। सनराइजर्स को अगर रॉयल्स की लय बिगाड़नी है तो शुरुआती विकेट और चटकाने होंगे तथा गेंदबाजी में एकजुट प्रदर्शन करना होगा।

हैदराबाद का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला

इसके उलट सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है। टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही है। अपने चार में से तीन मैच हारने के बाद पूर्व चैंपियन टीम छठे स्थान पर हैं। टीम अपनी पुरानी रणनीति पर चल रही है। वे तेज शुरुआत के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की तूफानी जोड़ी पर निर्भर हैं लेकिन दोनों ही लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। कार्यवाहक कप्तान इशान किशन भी अपनी शुरुआती पारी के बाद खराब फॉर्म में हैं। रन बनाने की जिम्मेदारी अधिकतर समय हेनरिक क्लासेन ने निभाई है, जिन्होंने चार पारियों में 184 रन बनाए हैं और सनराइजर्स को कछ मौकों पर वापसी दिलाने में सफल रहे हैं।

मैच का समय : 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू

खबर संक्षेप

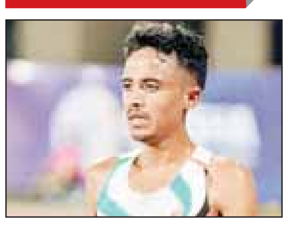

बरवाल ने मैराथन में तोड़ा 48 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

रोटरडैम। सावन बरवाल ने रोटरडैम एनएन मैराथन में भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम 48 साल पुराने राष्ट्रीय मैराथन रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रच दिया। हिमाचल प्रदेश के इस लंबी दूरी के धावक ने दो घंटे 11 मिनट और 58 सेकंड का समय लेकर इस शीर्ष स्तर की मैराथन में 20वां स्थान हासिल किया और शिवनाथ सिंह के नाम 1978 से कायम दो घंटे 12 मिनट के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

केकेआर के लिए राहत, 18 करोड़ के खिलाड़ी को मिली एनओसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अच्छी खबर है। तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से आईपीएल में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल गई है। पथिराना को नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 18 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। रिपोर्ट के अनुसार पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में उपलब्ध रहेंगे।

राष्ट्रीय सर्फिंग के चैंपियन बने शिवराज और कमाली

नई दिल्ली। शिवराज बाबू और कमाली मूर्ति ने लिटिल अंडमान प्रो 2026 टूर्नामेंट में क्रमशः पुरुषों और महिलाओं का ओपन सर्फिंग खिताब जीत लिया। शिवराज 13.63 के स्कोर के साथ राष्ट्रीय चैंपियन बने। उन्होंने श्रीकांत डी को सिर्फ 0.30 अंक के अंतर से हराया, जिनका स्कोर 13.33 रहा। किशोर कुमार 12.87 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे रहे जबकि संजय सेल्वमणि ने एक कड़े मुकाबले में 9.30 अंक बनाए। महिलाओं के ओपन सर्फिंग फाइनल में कमाली का दबदबा देखने को मिला।

टाइटंस ने सुपर जायंट्स को 7 विकेट से दी शिकस्त

गुजरात की दूसरी जीत, लखनऊ ढेर बटलर-गिल की फिफ्टी, कृष्णा का कहर

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

कृष्णा ने फेंका सबसे बेहतरीन स्पेल

प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने आईपीएल करियर का सबसे बेहतरीन स्पेल फेंका। प्रसिद्ध ने एडेन मार्करम, आयुष बदोनी, निकोलस पूरन और मुकुल चौधरी का विकेट चटकाया और एलएसजी को 164 रनों के स्कोर पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले साल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलते हुए कृष्णा ने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट निकाले थे, जो इस मुकाबले से पहले उनका बेस्ट बॉलिंग स्पेल था।

कोहली से आगे निकले गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल के 19वें मैच में कप्तानी पारी खेली और अर्धशतक लगाया। गिल ने अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दम पर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। गिल अब आईपीएल में सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। गिल ने इस मैच में अपना अर्धशतक 34 गेंदों पर पूरा किया और 56 रन की पारी खेली। इस पारी के दम पर उन्होंने आईपीएल में अपने 4000 रन भी पूरे कर लिए। गिल ने ये कमाल 118 पारियों में किया और इस लीग में सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए और विराट कोहली को तीसरे नंबर पर धकेल दिया।

जोस बटलर की खास उपलब्धि

इकाना क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में खास उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 14 हजार रन पूरे कर लिए हैं। बटलर टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले महज पांचवें बल्लेबाज हैं। बटलर से पहले यह मुकाम सिर्फ क्रिस गेल, कीरोन पोलार्ड, एलेक्स हेल्स और डेविड वॉर्नर ही हासिल कर सके हैं। टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड गेल के नाम है, जिन्होंने 463 मुकाबलों में 144 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14,562 रन बनाए हैं। वहीं, पोलार्ड ने 735 मुकाबलों में 150 के स्ट्राइक रेट से 14,482 रन बनाए हैं। हेल्स के नाम 14,449 दर्ज हैं तो वॉर्नर ने 14,121 रन बनाए हैं। बटलर टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे करने वाले इंग्लैंड के महज दूसरे बल्लेबाज हैं।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का सुंदर बो कृष्णा	30	21	5	1
मार्श का गिल बो रबाडा	11	4	1	1
पंत का तेवतिया बो सिराज	18	11	2	1
बडोनी का फिलिप्स बो कृष्णा	9	11	1	0
निकोलस पूरन का गिल बो कृष्णा	19	21	0	2
समद का फिलिप्स बो अशोक	18	22	2	0
मुकुल चौधरी का बटलर, बो प्रसिद्ध	18	4	1	1
लिंडे का स्थानापन्न बो अशोक	16	10	3	0
मोहम्मद शमी नाबाद	12	5	1	1
आवेश खान नाबाद	4	1	1	0

अतिरिक्त: 9 कुल योग: (20 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन)
गेंदबाजी: सिराज 4-0-19-1, रबाडा 4-0-54-1, अशोक 4-0-32-2, प्रसिद्ध 4-0-28-4, राशिद 4-0-25-0.

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का आवेश बो राठी	15	14	3	0
गिल का पंत बो प्रिंस	56	40	6	1
बटलर का मारक्रम बो शमी	60	37	11	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	21	13	2	1
राहुल तेवतिया नाबाद	10	8	1	0

अतिरिक्त 03 कुल योग: (18.4 ओवर में तीन विकेट पर) 165 रन
गेंदबाजी: शमी 4-0-36-1, प्रिंस4-0-31-1, राठी 4-0-31-1, लिंडे3-0-28-0, आवेश2-0-24-0, मारक्रम 1.4-0-15-0.

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

शेट्टी को सिल्वर मेडल से करना पड़ा संतोष

एजेंसी ▶▶| निंगबो

- फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी से हारे
- प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने आयुष

भारत के आयुष शेट्टी को रविवार को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

मंगलुरु के 20 साल आयुष को लय हासिल करने में परेशानी हुई और वह चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन से 8-21, 10-21 से हार गए, जिससे इस प्रतियोगिता में भारत का पुरुष एकल स्वर्ण पदक का 61 साल का इंतजार जारी रहा। हार के बावजूद आयुष का अभियान शानदार रहा। वह दिनेश खन्ना के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने। खन्ना इस प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय एकल चैंपियन हैं। उन्होंने 1965 में यह खिताब जीता था। खन्ना के अलावा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने भी 2023 में यह खिताब जीता था।

प्रतियोगिता में आयुष का शानदार सफर

आयुष ने हालांकि इस हफ्ते अधिक नियंत्रण और आक्रामकता के साथ खेला और फाइनल के अपने सफर के दौरान दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कुनलावत वितिदसार्न, दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी और वर्ल्ड सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शी फेंग को हराया।आयुष ने हालांकि शी की कड़ी चुनौती के सामने घुटने टेक दिए। चीन के खिलाड़ी ने उन्हें अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल खेलने का मौका नहीं दिया। शी ने अपने खेल की विविधता से भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बनाया और कुछ सटीक स्मैश भी लगाए। चीन के खिलाड़ी ने दो बढ़िया नेट ड्रिबल से शुरुआती अंक हासिल किए और 4-0 की बढ़त बना ली। आयुष के स्मैश शुरू में सटीक नहीं थे और वह पिछड़ गए।

आरित ने किया आईएम नॉर्म हासिल बने सबसे कम उम्र के भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के 10 वर्षीय आरित कपिल स्पेन के मेनोरका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के अंतिम दौर में ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल असाका के साथ ड्रॉ खेलकर अंतरराष्ट्रीय मास्टर (आईएम) नॉर्म हासिल करने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महज 10 वर्ष सात महीने की उम्र में इस उपलब्धि को हासिल कर नया रिकॉर्ड बनाया। आरित ने प्रतियोगिता की शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए दूसरे दौर में कजाखस्तान के पूर्व विश्व अंडर-20 चैंपियन और ग्रैंडमास्टर नोगरबेक काजीबेक को हराया।

2015 में जन्मे खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर

दिल्ली के इस खिलाड़ी के लिए पिछले साल अंडर-11 राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतना उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। वह वर्तमान में 2015 में जन्मे खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। इस प्रतियोगिता में आरित का सबसे यादगार प्रदर्शन अर्जेंटीना के 12 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर ओरो फॉस्टिनो के खिलाफ रहा, जिन्हें 'शतरंज की दुनिया का मेसी' कहा जाता है।

महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनीं शिविका

बुडापेस्ट। भारत की शिविका रोहिल्ला यहां संपन्न पहले सैटर्डे शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में अंतरराष्ट्रीय मास्टर रुडोल्फ सेर्टिक के खिलाफ ड्रॉ खेलकर महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बन गईं। वर्ष 2023 में अपना पहला नॉर्म हासिल करने वाली शिविका पिछले 10 टूर्नामेंट में अंतिम नॉर्म हासिल करने में करीब पहुंचीं थी लेकिन उन्होंने मौके गंवा दिए। इस बार टूर्नामेंट की शुरुआत में बड़ी जीत की बदौलत उन्होंने आत्मविश्वास हासिल किया और अंतिम चरण में लड़खड़ाने के बावजूद दिल्ली की यह खिलाड़ी अंतिम नॉर्म हासिल करने में सफल रहीं। शिविका ने नौ बाजियों में 4.5 अंक जुटाए, जिससे उन्हें रेटिंग में भी फायदा हुआ। उन्होंने महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स के लिए जरूरी रेटिंग अंक 2025 में पोलैंड में टूर्नामेंट में बाद हासिल कर लिए थे। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी की नजरें अब महिला ग्रैंडमास्टर बनने पर टिकी हैं।

अंपायर से भिड़ने की राणा को मिली बड़ी सजा, गायकवाड़ को लगा तगड़ा झटका

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नीतीश राणा पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान चौथे अंपायर के साथ बहस करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना 19वें ओवर में घटी जब अंपायर ने ट्रिस्टन स्टब्स के गीले दस्ताने बदलने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद राणा और अंपायर में तीखी बहस हुई। स्टब्स ने उमस भरे वातावरण में अत्यधिक पसीने के कारण अपने दस्ताने बदलने का अनुरोध किया था। राणा ने आउट होने के बाद चौथे अंपायर से भी बहस की, जिसके लिए उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया।

राणा को दिया गया एक डिमेरिट पॉइंट

आईपीएल ने कहा, ' दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नीतीश राणा पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है और उन्हें आईपीएल के खिलाड़ियों के आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है।' बयान में कहा गया है, 'राणा को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो 'मैच के दौरान अभद्र भाषा का उपयोग' करने से संबंधित है।'

गायकवाड़ पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर इस मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। सीएसके ने शनिवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर 23 रन की जीत के साथ इस आईपीएल में अपना खाता खोला। आईपीएल ने कहा, ' यह न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध है, इसलिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।'

बायर्न ने तोड़ा अपना 54 साल पुराना रिकॉर्ड

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा में एक सत्र में सर्वाधिक गोल करने का अपना ही 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लियोन गोरेट्जका का गोल बायर्न का लीग में इस सत्र का का 102वां गोल था, जिससे उसने नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले का रिकॉड (101 गोल) भी बायर्न के नाम पर ही दर्ज था, जो उसने 1971-72 में बनाया था। बायर्न ने इस मैच में सेंट पाउली को उसके घरेलू मैदान पर 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से बायर्न ने रियाल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग मैच के लिए अपनी तैयारी का पुख्ता सबूत भी पेश किया और बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 12 अंकों की बढ़त बनाकर बुंडेसलिगा में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। प्रतियोगिता में अभी पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

मेहमेती के साथ मेसी की मास्टरक्लास

मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने 8 अप्रैल 2009 को जब बार्सिलोना के लिए चैंपियंस लीग मैच में दो गोल किए थे, उसके दो दिन पहले एड्री मेहमेती का जन्म हुआ था। इसके 17 साल बाद मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में जब यह दोनों आमने-सामने थे तो गजब का नजारा देखने को मिला। इन दोनों ने अपनी टीमों की तरफ से मैच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेस्सी ने दूसरे हाफ में जर्मन बर्तेरामे के गोल में मदद की, जिससे इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में पहली बार बढ़त हासिल की। मेहमेती ने 77वें मिनट में एमएलएस में अपना पहला गोल किया, जिससे न्यूयॉर्क रेड बुल्स ने मौजूदा एमएलएस कप चैंपियन इंटर मियामी को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। इंटर मियामी के लिए माटेओ सिल्वेटी ने भी गोल किया, जबकि रेड बुल्स की तरफ से पहला गोल जॉर्ज रुवाल्काबा ने किया था।

बार्सिलोना ने खिताब की ओर बढ़ाया कदम

बार्सिलोना। लामिन यामल ने एक गोल किया और फेरान टोरेस के दो गोल में मदद की, जिससे बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब बरकरार रखने की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया।

यामल ने फेरान को 10वें और 25वें मिनट में गोल करने में मदद की। इसके बाद इस युवा खिलाड़ी ने 87वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना की जीत सुनिश्चित कर दी। बार्सिलोना की तरफ से चौथा गोल 89वें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने किया। बार्सिलोना ने इस जीत से अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त नौ अंक कर दी है। रियाल मैड्रिड ने शुक्रवार को गिरोना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था।

मैरी ने रचा इतिहास, बनीं पुरुष टीम की कोच

बर्लिन। मैरी लुईस एटा ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा के क्लब यूनियन बर्लिन की पुरुष टीम का मुख्य कोच बनकर इतिहास रच दिया है। वह पहली महिला कोच हैं, जिन्हें बुंडेसलिगा में किसी सीनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

एटा अभी 34 वर्ष की हैं और उन्होंने स्टेफेन बॉमगार्ट की जगह ली है। एटा इससे पहले अंडर-19 पुरुष टीम को कोचिंग दे रही थीं। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में अगले सत्र में यूनियन की महिला टीम के कोच का पद संभालने के लिए सहमति जताई थी।

यूनियन बर्लिन को अभी बुंडेसलीगा में पांच मैच खेलने हैं। उन्होंने 2023 में बुंडेसलिगा और यूरोप की शीर्ष पांच फुटबॉल लीग में पहली महिला सहायक कोच बनकर इतिहास रचा था।

गोलबाजार के अतिक्रमणों पर चला बुल्डोजर

निगमायुक्त के निरीक्षण के बाद एक्शन

हरिभूमि जबलपुर।

शहर की धड़कन कहे जाने वाले गोलबाजार क्षेत्र में रविवार को सुबह नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार के औचक निरीक्षण के बाद, दोपहर होते-होते निगम, जिला और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर दिया। इस बड़ी कार्यवाही से सालों से जाम की समस्या झेल रहे राहगीरों और व्यापारियों ने राहत की श्वांस ली है।

कार्यवाही की शुरुआत रविवार की सुबह तब हुई जब निगमायुक्त ने स्वयं गोलबाजार का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि सड़कों और फुटपाथों पर अवैध कब्जों के कारण आम जनता का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए, जिसका असर दोपहर होते-होते धरातल पर नजर आने लगा।

संयुक्त टीम ने हटाये अवैध कब्जे

दोपहर को नगर निगम की टीम, जिला प्रशासन के अधिकारियों और भारी पुलिस बल के साथ गोलबाजार पहुंची। इस संयुक्त कार्यवाही के दौरान सड़क घेरे हुए लगभग 50 से 60 अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया। नालियों के ऊपर बने पक्के और कच्चे ढांचों को साफ किया गया। सड़क पर सामान फैलाकर व्यापार करने वालों को सख्त चेतावनी दी गई।

शहर की सुंदरता और सुगमता पर जोर

प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना ही नहीं, बल्कि गोलबाजार को व्यवस्थित और सुंदर बनाना है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। कार्यवाही के दौरान अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

पूर्व कलेक्टर की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी की कोशिश

जबलपुर। जबलपुर के पूर्व कलेक्टर और वर्तमान में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के आयुक्त कर्मवीर शर्मा के नाम पर साइबर अपराधियों ने फर्जी फेसबुक आईडी तैयार की और मकान बेचने का संदेश प्रसारित कर दिया। साइबर ठगों ने आम नागरिकों और उनके पुराने परिचितों को अपना निशाना बनाने की बड़ी साजिश रची। जैसे ही सोशल मीडिया पर कर्मवीर शर्मा के नाम की यह फर्जी प्रोफाइल सक्रिय हुई, बड़ी संख्या में लोगों ने इसे असली मानकर फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट भेजना शुरू कर दिया। ठग ने बेहद चालाकी से इन रिक्वेस्ट्स को स्वीकार किया और कुछ ही मिनटों के भीतर मैसेंजर पर लोगों से संपर्क साधना शुरू कर दिया। शुरुआती बातचीत में ठगों ने लोगों से उनके व्यक्तिगत मोबाइल नंबर मांगे। संपर्क टूटने का बहाना बनाकर मांगे गए इन नंबरों को कई लोगों ने बिना किसी संदेह के साझा कर दिया।

सनसनी : खितौला श्मशानघाट में मिला अधजला शव

जलती चिता पर लेटकर युवक ने की आत्महत्या

जबलपुर। जिला मुख्यालय से लगभग 42 किलोमीटर दूर ग्राम खितौला में हिरन नदी के तट पर स्थित श्मशान घाट में एक जलती चिता पर कूदकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम को खितौला श्मशान घाट में एक मृतक का अंतिम संस्कार किया गया था। रस्मों को पूरा करने के बाद परिजन चिता को जलती हुई अवस्था में छोड़कर अपने घर लौट आए थे। इसी बीच, रात के करीब 3 बजे सिब्बू कोल उर्फ शुभम कोल उम्र 27 वर्ष, जो खितौला का निवासी था, बिना किसी को बताए अचानक अपने घर से लापता हो गया। सुबह होने पर जब वह घर नहीं मिला तो परिजनों में हड़कंप मच गया और उन्होंने उसकी तलाश शुरू की।

अगली सुबह करीब 6 बजे परिजनों ने खितौला थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज कराने के बाद परिजन और परिचित उसकी खोजबीन में जुटे रहे। इसी दौरान, सुबह लगभग 7 बजे जब कुछ लोग खारी विसर्जन के लिए चिता की राख एकत्रित करने श्मशान घाट पहुंचे, तब वहां का मंज़र देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने जलती हुई चिता के ऊपर एक युवक का आधा जला हुआ शव देखा। उन्होंने तुरंत इस घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर खितौला थाना प्रभारी रमन सिंह पुलिस बल के साथ शमशानघाट पहुंचे। पुलिस ने शव को चिता से अलग कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक की शिनाख्त लापता सिब्बू कोल उर्फ शुभम कोल के रूप में हुई है, जिसने अज्ञात कारणों से यह खौफनाक कदम उठाया है। पुलिस मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है।

ट्रेन में आरक्षित बर्थों की उपलब्धता का यात्री लाभ उठाएं

समर स्पेशल जबलपुर से अयोध्या के लिए संचालित

जबलपुर। रेल प्रशासन द्वारा समर के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु ग्रीष्मकालीन अवकाश में उत्तर प्रदेश के धार्मिक नगरी अयोध्या के लिए गाड़ी संख्या 01705/01706 जबलपुर-अयोध्या धाम जंक्शन-जबलपुर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन 13-13 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी के कोचों के साथ संचालित होगी। इस स्पेशल ट्रेन में वर्तमान में सभी श्रेणी में उपलब्ध आरक्षित बर्थों पर यात्री अग्रिम आरक्षण सुविधा का लाभ ले सकतें हैं।

जबलपुर-अयोध्या धाम जंक्शन-जबलपुर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन (13-13 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01705 जबलपुर-अयोध्या धाम जंक्शन साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन 21 अप्रैल से 14 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को अपने प्रारंभिक स्टेशन जबलपुर से शाम 19:40 बजे प्रस्थान कर सिहोरा रोड 20:10 बजे, कटनी 21:20 बजे, मैहर 22:10 बजे, सतना 22:50 बजे, अगले दिन मानिकपुर जंक्शन मध्यरात्रि 00:28 बजे, प्रयागराज छिवकी 02:15 बजे, मिर्जापुर 04:00 बजे, वाराणसी 07:05 बजे, जौनपुर जंक्शन 08:30 बजे पहुँचकर और बुधवार को अयोध्या धाम जंक्शन 11:25 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01706 अयोध्या धाम जंक्शन-जबलपुर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन 22 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 तक प्रत्येक बुधवार को अपने प्रारंभिक स्टेशन अयोध्या धाम जंक्शन से दोपहर 13:30 बजे प्रस्थान कर जौनपुर जंक्शन 16:00 बजे, वाराणसी 17:10 बजे, मिर्जापुर 19:45 बजे, प्रयागराज छिवकी 21:30 बजे, पहुँचकर अगले दिन मानिकपुर जंक्शन मध्यरात्रि 00:23 बजे, सतना 01:50 बजे, मैहर 02:15 बजे, कटनी 04:35 बजे, सिहोरा रोड 05:20 बजे और गुरुवार को जबलपुर 06:45 बजे पहुंचेगी। रेलयात्री इस स्पेशल ट्रेन का किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्र या ऑनलाइन आईआरसीटीसी की वेबसाइट से आरक्षण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे इस स्पेशल ट्रेन सेवा का उपलब्ध सीटों का अधिकतम लाभ उठाएं तथा अपनी यात्रा को सुविधाजनक एवं सुरक्षित बनाएं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240